गांव की गलियों से सरहद पार तक

dainikworldwisenews@gmail.com

वर्ल्ड वाइड न्यूज

डब्ल्यू डब्ल्यू एन

RNI.NO: JHAHIN/2023/85732

हजारीबाग ▪ गुरुवार, 15 मई,2025 ▪ विक्रम सम्वत् 2082 ▪ पृष्ठ 12 ▪ मूल्य :5 रू ▪ वर्ष :02 ▪ अंक: 296 ▪ झारखंड संस्करण

स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता

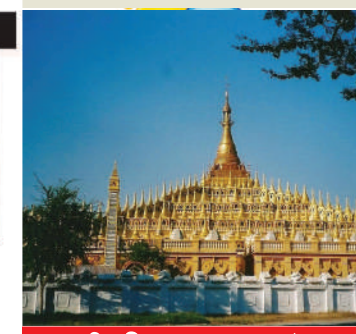

वर्ल्ड टूरिज्म बागान टेंपल, म्यांमार।

राष्ट्रपति मुर्मू ने ऑपरेशन सिंदूर की सराहना कर सेनाओं की वीरता को बताया शानदार सफलता

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने मुलाकात कर राष्ट्रपति को दी सफलता की जानकारी

एजेंसी। नई दिल्ली

आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर को लेकर देशभर में गर्व और उत्साह का माहौल है। इस बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने मुलाकात की और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की जानकारी दी। राष्ट्रपति मुर्मू ने सशस्त्र बलों की वीरता, रणनीतिक दक्षता और समर्पण की सराहना करते हुए कहा, कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की यह प्रतिक्रिया एक शानदार सैन्य सफलता है, जो देश की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

तिरंगा यात्रा से देश में जोश का माहौल : ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के सम्मान में भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशभर में तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं। श्रीनगर से लेकर जामिया मिलिया इस्लामिया और उत्तर प्रदेश तक, हर जगह देशभक्ति की लहर दिखाई दी। दिल्ली के जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में छात्रों और शिक्षकों ने संयुक्त रूप से तिरंगा यात्रा निकाली।

मुख्य न्यायाधीश बने बीआर गवई, शपथ के बाद मां के चरण छू लिया आशीर्वाद

नई दिल्ली। भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के तौर पर आज बुधवार सुबह न्यायमूर्ति बीआर गवई ने पदभार संभाल लिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें राष्ट्रपति भवन में पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के तुरंत बाद न्यायमूर्ति गवई ने मंच पर बैठीं अपनी मां कमलताई गवई के चरण छूकर आशीर्वाद लिया। यह दृश्य भावुक कर देने वाला था, जब देश की सर्वोच्च न्यायपालिका के नए प्रमुख ने अपनी सफलता का श्रेय मां को देते हुए उनके पैरों में सिर नवाया। मंच पर मौजूद रहीं कमलताई गवई ने अपने बेटे को स्नेहपूर्वक गले लगाया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, कि मेरा बेटा आज यहां अपनी मेहनत और लगन के दम पर पहुंचा है। उन्होंने आगे कहा कि बेटे का यह मुकाम उनके लिए गर्व का पल है। शपथ ग्रहण के बाद चीफ जस्टिस गवई ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना से भी मुलाकात की। यहां बताते चलें कि न्यायमूर्ति गवई का जन्म 24 नवंबर 1960 को महाराष्ट्र के अमरावती में हुआ था। उन्होंने 16 मार्च 1985 को वकालत की शुरुआत की थी।

केंद्र ने पाक हाईकमीशन अफसर को भारत छोड़ने को कहा, 24 घंटे का दिया समय

नई दिल्ली। पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच भारत सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। केंद्र ने दिल्ली में एक पाकिस्तान हाई कमीशन के अफसर को पॉर्सोना नॉन ग्रेसा घोषित कर दिया है। इसका मतलब है कि अब वह अधिकारी भारत में नहीं रह सकते हैं। उन पर ऐसे काम करने का आरोप है जो उनके पद के हिसाब से सही नहीं था। विदेश मंत्रालय ने कहा कि उस अफसर को 24 घंटे के अंदर भारत छोड़ना होगा। पाकिस्तान हाई कमीशन के संबंधित विभाग को इस बारे में जानकारी दे दी गई है। पॉर्सोना नॉन ग्रेसा जिसका आसान भाषा में मतलब होता है अवांछित व्यक्ति यानी, कोई ऐसा व्यक्ति जिसे किसी खास जगह, देश या समूह में अब पसंद नहीं किया जाता या स्वीकार नहीं किया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय मामलों में जब कोई देश किसी को पॉर्सोना नॉन ग्रेसा घोषित करता है। पॉर्सोना नॉन ग्रेसा का मतलब है कि उस व्यक्ति को देश से निकाला जा रहा है। ये राजनयिकों के लिए सजा मानी जाती है। ये नियम वियना कन्वेंशन ऑन डिप्लोमैटिक रिलेशंस (1961) में बना था। इस कन्वेंशन में राजनयिकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय नियम तय किए

पॉर्सोना नॉन ग्रेसा किया घोषित, इसका मतलब होता है अवांछित व्यक्ति

गए थे। पॉर्सोना नॉन ग्रेसा नोट एक आधिकारिक पत्र होता है। इसे किसी देश का विदेश मंत्रालय दूसरे देश के दूतावास को भेजता है। इसमें लिखा होता है कि उनका कोई राजनयिक या अफसर अब हमारे देश में स्वागत योग्य नहीं है। नोट भेजने वाला देश ये बताने के लिए बाध्य नहीं है कि उसने ये नोट क्यों भेजा। वियना कन्वेंशन के मुताबिक जिस व्यक्ति को पॉर्सोना नॉन ग्रेसा घोषित किया गया है, उसे नोट मिलने के 48 से 72 घंटे के अंदर देश छोड़ना होता है। भारत ने पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत एक पाकिस्तानी अधिकारी को उसकी आधिकारिक स्थिति के अनुरूप काम नहीं करने की वजह से निष्कासित कर दिया। उसे पॉर्सोना नॉन ग्रेसा घोषित किया गया है। विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तानी अधिकारी को भारत छोड़ने के लिए 24 घंटे का समय दिया है।

गवई बने भारत के पहले बौद्ध और दूसरे दलित मुख्य न्यायाधीश

एजेंसी। नई दिल्ली

न्यायमूर्ति बी आर गवई ने बुधवार को भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। वह देश के पहले बौद्ध और दूसरे दलित मुख्य न्यायाधीश बन गए हैं। इससे पहले न्यायमूर्ति के जी बालकृष्णन दलित समुदाय से पहले सीजेआई बने थे। न्यायमूर्ति गवई को राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शपथ दिलाई। गवई ने हिंदी में शपथ ली। उन्होंने सीजेआई संजीव खन्ना की जगह ली है जो मंगलवार को सेवानिवृत्त हो गए हैं। न्यायमूर्ति बी आर गवई को 24 मई, 2019 को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। उनका कार्यकाल छह महीने से अधिक समय का होगा और वह 23 नवंबर तक पद पर रहेंगे। शपथ ग्रहण से एक दिन पहले बार एंड बेंच को दिए साक्षात्कार में गवई ने कहा था कि मैं हमेशा सामाजिक और आर्थिक न्याय का पक्षधर रहा हूं। उन्होंने बताया कि न्यायपालिका में लंबित मामलों की संख्या को कम करना और निचली अदालतों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना उनकी प्राथमिकताओं में है। न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि मैं सुप्रीम कोर्ट से लेकर निचली अदालतों तक लंबित मामलों की समस्या को प्राथमिकता से हल करना चाहता हूं। उच्च न्यायालयों का बुनियादी ढांचा बेहतर है, लेकिन निचली अदालतों में अब भी समस्याएं हैं। उन्होंने माना कि उनका कार्यकाल केवल छह महीनों का है, इसलिए वे कोई बड़े वादे नहीं करना चाहते, लेकिन जो भी कर सकें, व्यावहारिक रूप से काम करेंगे। उन्होंने कहा कि न्यायालयों में मामलों की सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया लंबित मामलों को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां अभी दो दिन गैर-महत्वपूर्ण मामलों और एक दिन नियमित मामलों के लिए होता है, जिससे नियमित मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि वह अपने सहयोगी न्यायाधीशों के साथ इस पर चर्चा करेंगे और व्यावहारिक समाधान खोजने की कोशिश करेंगे। हाल ही में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के घर कैश बरामद होने के मामले पर टिप्पणी करते हुए गवई ने कहा कि 900 न्यायाधीशों में से ऐसे मामलों की संख्या बहुत कम है, लेकिन इतनी भी बर्दाश्त नहीं की जा सकती है। जनता हमारे ऊपर भरोसा करती है। उन्होंने यह भी कहा कि वह इन-हाउस जांच समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की प्रक्रिया को तय नियमों के तहत ही देखेंगे। केंद्र सरकार द्वारा कॉलेजियम की सिफारिशों पर निर्णय में हो रही देरी को लेकर न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि वे सरकार के साथ संवाद स्थापित कर लंबित नियुक्तियों को जल्द से जल्द निपटाना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि नियुक्तियों में पारदर्शिता जरूरी है, लेकिन इसके साथ योग्यता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

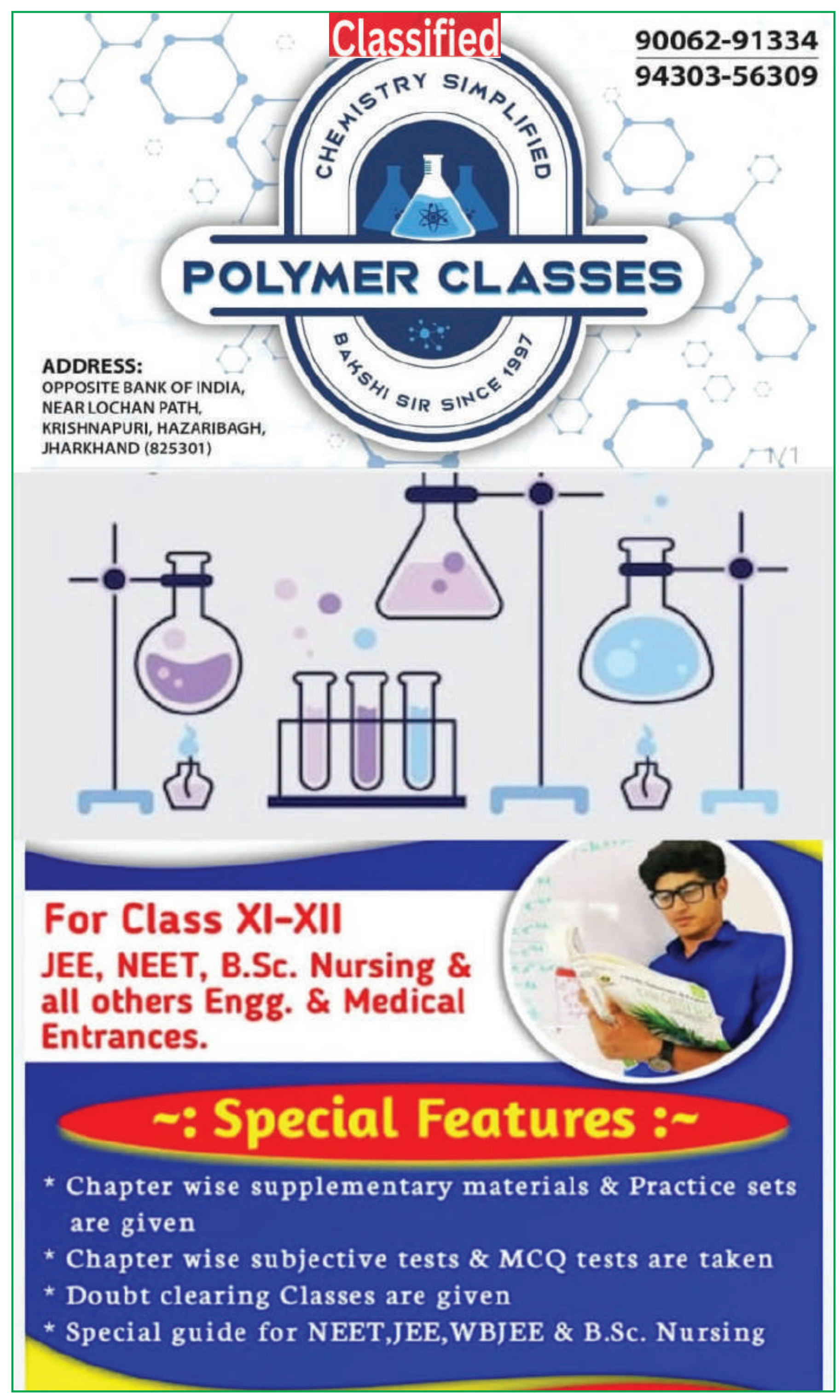

संक्षिप्त समाचार

इजराइल-सऊदी में संबंध मेरा 'सपना' लेकिन फैसला सऊदी को अपनी 'मर्जी और समय' पर करना चाहिए: ट्रंप

रियाद। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों सऊदी अरब के दौरे पर हैं। राजधानी रियाद में उन्होंने सऊदी के वली अहद क्राउन प्रिंस से मुलाकात की और फिर जो मैसेज दिया वह इजराइल की टेंशन बढ़ाने वाला होगा। इस दौरान उनकी एक तस्वीर ने लोगों का ध्यान खींचा और इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को उसे टकटकी लगाए देख रहे होंगे। डोनाल्ड ट्रंप जिस मंच से अरबी लोगों को संबोधित कर रहे थे, उसके पीछे अरबी में कलमा लिखा था। इस दौरान ट्रंप ने कहा कि सऊदी अरब और इजराइल के बीच औपचारिक रिश्ते बनाना उनका 'सपना' है, लेकिन उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि यह फैसला सऊदी को अपनी 'मर्जी और समय' पर करना चाहिए। उधर व्हाइट हाउस ने भी सऊदी अरब के साथ रक्षा और आर्थिक क्षेत्रों में सैकड़ों अरब डॉलर के डील की घोषणा की है, लेकिन कहीं भी इजराइल का नाम नहीं लिया। ट्रंप प्रशासन के इस बदले हुए रुख को लेकर जानकारों का कहना है कि अब अमेरिका की प्राथमिकता इजराइल-सऊदी संबंध नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता है। ट्रंप जिस मंच से इजराइल और सऊदी के रिश्तों पर अपना रुख साफ कर रहे थे, उसके पीछे अरबी में कलमा लिखा था। इसमें लिखा था, 'ला इलाहा इल्लल्लाह मुहम्मदुर रसूलुल्लाह'... इसका मतलब है, 'अल्लाह के अलावा कोई दूसरा ईश्वर नहीं है और मुहम्मद साहब अल्लाह के रसूल हैं। यह इस्लामी अकीदे यानी विश्वास का आधार है, जिस पर यकीन इस्लाम का पालन करने वाले हर मुसलमान के लिए जरूरी है।

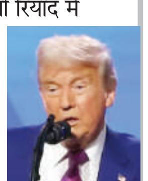

कनाडा की विदेश मंत्री बनी भारतीय मूल की अनीता आनंद

ओटावा। कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल किया है। उन्होंने भारतीय मूल की अनीता आनंद को विदेश मंत्री बनाया है। अनीता पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो सरकार में भी कैबिनेट मंत्री थीं। अनीता ने शपथ लेते हुए कहा कि मैं कनाडा की विदेश मंत्री के तौर पर चुने जाने को लेकर सम्मानित महसूस कर रही हूं। मैं पीएम मार्क कार्नी के साथ मिलकर काम करने और एक बेहतर और सुरक्षित दुनिया बनाने के लिए हमारी टीम के साथ मिलकर काम करने को लेकर आशान्वित हूं। बता दें उन्हें मेलोनी जोली की जगह विदेश मंत्री बनाया गया है। जोली को उद्योग मंत्री बनाया गया है। कार्नी के कैबिनेट में आधी सदस्य महिलाएं हैं। पीएम कार्नी ने कहा कि उनका मंत्रिमंडल कनाडा के लोगों की इच्छा और जरूरत के मुताबिक बदलाव लाने के लिए काम करेगा। अनीता आनंद के पिता तमिलनाडु से जबकि उनकी मां पंजाबी हैं, लेकिन बाद में उनके माता-पिता कनाडा जाकर बस गए। अनिता ट्रूडो सरकार में परिवहन और व्यापार मंत्री रह चुकी हैं। अनीता का जन्म 1967 में नोवा स्कोटिया में हुआ था। उनके माता-पिता दोनों डॉक्टर हैं। अनीता टोरंटो विश्वविद्यालय में लॉ की प्रोफेसर रही हैं। वह पहली बार 2019 में ओकविल से सांसद चुनी गईं। वह 2021 से 2023 तक रक्षा मंत्री और 2023 से 2024 तक ट्रेजरी बोर्ड की अध्यक्ष रहीं।

विदेश मंत्री जयशंकर को मिली बुलेटप्रूफ कार, सुरक्षा भी बढ़ाई

नई दिल्ली। पाकिस्तान में बैठे आतंकियों को करारा जवाब देने के बाद सुरक्षा व्यवस्था को अधिक मजबूत किया गया है। खासतौर से विदेश मंत्री एस जयशंकर की सुरक्षा बढ़ाई गई है। उन्हे बुलेटप्रूफ कार दी गई और कमांडो भी तैनात किए गए हैं। दिल्ली में उनके आवास के आसपास भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। जयशंकर को पहले से ही जेड श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है, जो केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कमांडो द्वारा प्रदान की जाती है। उनकी सुरक्षा के लिए 33 कमांडो की एक टीम चौबीसों घंटे तैनात रहती है। बता दें कि पहलगाम हमले के बाद से विदेश मंत्री एस जयशंकर लगातार प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली बैठकों में शामिल होते रहे हैं। उन्होंने आतंकवाद और पाकिस्तान की नीतियों के खिलाफ लगातार बयान भी दिए हैं। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने रविवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक में वीआईपी नेताओं की सुरक्षा को लेकर समीक्षा की थी। बैठक में उन नेताओं को विशेष सुरक्षा देने पर चर्चा हुई जिन्होंने हाल के दिनों में पाकिस्तान के खिलाफ कड़े बयान दिए थे। बैठक में निर्णय लिया गया कि विदेश सचिव विक्रम मिस्री, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और बीजेपी के करीब 25 प्रमुख नेताओं की सुरक्षा की भी समीक्षा की जाएगी।

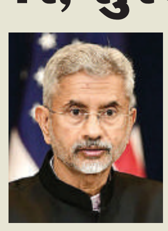

अग्निवीर योजना, आत्मनिर्भर भारत जैसी योजना को बनाने वाले अजय कुमार यूपीएससी के अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली। पूर्व रक्षा सचिव अजय कुमार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) का अध्यक्ष बनाया गया। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश में इसकी जानकारी दी गई। यूपीएससी के अध्यक्ष का पद 29 अप्रैल को प्रीति सूदन का कार्यकाल पूरा होने के बाद रिक्त हुआ था। आदेश के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कुमार की नियुक्ति को मंजूरी दी। कुमार के सेवा रिकॉर्ड के अनुसार, केरल कैडर के 1985 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी ने 23 अगस्त, 2019 से 31 अक्टूबर, 2022 तक रक्षा सचिव के रूप में काम किया। यूपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति 6 वर्ष की अवधि या 65 वर्ष की आयु तक के लिए की जाती है। अजय कुमार 1985 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।

केंद्रीय कैबिनेट का फैसला, उप्र के जेवर में बनेगा देश का छठा सेमीकंडक्टर प्लांट

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारत सेमीकंडक्टर मिशन के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में एक और 'सेमीकंडक्टर यूनिट' की स्थापना को मंजूरी दी है। इस यूनिट की स्थापना से देश में सेमीकंडक्टर निर्माण क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में देश का छठा सेमीकंडर प्लांट स्थापित किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में पत्रकार वार्ता में बताया कि यह यूनिट एचसीएल और 'फॉक्सकॉन' का संयुक्त उपक्रम है। इसे यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में जेवर एयरपोर्ट के पास स्थापित किया जाएगा। इस परियोजना में 3,700 करोड़ रुपये का निवेश होगा। यह देश में स्थापित होने वाला छठा 'सेमीकंडक्टर यूनिट' है। इससे पहले पांच यूनिट निर्माण के अग्रिम चरण में हैं। संयंत्र का उद्देश्य मोबाइल फोन, लैपटॉप, ऑटोमोबाइल, पीसी और अन्य उपकणों के लिए 'डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स' का निर्माण करना है। इस संयंत्र को 20 हजार वेफर्स प्रति माह के हिसाब से डिजाइन किया गया है। इसकी डिजाइन आउटपुट क्षमता 3.6 करोड़ यूनिट प्रति माह होगी।

शिवराज सिंह पूर्वोत्तर के दौरे में विकसित कृषि संकल्प अभियान पर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान पूर्वोत्तर के तीन दिवसीय दौरे के लिए आज रवाना होंगे। उनका आधिकारिक दौरा 15 से 17 मई तक चलेगा। इस दौरान शिवराज सिंह असम, मिज़ोरम एवं नागालैंड जाएंगे और विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। यात्रा के दौरान चौहान कृषि, बागवानी, पशुपालन एवं ग्रामीण विकास से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की समीक्षा करेंगे और परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। किसानों तथा स्थानीय हितधारकों से सीधा संवाद भी करेंगे। इस दौरान वे 29 मई से शुरू होने वाले देशव्यापी 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' में राज्यों की सहभागिता पर भी चर्चा करेंगे। मंत्रालय ने बताया कि प्रवास के पहले दिन 15 मई को सुबह केंद्रीय मंत्री चौहान मिज़ोरम के थेनज़ॉल स्थित कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर (सीओएच) के प्रशासनिक एवं अकादमिक भवन का उद्घाटन करेंगे एवं वृक्षारोपण करेंगे और किसानों से संवाद करेंगे। इसके बाद दोपहर में वे नगालैंड के जलुकी स्थित पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय के प्रशासनिक व शैक्षणिक भवन का उद्घाटन करेंगे और किसानों से बातचीत करेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर में कारगार साबित हुआ एस-400 रुस ने अब एस-500 भारत को ऑफर किया

मॉस्को। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने अपनी ताकत दिखाई है। रूसी एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 ने भारत के स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम आकाश और बराक के साथ मिलकर पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइल को जमीन पर गिरने नहीं दिया। इसकारण भारत ने पाकिस्तान में तबाही फैला दी। अब भारत को एस-500 एयर डिफेंस सिस्टम की पेशकश की है, जो दुनिया का सबसे एडवांस और ताकतवर एयर डिफेंस सिस्टम है। कई पोस्ट के द्वारा एस-500 का लालच देने की कोशिश की है। रूस की नेक्स्ट जेनरेशन एयर डिफेंस सिस्टम, जिसे स्टील्थ विमान से लेकर हाइपरसोनिक मिसाइलों तक हर चीज का मुकाबला करने के लिए डिजाइन किया गया है, दुर्जेय एस-400 का स्वाभाविक उत्तराधिकारी है। रुसी मीडिया के हवाला देकर लिखा है कि एस-400 मुख्य रूप से हाई एल्टीट्यूड वाले विमानों और क्रूज मिसाइलों को निशाना बनाता है, वहीं एस-500 को भविष्य के युद्ध के मैदान के लिए डिजाइन किया है और यह इससे निपट सकता है। इसमें कहा गया है कि एस-500 एयर डिफेंस सिस्टम बैलिस्टिक मिसाइलें (600 किमी तक की रेंज), हाइपरसोनिक हथियार, लो ऑर्बिट सैटेलाइट, एफ-35 और बी-2 बॉम्बर जैसे पांचवीं पीढ़ी के विमानों के खिलाफ कारगर है। यानि रूस ने एक ओर से अमेरिकी हथियारों को निशाना बनाने की चुनौती दे दी है। एक रिपोर्ट में बताया गया कि इसकी रेंज प्रभावशाली है, बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस के लिए 600 किमी और हवाई लक्ष्यों के लिए 500 किलोमीटर से ज्यादा। यह मैक 20 तक की स्पीड से यात्रा कर एक साथ 10 हाइपरसोनिक लक्ष्यों को ट्रैक और इंगेज कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक एस-500 में इंटरसेप्टर का मिश्रण इस्तेमाल किया गया है। इसमें 77एन6-एन और 77एन6-एन1 मिसाइलें (नई एंटी-मिसाइल सीरिज) हैं, साथ ही एस-400 प्रणाली के वेरिएंट भी हैं, जो इसे कई तरह के खतरों के खिलाफ लचीलापन और मल्टी लेयर सुरक्षा प्रदान करते हैं। इसके अलावा एस-500 को ट्रकों से काफी आसानी से एक जगह से दूसरे जगह ले जाया जा सकता है, जिससे दुश्मनों के लिए निशाना बनाना काफी मुश्किल हो जाता है।

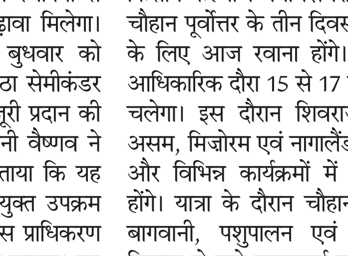

वर्ल्ड फेमस

बांग्लादेश में अमेरिका समर्थित एक 'ग्रेट गेम' शुरू होने की आशंका है, जिसके तहत म्यांमार के राखीन राज्य में 'मानवीय गलियारा' स्थापित करने की तैयारी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह गलियारा भारत के लिए चिंता का विषय बन सकता है, क्योंकि इसका इस्तेमाल अराकान आर्मी को मदद पहुंचाने के लिए किया जा सकता है।

एक्यूपंचर चिकित्सा के क्षेत्र में बढ़ाएं कदम

एक्यूपंचर में डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। इस क्षेत्र में उचित प्रशिक्षण व अनुभव की आवश्यकता होती है। इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए आप बारहवीं के बाद एक वर्ष के डिप्लोमा कोर्स से लेकर तीन वर्षीय डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।

चीन से उत्पन्न हुआ एक्यूपंचर चिकित्सा विज्ञान का इस्तेमाल आज पूरे विश्व में किया जाता है। एक्यूपंचर को नीडलिंग थेरेपी भी कहा जाता है। इस चिकित्सा थेरेपी के दौरान विशिष्ट बिंदुओं पर बहुत बारीक सुइयों का इस्तेमाल करके दर्द या बीमारी का इलाज किया जाता है। एक्यूपंक्चर इस सिद्धांत पर आधारित है कि ऊर्जा, जिसे ची भी कहा जाता है, शरीर में और आसपास के मार्ग से बहती है। लेकिन व्यक्ति को बीमारी तब होती है, जब यह ऊर्जा या ची ब्लॉक हो जाती है। एक्यूपंक्चर प्रक्रिया ची को अनब्लॉक या प्रभावित करने और वापस संतुलन में लाने में मदद करने का एक तरीका है। इन दिनों पूरे विश्व में जब लोग वैकल्पिक चिकित्सा का रूख कर रहे हैं तो ऐसे में एक्यूपंचर को बेहद प्रभावी माना जा रहा है। अगर आप चाहें तो इस क्षेत्र में अपना सुखद भविष्य देख सकते हैं

स्किल्स

एक्यूपंचर में अपना भविष्य देख रहे छात्रों में वैकल्पिक चिकित्सा और हॉलिस्टिक हीलिंग प्रॉपर्टीज में गहरी रूचि होनी चाहिए। इसके अलावा, आपमें बेहतरीन इंटरपर्सनल, कम्युनिकेशनल व लिसनिंग स्किल्स होने चाहिए। साथ ही आपमें संवेदनशीलता और पेंशेट की समस्या को समझने की गहरी समझ होनी चाहिए। धैर्य, सेल्फ अवेयरनेस और इमोशनल स्टेबिलिटी भी एक एक्यूपंचर स्पेशलिस्ट के लिए जरूरी है।

योग्यता

एक्यूपंचर में डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। इस क्षेत्र में उचित प्रशिक्षण व अनुभव की आवश्यकता होती है। इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए आप बारहवीं के बाद एक वर्ष के डिप्लोमा कोर्स से लेकर तीन वर्षीय डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा ग्रेजुएशन के बाद आप दो वर्ष का मास्टर कोर्स भी कर सकते हैं। एक्यूपंक्चर पाठ्यक्रम में छात्रों को एक्यूपंक्चर के विभिन्न पहलुओं जैसे शरीर के एक्यूपंक्चर बिंदुओं, एक्यूपंक्चर के फंडामेंटल, एक्यूपंक्चर मेरिडियन्स, फाइव एलिमेंट थ्योरी, एंसिलियरी एक्यूपंक्चर, क्लासिकल एक्यूपंक्चर, एप्लाइड एक्यूपंक्चर, इतिहास और पारंपरिक चीनी दवा (टीसीएल) के बारे में सिखाते हैं।

संभावनाएं

एक एक्यूपंचर स्पेशलिस्ट क्लीनिक, जिम, हेल्थ सेंटर्स, रिहैबिलेशन सेंटर्स, रिकवरी केयर यूनिट्स और मनोरोग वार्ड में काम कर सकते हैं। इसके अलावा, आप इस क्षेत्र में रिसर्च कर सकते हैं और एक्यूपंचर कोर्स संचालित करने वाली यूनिवर्सिटी व इंस्टीट्यूट में बतौर शिक्षक काम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप स्वतंत्र निजी चिकित्सक के रूप में भी काम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में स्वरोजगार बेहद आम है।

एनर्जी मैनेजमेंट में आगे बढ़ने का अवसर

ऊर्जा संकट आज पूरे विश्व की समस्या है। परंपरागत ऊर्जा पर निर्भरता के दुष्परिणाम बेमौसम बारिश, बाढ़, प्रदूषण, ग्लोबल वॉर्मिंग जैसी समस्याओं के रूप में हमारे सामने हैं। ऐसे में बीते कुछ वर्षों में क्लीन एनर्जी का महत्व काफी बढ़ा है। भारत भी ऊर्जा की अपनी भारी-भरकम जरूरतों को पूरा करने के लिए ऊर्जा के अतिरिक्त स्रोतों यानी वैकल्पिक ऊर्जा, जैसे सोलर एनर्जी, विंड एनर्जी, बायो एनर्जी या हाइड्रो एनर्जी पर ज्यादा फोकस कर रहा है। विभिन्न ऊर्जा स्रोतों के कुशल इस्तेमाल पर भी जोर दिया जा रहा है, जिसमें एनर्जी एफिशिएंट बिल्डिंग डिजाइन, रिस्क असेसमेंट, टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट, मैनेजरियल स्किल्स जैसी कोशिशें शामिल हैं। यही कारण है कि नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में एनर्जी मैनेजमेंट के ट्रेंड प्रोफेशनल्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। देश में अभी तक सौर तथा पवन ऊर्जा क्षेत्र में करीब 70 हजार लोगों को फुल-टाइम जॉब मिल चुकी हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि वर्ष 2025 तक उत्पादन क्षमता लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश में करीब 1,83,500 फुल-टाइम नौकरियों के अवसर और पैदा होंगे।

क्या है एनर्जी मैनेजमेंट?

एनर्जी मैनेजमेंट का महत्व आजकल सभी प्रतिष्ठानों में है। यह एक उभरता हुआ क्षेत्र है, जिसके अंतर्गत ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, ऑपरेशन, फाइनेंस, मार्केटिंग तथा स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट जैसे मैनेजेरियल वर्क एरिया शामिल हैं। ऐसे ट्रेंड प्रोफेशनल आम तौर पर एनर्जी कॉरपोरेशंस के मैनेजमेंट में बड़ी भूमिका निभाते हैं।

तरक्की की संभावनाएं

क्लीन एनर्जी इंडस्ट्री भले ही अभी शुरूआती दौर में है लेकिन यहां युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर करियर की संभावनाएं मौजूद हैं। बीते 4 वर्षों में सौर ऊर्जा का बाजार सौ गुना से भी ज्यादा तेज गति से आगे बढ़ा है। सोलर पावर उत्पादन क्षमता, जो अभी 20 गीगावॉट्स है, उसे वर्ष 2025 तक बढ़ाकर 100 गीगावॉट्स तक करने का लक्ष्य है। सोलर सेक्टर में निवेश भी बीते तीन वर्षों के करीब 8 बिलियन डॉलर के मुकाबले वर्ष 2023 में 10.9 बिलियन डॉलर तक हुआ। पवन ऊर्जा उत्पादन में भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा उत्पादक देश बन चुका है। इस ऊर्जा ऊत्पादन को भी अगले 6 वर्षों में 60 गीगावॉट्स तक पहुंचाने का लक्ष्य है। ये दोनों नए सेक्टर सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल हैं। ऐसे में आगे के वर्षों में देश की ऊर्जा जरूरतें पूरी होने के साथ-साथ एनर्जी मैनेजमेंट, मैन्युफैक्चरिंग, ट्रेडिंग, सर्विसिंग, इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी व सोशल एंटरप्रेन्योरशिप जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर और बढ़ेंगे।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

देश के कई विश्वविद्यालय अलग-अलग नामों से पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर रिन्यूएबल एनर्जी मैनेजमेंट या एनर्जी स्टडीज से जुड़े कोर्स ऑफर कर रहे हैं। इस तरह के कोर्स में बीटेक, बीई या एमएससी फिजिक्स के विद्यार्थी दाखिला ले सकते हैं। कई बिजनेस संस्थानों में एनर्जी मैनेजमेंट या पावर मैनेजमेंट जैसे एमबीए कोर्स भी ऑफर किए जा रहे हैं, जिन्हें ग्रेजुएशन के बाद किया जा सकता है।

सैलरी कितनी?

रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में डिप्लोमाधारी युवाओं को शुरूआत में ही 10 से 15 हजार रूपए की सैलरी आसानी से मिल जाती है। वहीं, हाई क्वॉलिफाइड टेक प्रोफेशनल्स को शुरू में 5 से 6 लाख रुपए का वार्षिक पैकेज मिल सकता है।

जॉब के अवसर

रिन्यूएबल एनर्जी एंड मैनेजमेंट सेक्टर से संबंधित सभी सरकारी व निजी उद्योगों में करियर के तमाम विकल्प मौजूद हैं। एनर्जी मैनेजमेंट के क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन के बाद युवा पावर डिस्ट्रिब्यूशन, ऑइल मार्केटिंग, पावर जनरेशन, ऑइल एक्सप्लोरिंग, पावर ट्रांसमिशन, एनर्जी पावर इंफ्रास्ट्रक्चर मैन्युफैक्चरिंग/ फाइनेंसिंग, एनर्जी सेक्टर, कंसल्टिंग सर्विसेज, सरकारी एजेंसियों यानी सोलर एनर्जी सेंटर, विंड एनर्जी टेक्नोलॉजी सेंटर, हाइड्रो एनर्जी सेंटर, इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी, ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी के अलावा एनजीओ में करियर बना सकते हैं। रिसर्च में रुचि रखने वाले युवा इनोवेशन से जुड़ सकते हैं। बायोटेक्नोलॉजी की पृष्ठभूमि वाले युवाओं के लिए बायोफ्यूल तथा बायो पॉलिमर्स के क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं। इंजीनियर्स इस सेक्टर में मशीन व उपकरणों के निर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं।

गेट परीक्षा पास करने के बाद इन क्षेत्रों में है बेहतर करियर

किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में भाग लेने से पहले हमें यह प्रश्न पूछना चाहिए कि यह परीक्षा भविष्य में हमें किन-किन रूपों में मदद करेगी। अगर आप गेट की परीक्षा में भी भाग लेने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले जान लीजिए कि इस परीक्षा को पास करने के बाद आप किन क्षेत्रों में अपना करियर बना सकते हैं। ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग एक राष्ट्रीय स्तर पर कंडक्ट कराया जाने वाला एग्जाम है जो इंजीनियरिंग के क्षेत्र में ग्रेजुएट छात्रों के लिए आयोजित की जाती है।

एमटेक

गेट परीक्षा में क्वालीफाई होने के बाद आप सीधे देश के सात आईआईटी या प्राइवेट संस्थानों में M. Tech के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह सबसे कॉमन प्रवेश द्वार है जिसकी तलाश हर इंजीनियर करता है। एक अच्छे गेट स्कोर (GATE Score) के साथ, आप देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में एम.टेक, स्टाइपेंड और विभिन्न एकेडमिक लाभों के लिए योग्य होंगे।

पीएसयू में नौकरी

आज, कई पीएसयू अच्छे गेट स्कोर वाले उम्मीदवारों को नियुक्त करते हैं। बीएचईएल, आईओसीएल, ओएनजीसी, एनटीपीसी आदि जैसे 200 से अधिक पीएसयू, इंजीनियरिंग उम्मीदवारों की भर्ती के लिए गेट स्कोर को बेहतर क्राइटेरिया मानते हैं। जब आप गेट की परीक्षा को क्रैक करते हैं तो आपको सीधे सरकारी क्षेत्र की नौकरियां मिल सकती हैं।

पीएचडी एडमिशन

इन दिनों एम.टेक योग्यता पीएचडी कार्यक्रमों के लिए चयनित होने के लिए अनिवार्य नहीं है, यदि आपके पास बीटेक डिग्री और अच्छा गेट स्कोर है तो आप सीधे पीएचडी कार्यक्रमों क लिए चुने जा सकते हैं। पीएचडी कार्यक्रमों के लिए एलिजिबल होने के लिए आपके पास एक बेहतर गेट स्कोर होना चाहिए और फिर रुचि वाले क्षेत्र में इंटरव्यू प्रोसेस के बाद पीएचडी में एडमिशन लिया जा सकता है।

मैनेजमेंट में पीजी डिप्लोमा

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट स्टडीज के तहत विभिन्न पाठ्यक्रम जैसे कि पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैन्युफैक्चरिंग मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट प्रदान करता है। इन पाठ्यक्रमों में क्वालीफाई होने के लिए उम्मीदवारों के पास इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी ग्रेजुएशन स्तर पर 60% और उससे अधिक के साथ वैध गेट स्कोर होना चाहिए।

थोड़े अभ्यास से आप भी बन सकते हैं सफल वक्ता

पब्लिक स्पीकिंग एक कला है, जिसमें कुशल लोग जीवन में भी काफी तरक्की कर जाते हैं। नौकरी की दुनिया हो या बिजनेस या फिर अन्य कोई भी फील्ड, तरक्की करने के लिए मंच पर बोलने की कला आनी चाहिए। आप देखते होंगे कि आज के दौर में सफल राजनेता हों या कॉरपोरेट हैड, वे बहुत अच्छे वक्ता भी होते हैं।

डर को करें दूर

अक्सर देखा जाता है कि इंट्रोवर्ट लोगों को जब ऑफिस में या किसी प्रोग्राम में लोगों की भीड़ के सामने बोलना पड़ता है, तो वे कांपने लगते हैं और उनकी जुबान लड़खड़ाने लगती है। ऐसा किसी के साथ भी हो सकता है। सबसे पहले आपको इस मामले में मन में आने वाले किसी भी तरह के डर को दूर करना होगा और इस बात पर ध्यान देना होगा कि प्रभावी तरीके से भाषण कैसे दिया जाए। यह जरूरी नहीं कि आप किसी प्रभावी वक्ता की तरह भाषण दे सकते हों लेकिन आपको आत्मविश्वास के साथ अपनी बात प्रभावी तरीके से कहने की कला आनी चाहिए। जो लोग मंच पर बहुत प्रभावी तरीके से भाषण दे लेते हैं, वे कोई सुपरह्यूमन नहीं होते। वे तो बस, मेहनती लोग होते हैं और यह जानते हैं कि अपनी बात पर जोर कैसे दिया जाए। इसलिए सारी आशंकाओं को दूर करते हुए सबसे पहले यह भरोसा पैदा करें कि आप यह कर सकते हैं।

तैयारी है महत्वपूर्ण

अपने भाषण की तैयारी इस तरह करें कि वह तार्किक प्रवाह वाला हो। उसे कहानियों, उदाहरणों आदि से ज्यादा से ज्यादा जीवंत बनाएं। तैयारी के लिए आप महान और अच्छे वक्ताओं के वीडियो देखें। स्पीच तैयार करने के बाद घर में ही जोर-जोर से बोलते हुए अभ्यास करें। ऐसा तब तक करें, जब तक कि आप इस बात से संतुष्ट नहीं हो जाते कि अब आप इसे प्रवाहमय तरीके से और आराम से लोगों के सामने बोल सकते हैं।

अपने लुक पर करें गौर

यह ध्यान रहे कि भाषण देने के लिए आपके आत्मविश्वास को बढ़ाने में सबसे पहला योगदान आपके बाहरी लुक का होता है। जब आप अच्छे दिखेंगे, तो अंदर से भी अच्छा महसूस करेंगे। आपके कपड़े फॉर्मल हों या कैजुअल, वे आरामदायक होने चाहिए।

देखें सकारात्मक पक्ष

इस बात पर विचार करें कि एक पब्लिक स्पीकर के रूप में आपके मजबूत और कमजोर पक्ष क्या हैं। आप जैसे हैं, उसी में बेहतर करने की कोशिश करें, अपने को वह न बनाएं जो आप नहीं हैं। जो आप बेहतर कर सकते हैं, उसी पर फोकस करें। आपके अंदर अच्छा सेंस ऑफ ह्यूमर हो सकता है, आप कहानियां सुनाने में माहिर हो सकते हैं या आप जटिल विचारों को टुकड़ों-टुकड़ों में बेहतर तरीके से पेश कर सकते हैं। खूबी कोई भी हो, उसका आपको फायदा उठाना चाहिए।

श्रोताओं का रखें ध्यान

इस बात पर अच्छी तरह से विचार करें कि आपके श्रोता क्या सुनना चाहते हैं। आप उनको क्या संदेश देना चाहते हैं? उनकी कौन-सी समस्या सुलझा सकते हैं? उनकी कौन-सी जरूरत पूरी कर सकते हैं? इन बातों को ध्यान में रखते हुए वह सब कुछ अपने भाषण में रखने की कोशिश करें। आपके श्रोता आपका भाषण क्यों सुनें? इसकी कोई वजह तो होनी चाहिए। शुरुआत में ही अपने भाषण को उनसे जोड़ने का प्रयत्न करें।

मुस्कराना न भूलें

मुस्कुराहट के साथ भाषण की शुरूआत करने से व्यक्ति खुश और सहज महसूस करता है। इसलिए भाषण से पहले एक बड़ी-सी स्माइल दें। कई लोग इसके जवाब में मुस्कुराएंगे, जिससे आप सहज होकर आत्मविश्वास से भरा महसूस करेंगे।

जानकारी है जरूरी

आप यदि कुछ जानते नहीं हैं, तो उसके बारे में बोल नहीं सकते। इसलिए टॉपिक के बारे में ज्यादा से ज्यादा पढ़ें और अलग-अलग स्रोतों से जानकारी हासिल करें। इससे आपका दृष्टिकोण व्यापक होगा और आप अपनी बात को बुद्धिमत्ता से रख पाएंगे।

पढ़ाई में मन कैसे लगाएं

बहुत से छात्र ऐसे होते है जिनका मन पढ़ाई मे नहीं लगता है और वे जब भी पढ़ने बैठते है तो उनका मन कहीं और ही जाने लगता है और उनके मन मे कई प्रकार के विचार आने लगते है। इस कारण वे अच्छे से पढ़ाई नहीं कर पाते है और उनको परीक्षा मे कम अंक ही प्राप्त हो पाते है अगर आपके साथ भी कुछ ऐसा ही होता है तो इस पोस्ट को आखिर तक पढ़ने के बाद आपकी यह परेशानी दूर हो सकती है। क्योंकि हम आपको पढ़ाई मे मन लगाने और आपकी रुचि कैसे बढ़ेगी पढ़ाई के प्रति इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण टिप्स व उपाय बता रहे है।

पढ़ाई मे अच्छे से ध्यान लगाएं

कुछ छात्र ऐसे होते है जो क्लास मे पढ़ाई के समय ध्यान नहीं देते है और बाद मे उन्हे कोई सवाल पूछा जाता है तो वे कहते है की समझ मे नहीं आया या फिर याद नहीं है तो आपको ऐसा बिलकुल भी नहीं करना है जब टीचर आपको पढ़ाई के लिए प्रेरित करें तो उनके द्वारा कहीं गई बातों को ध्यान से सुने और पढ़ाई मे मन लगाने का प्रयास करें ऐसे निरंतर करने से आपका मन पढ़ाई मे लग जाएगा और आपको पढ़ने की लत लग जाएगी।

नकारात्मक सोच को दूर करें

आपको हमेशा खुद पर पूरा विश्वास करना है की आप कुछ भी कर सकते है सभी विषयो की पढ़ाई करके उन्हे याद भी रख सकते है दोस्तो जो हम सोचते है हम वे सब काम कर सकते है और आप कुछ भी कर सकते है यह वादा आपको अपने आप से करना है और सच्ची मेहनत के साथ पढ़ाई मे मन लगाना है और अपने अंदर के नकारात्मक सोच व विचारो को दूर करके टाइम टेबल के अनुसार पढ़ाई निरंतर करते रहना है।

एकाग्रता बनाए रखे

दुनिया मे जो भी व्यक्ति सफल होते है वे अपनी एकाग्रता के कारण ही होते है इसलिए आप जब भी पढ़ाई करने जाए तो पूरी एकाग्रता के साथ अपने विषय पर ध्यान दे और उस टोपिक को पूरा क्लियर करने का प्रयास करें। पढ़ाई करते समय आपके मन मे और कोइर भी विचार नहीं आना चाहिए आपका पूरा फॉक्स पढ़ाई पर होना चाहिए।

अनुभव का उपयोग करें

अनुभव पढ़ाई मे भी बहुत काम आता है इसलिए आप हमेशा पापने द्वारा व दूसरों के द्वारा की गई गलतियों से सीखते रहे और उन्हे दुवारा ना होने दे। आपकी पुस्तक मे आने वाले चित्रो से आप बहतू कुछ सीख सकते है और आसानी से याद भी कर सकते है। आप अपनी क्लास या फिर किसी भी अच्छे छात्र से प्रेरणा भी ले सकते है और सही तरीके से पढ़ाई कर सकते है और जीवन मे आगे बढ़ सकते है।

पढ़ने का सही तरीका अपनाएं

दोस्तो आपको बता दे की पढ़ाई करने के बहुत से तरीके है लेकिन सबसे सही तरीका जो आपके अंदर आलस को दूर करता है आपका ध्यान पढ़ाई मे अधिक से अधिक लगता है वो है कुर्सी और टेबल पर ही पढ़ाई करनी चाहिए इस तरीको को अपनाते समय आपको थोड़े दिनो तक अलग सा लग सकते है लेकिन जब आप रेगुलर इस प्रकार पढ़ाई करेंगे तो आपकी रुचि अपने आप पढ़ाई के प्रति बढ़ती चली जाएगी और आप पढ़ाई मे होशियार बनते चले जाएंगे।

ऐसे बनाएं पढ़ाई की समय सारणी

आपको हमेशा और रेगुलर अच्छी पढ़ाई के लिए समय सारणी बनानी बहुत जरूरी है और इसका सभी तरीके से पालन करने से आप कभी भी पढ़ाई मे पीछे नहीं रहेंगे तो आइये जानते है पढ़ाई की समय सारणी कैसे बनाए। सभी भी आप अपनी पढ़ाई के लिए समय निर्धारित करें तो आपको सभी विषयो के लिए रोजाना टाइम निकालकर पढ़ाई करना है और आपको पढ़ाई करते समय हर 45 से 01 घंटे के अंदर 5-10 मिनट का ब्रेक भी लेना सही होता है। आप पढ़ाई का वो समय निर्धारिक करें जिस समय आपको कोई और काम के लिए बाध्यता ना हो आप दिन या फिर रात कभी भी पढ़ाई कर सकते है। आपको जैसे भी अच्छा लगे लेकिन आपको अपनी पढ़ाई निरंतर व सभी विषयो की पढ़ाई समय सारणी के अनुसार ही करनी चाहिए।

पढ़ाई के बीच मे रेस्ट करने का समय निर्धारित करें

दोस्तो ऐसा नहीं है की आप कुछ दिनो के लिए पूरे दिन पढ़ाई करके ही सब कुछ सीख सकते है हा कुछ छात्र ऐसा भी करते है की वे परीक्षा के समय पूरे दिन पढ़ाई करते है और परीक्षा को पास कर लेते है लेकिन ऐसा करने से जीवन मे हमेशा सब कुछ कवर नहीं हो पाता है आपको अपनी पढ़ाई के बीच रेस्ट का भी ध्यान रखना है और निरंतर पढ़ाई करते रहना चाहिए। समय पूरा होने पर आपको फिर से पढ़ाई शुरू करनी चाहिए।

अपने लेवल को चेक करते रहे

आपको अपनी पढ़ाई को सही तरीके से करते रहना है और समय-समय पर अपनी पढ़ाई के स्तर को चेक भी करते रहना है। ताकि आपको अपनी कमी का पता लग सके और आप उसे दूर कर सके। ऐसा करने से आपको पढ़ाई मे अधिक सगलता मिलेगी।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय हजारीबाग के विद्यार्थियों ने लहराया परचम

- सीबीएसई दसवीं एवं 12वीं के शानदार परीक्षा परिणाम
- दसवीं में 94.4 प्रतिशत अंकों के साथ श्रेयसी मिश्रा बनी टापर
- 12वीं में प्राची और खुशबू ने पाया शीर्ष पायदान

वर्ल्ड वाइज न्यूज

Nikhil kumar class 10 2nd

अविनाश कुमार राणा 10 3rd

देवलीना पाल 10 4th

आराध्या सिंह 10 5th

हर्षित कुमार सिंह10 6th

मोहम्मद हमजा अजीम 10 7th

मुस्कान कुमारी 10 8th

अंकिता 12 sc 2nd

संतोष कुमार मेहता 12 sc 3rd

खुशबू सिंह 12 sc 1st

अनुज कुमार 12 Arts 3rd

सनी कुमार 12 Arts 2nd

प्राची श्रीया 12 Arts 1st

हजारीबाग। सीबीएसई द्वारा जारी कक्षा दसवीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणाम में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय हजारीबाग के विद्यार्थियों ने परचम लहराया । 10वीं एवं 12वीं के शत प्रतिशत विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त कर कीर्तिमान स्थापित किया।

कक्षा दसवीं एवं 12वीं कला एवं विज्ञान का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। कक्षा दसवीं के टॉपर्स की सूचीः-

नाम	प्राप्त %
श्रेयसी मिश्रा.	94.4
निखिल कुमार.	93.0
अविनाश कुमार राणा.	92.8
देवलीना पाल.	92.2
आराध्या सिंह.	91.2
हर्षित कुमार सिंह.	91.2
मोहम्मद हमजा अजीम	90.8
मुस्कान कुमारी.	90.6

कक्षा 12वीं (कला) के टॉपर्स की सूचीः-

नाम	प्राप्त %
प्राची श्रीया	91.4
सनी कुमार.	89.0
अनुज कुमार.	86.4

कक्षा 12वीं (विज्ञान) के टॉपर्स की सूचीः-

नाम	प्राप्त %
खुशबू सिंह.	90.4
अंकिता	90.2
संतोष कुमार मेहता.	90.0

यहां उल्लेखनीय है कि संतोष कुमार मेहता ने रसायन शास्त्र में 100 में से 100 अंक हासिल कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है । विद्यार्थियों की इस अपार सफलता पर विद्यालय की प्राचार्य अंकिता शर्मा ने खुशी जाहिर करते हुए सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बधाई दी । उन्होंने कहा कि विगत कई वर्षों की तरह इस वर्ष भी विद्यार्थियों ने शत प्रतिशत सफलता प्राप्त कर विद्यालय के लिए नई कीर्तिमान स्थापित किया है । इस अपार सफलता का श्रेय यहां के कुशल नेतृत्व, शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों सहित संपूर्ण विद्यालय परिवार को जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं । उन्होंने यह भी कहा कि विद्यालय निरंतर विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए प्रयासरत है तथा भविष्य में यह और भी शानदार उपलब्धि हासिल करेगा । प्राचार्या के साथ-साथ भीष्म कांत, रोबोट टोप्पो, प्रकाश कुमार मेहता एवं जय किशोर प्रसाद सहित संपूर्ण विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

बढ़ती जनसंख्या का पड़ रहा बुरा असर : डॉ अनिल कुमार सिंह

विभावि भूगोल विभाग में चांसलर लेक्चर का आयोजन

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के भूगोल विभाग में चांसलर्स लेक्चर सीरीज के तहत "जनसंख्या वृद्धि का पर्यावरण पर प्रभाव" विषय पर व्याख्यान का आयोजन बुधवार को किया गया । इसमें बतौर मुख्य वक्ता विनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी, धनबाद के भूगोल विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत किया । कार्यक्रम की शुरुआत मे भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. सरोज कुमार सिंह ने विषय प्रवेश एवं स्वागत अभिभाषण द्वारा किया। व्याख्यान के दौरान डॉ. अनिल कुमार सिंह ने वर्तमान समय में तीव्र गति से बढ़ रही जनसंख्या वृद्धि की प्रवृत्ति का वैश्विक एवं भारत के परिप्रेक्ष्य में चर्चा की। उन्होंने बढ़ती हुई जनसंख्या का प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ रहे दबाव पर कहा कि विशाल जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए संसाधनों की बेतहाशा दोहन से पर्यावरणीय ह्रास की स्थिति बन रही है। साथ ही उन्होंने बताया कि बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण जल संकट, खाद्यान्न संकट, जैव विविधता का ह्रास, वन ह्रास,जलवायु परिवर्तन,

मृदा क्षरण जैसे गंभीर संकट की स्थिति उत्पन्न हो रही है। उन्होंने जनसंख्या वृद्धि के नियंत्रण के लिए विभिन्न उपायों जैसे रोजगार, शिक्षा, सरकारी नीतियां, जन जागरुकता पर जोर दिया। मौके पर पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश महतो, डा प्रदीप कुमार सिंह, पूर्व भूगोल विभागाध्यक्ष मार्खम कॉलेज आफ कामर्स, डॉ. ए. के .रामानुज, विभागाध्यक्ष, बरही कॉलेज, शोधार्थीगण एवं समसत्र 4 एवं 2 के विद्यार्थी अच्छी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी परीक्षित तथा धन्यवाद ज्ञापन तूलिका राज वर्मा ने किया।

स्मृति शेषः नहीं रहीं वरिष्ठ पत्रकार सहदेव प्रसाद लोहानी जी की धर्मपत्नी चित्रावती लोहानी

- अंतिम दर्शन, यात्रा और संस्कार में उमड़े लोग
- हरमू मुक्तिधाम में हुआ अंतिम संस्कार, छोटे सुपुत्र ने दी मुखाग्नि
- राज्य के पूर्व गृहमंत्री सुदेश महतो, धोनी की मां समेत सैकड़ों लोगों ने दी परिजनों को सांत्वना

वर्ल्ड वाइज न्यूज

रांची/हजारीबाग। वरिष्ठ पत्रकार, रजरप्पा टाइम्स के संपादक, प्रेस क्लब हजारीबाग के सक्रिय सदस्य, पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष सह उपाध्यक्ष सहदेव प्रसाद लोहानी जी की धर्मपत्नी चित्रावती लोहानी नहीं रहीं। अब उनकी सुनहरी यादें ही शेष हैं। 69 वर्ष की आयु में उनका निधन हुआ। उनकी तबीयत खराब थी और रांची के आर्किड हास्पिटल में उन्हें भर्ती कराया गया। 14 मई की अहले सुबह उनकी सांसें थम गईं। अंतिम यात्रा उनके रांची स्थित निवास स्थान फ्लैट न. 501 चित्रकूट, अपार्टमेंट नॉर्थ ऑफिस पाड़ा (अपोजिट लोरेटो कान्वेंट) डोरंडा रांची से हरमू मुक्ति धाम के लिए निकली। छोटे पुत्र वेदांत लोहानी ने उन्हें मुखाग्नि दी। इससे पहले उनके आवास पर अंतिम दर्शन के लिए राज्य के पूर्व मंत्री सुदेश कुमार महतो, भारतीय क्रिकेट के पुर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की मां देवकी देवी, जनजागरण केंद्र हजारीबाग के सचिव संजय कुमार, प्रेस क्लब हजारीबाग के अध्यक्ष उमेश प्रताप, कोषाध्यक्ष अमरनाथ पाठक समेत विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक संगठनों के लोग, अधिकारी और पत्रकार पहुंचे। अंतिम यात्रा और अंतिम संस्कार में भी भी सैकड़ों लोग शामिल हुए। सभी ने चित्रावली लोहानी के निधन पर गहरी संवेदना जताई। चित्रावली लोहानी मैकोन रांची में सीइओ के पद से 31 जुलाई 2016 कै सेवानिवृत्त हुईं। वह धर्मपरायण, समाजसेवी और परिवार का भरपूर ख्याल रखनेवाली मनोविज्ञान से स्नातक आनर्स और एलएसडब्ल्यू से पीजी योग्यताधारी महिला थीं। 29 जनवरी 1981 को उनकी शादी वरिष्ठ पत्रकार सहदेव प्रसाद लोहानी से हुई थी। दोनों का करीब 44 वर्षों का दांपत्य जीवन सुखी, समृद्ध और खुशहाल रहा। उनके तीन पुत्रों में बड़े बेटे सीमांत लोहानी बड़े व्यवसायी और धोनी के मित्र हैं। दूसरा पुत्र वेदांत बजाज फायनांस पुणे में सीनियर मैनेजर और तीसरा पुत्र प्रतीक समेत भरा-पूरा परिवार है।

चमेली झरना फिर लील गई एक जिंदगी

- शिवम की दर्दनाक मौत से फिर छलका दर्द
- कब उठाए जाएंगे डूबती जिंदगियों को बचाने के ठोस कदम?

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग (पदमा)। प्राकृतिक सौंदर्य के नाम पर प्रसिद्ध चमेली झरना एक बार फिर एक जिंदगी के लिए काल बन गया। मंगलवार को शिवपुरी निवासी शिवम कुमार सिंह (पुत्र : संतोष सिंह) झरने में डूब गया। वह अपने दोस्तों के साथ घूमने आया था, लेकिन यह सैर उसकी ज़िंदगी की आखिरी सैर बन गई। झरने में इस बार भी पानी का बहाव तेज था। दोस्तों के साथ शिवम जब पानी में उतरा, तो अचानक गहराई और बहाव का शिकार हो गया। बाकी दोस्त किसी तरह बाहर निकल आए, लेकिन शिवम लापता हो गया। सूचना मिलने के बाद पदमा पुलिस, अंचलाधिकारी और परिजन देर रात तक खोजबीन करते रहे, मगर सफलता नहीं मिली। अंततः पदमा सीओ ने एनडीआरएफ की टीम को सूचित करें किया, किन्तु देर शाम तक एनडीआरएफ के टीम नहीं पहुंच सकी, जिस वजह से शिवम कुमार बुधवार को भी नहीं निकल सका। यह कोई पहली घटना नहीं है। हर साल चामेली झरना नया शिकार लेता है। सवाल यह है कि आखिर कब तक? कितनी और जानें जाएंगी तब जाकर सुरक्षा के ठोस कदम उठाए जाएंगे?

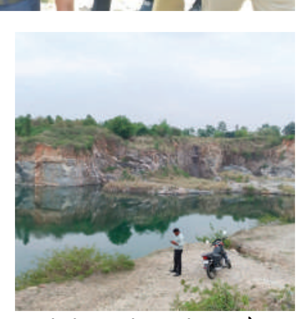

यहां न कोई सुरक्षा गार्ड, न चेतावनी बोर्ड और न निगरानी या नियंत्रण की कोई व्यवस्था है। प्राकृतिक पर्यटन स्थल कहे जाने वाले इस स्थान पर न तो सुरक्षा के कोई उपाय हैं और न ही हादसों से निपटने की कोई पूर्व तैयारी। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वर्षों से लोग यहां जान गंवा रहे हैं, फिर भी सरकारी तंत्र केवल संवेदना व्यक्त करने तक ही सीमित है।

एफपीओ के अंतर्गत किसान संगठनों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

वर्ल्ड वाइज न्यूज

रांची। झारखंड ट्राइबल डेवलपमेंट सोसाइटी (JTDS), कल्याण विभाग की इकाई की ओर से क्रियान्वित किए जा रहे किसान उत्पादक संगठन के अंतर्गत चार जिला गुमला, सिमडेगा, लातेहार एवं गोड्डा से आए कुल 20 बोर्ड आफ डायरेक्टर और मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी (सीइओ) का पांच दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नेलसम एयोन बागे (भाप्रसे) राज्य परियोजना निदेशक जेटीडीएस थे। साथ ही विशिष्ट अतिथि नाबार्ड सुमन सौरभ साहू, डीजीएम, नाबार्ड रहे। यह कार्यक्रम नाबार्ड द्वारा वित्त पोषित है। कार्यक्रम में जेटीडीएस के अपर परियोजना निदेशक, डॉ मनोज सिन्हा, एफपीओ की नोडल ऑफिसर जुलिता थिथियो, रंजना टोपनो, मधुलिका व अतनु सेन एवं जेटीडीएस के सभी कर्मी उपस्थित थे।

सीबीएसई 10वीं में कृति सिन्हा 94% अंकों कू साथ बनी स्कूल टॉपर

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर,मालवीय मार्ग, हजारीबाग के भैया - बहनों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। सीबीएसई बोर्ड द्वारा आयोजित कक्षा - दशम 2025 में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर,मालवीय मार्ग, हजारीबाग के कक्षा दशम के भैया - बहनों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपने माता-पिता एवं विद्यालय का नाम रोशन किया। बहन कीर्ति सिन्हा 94% अंक लाकर पूरे विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्कूल टॉपर बनी। विद्यालय के टॉप फाइव भैया- बहनों के नाम निम्नांकित हैः -

कृति सिन्हा - 94%, लक्की कुमार - 89.6%, आर्यन कुमार - 82.8%, लक्ष्मी चौधरी- 82. 2%, आदित्य कुमार- 81.8%

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा, 2025 के कक्षा दशम में भैया- बहनों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव, ज्ञानचंद प्रसाद मेहता, प्रधानाचार्य संजीव कुमार झा सहित विद्यालय के आचार्य बंधु-भगिनी ने भैया- बहनों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कक्षा दशम, सीबीएसई बोर्ड परीक्षा ,2025 में विद्यालय के भैया - बहनों के शानदार प्रदर्शन से पूरे विद्यालय में हर्ष एवं उल्लास का वातावरण है।

अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

5.395 किलोग्राम अफीम, 1.10 लाख नकद, दो बाइक और रसायनिक पदार्थ सहित भारी मात्रा में सामान बरामद; लोहसिंघना थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज

ब्यूरो, वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। 13 मई की रात्रि गुप्त सूचना के आधार पर हजारीबाग पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अफीम तस्करी के एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। मंडईखुर्द से सियारी चौक की ओर जाने वाले मार्ग में श्मशान घाट के पास अफीम की खरीद-बिक्री की सूचना पर अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी (भा.पु.से.) सदर, श्री अमित आनंद के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। टीम द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुए श्मशान घाट के समीप मोटरसाइकिल चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान मोटरसाइकिल सं. JH 01 EG 3483 पर सवार जितेन्द्र कुमार के पास से 1.215 किलोग्राम अफीम, तथा दूसरी मोटरसाइकिल सं. JH 01 FM 9129 पर सवार हलधर मुण्डा के पास से 1,10,000 रूपये नकद बरामद किए गए। पूछताछ के क्रम में अभियुक्तों की निशानदेही पर लोहसिंघना थाना अंतर्गत उत्तरी शिवपुरी मोहल्ला स्थित एक किराए के मकान में छापेमारी कर पुलिस ने अतिरिक्त 4.180 किलोग्राम अफीम, तथा 10.200 किलोग्राम लठा (एक रासायनिक पदार्थ जो अफीम में मिलाया जाता है) बरामद किया।

बरामद सामग्रियों का विवरण इस प्रकार हैः-

अफीम – 5.395 किलोग्राम
लठा (रसायनिक पदार्थ) – 10.280 किलोग्राम
मोबाइल फोन – 03 नग
नकद रुपये – 1,10,000/-
मोटरसाइकिल – 02 (JH 01 EG 3483 व JH 01 FM 9129)
वेट मशीन – 01 नग

गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम इस प्रकार हैंः जितेन्द्र कुमार उर्फ जितु, पिता – देवधारी, निवासी – तेतरिया, थाना – पत्थलगड़ा, जिला – चतरा। हलधर मुण्डा, पिता – चेतन मुण्डा, निवासी – हालुडीह, थाना – दशम फॉल, जिला – रांची।

छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारीः अमित आनंद, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, सदर, पुअनि पुन्नु कुमार यादव, थाना प्रभारी, लोहसिंघना, पुअनि बिट्टु रजक, ओपी प्रभारी, बड़ा बाजार, पुअनि वेद प्रकाश पाण्डेय, प्रभारी, पेलावल ओपी, पुअनि खालिद इकबाल, लोहसिंघना, सअनि ओमप्रकाश, लोहसिंघना, एसपी क्यूआरटी टीम एवं लोहसिंघना थाना के रिजर्व गार्ड इस पूरे प्रकरण में लोहसिंघना थाना कांड सं. 72/25 दिनांक 14.05.2025 के तहत धारा 111(2)/3(5) BNS एक्ट 2023 एवं NDPS Act 1985 की धाराएं 17(C), 18(B), 21(C), 27, 29 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

नदी के पास मिला एक अज्ञात व्यक्ति का शव

रांची। रांची के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र के विद्या नगर हरमू नदी के पास से पुलिस ने बुधवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया है। सुबह स्थानीय लोगों ने देखा कि हरमू नदी के किनारे एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गयी । पुलिस मौके पर पहुंची ने जांच पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। शव को देखने से लगता है कि तीन-चार दिन पहले ही व्यक्ति की मौत हुई है । शव पूरी तरह सड़ चुका है। पूरे मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।

झारखंड में मई माह में गर्मी और बारिश का रहेगा मिलाजुला प्रभाव

रांची। झारखंड में मई माह में बारिश और गर्मी का मिलाजुला प्रभाव रहेगा। राज्य के कई जिलों में लू चलेगी तो कई जिलों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश भी होने की सम्भावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने बुधवार को दी है। विभाग के अनुसार 15 मई से विभिन्न जिलों में बारिश होने की सम्भावना है। वहीं कई जिलों में लू की लपटें चलने की आशंका व्यक्त की गई है। इसे लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। राज्य के जिन जिलों में लू चलने की आशंका है उनमें 15 मई को राज्य के पूर्वी जिले देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा और पाकुड़ और इससे लगे मध्यवर्ती हिस्सों में लू चलने की आशंका है। वहीं 16 और 17 मई को उत्तर-पश्चिमी जिलों को छोड़कर अन्य जिलों में गर्जन, आकाशीय बिजली गिरने और 40-50 किमी की तेज गति से हवा चलने की आशंका है। बुधवार को रांची में मौसम साफ रहा। इससे दिन प्रचंड गर्मी का अनुभव हुआ। हालांकि दिन कभी-कभी बादल छाए रहे। इससे गर्मी से थोड़ी राहत मिली। रांची में अधिकतम तापमान 37.6, जमशेदपुर में 38.8, डाल्टेनगंज में 42.4, बोकारो में 40.1 और चाईबासा में 39.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

गर्मी को लेकर श्री राधा कृष्ण मंदिर के खुलने का बदला समय

रांची। प्रणामी ट्रस्ट की ओर से संचालित पुंदाग स्थित सुप्रसिद्ध राधा- कृष्ण मंदिर में गर्मी को देखते हुए मंदिर की समय सारणी परिवर्तन किया गया है। प्रबंधन कमेटी ने बुधवार को बताया कि सोमवार से शनिवार तक मंदिर का पट खुलने का समय प्रतिदिन प्रातः 5.30 बजे होगा। वहीं मंदिर के पट बंद होने का समय दोपहर 12.30 बजे रहेगा। मंदिर का पट पुनः शाम चार बजे खोला जाएगा और रात्रि नौ पुनः बजे बंद होगा।शाम 6.30 बजे से होगी आरती भगवान श्री कृष्ण की आरती का समय प्रतिदिन संध्या 6.30 बजे से शाम सात बजे तक निर्धारित किया गया है। वहीं रविवार को मंदिर का पट प्रातः 5.30 बजे से दोपहर एक बजे तक खुला रहेगा और दापेहर तीन बजे से रात्रि नौ बजे तक खुला रहेगा। प्रणामी ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि मंदिर कमिटी ने बताया कि प्रत्येक रविवार को दोपहर 12 बजे से अन्नपूर्णा महाप्रसाद भंडारा और भजन संध्या का आयोजन किया जाता है।

कर्नल पर विवादित बयान देने वाले मंत्री पर दर्ज हो केस : राजद

रांची। प्रदेश राजद ने कहा है कि भाजपा ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर देशभर में तिरंगा यात्रा निकाल राजनीति कर रही है। पार्टी के प्रदेश महासचिव कैलाश यादव ने बुधवार को कहा कि भाजपा नेताओं को तिरंगा यात्रा निकालने का नैतिक अधिकार नहीं है, क्योंकि मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री कुंवर विजय शाह ने ऑपरेशन सिंदूर के बहादुर नायक कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि मंत्री ने कर्नल सोफिया कुरैशी को मुस्लिम समाज और पाकिस्तान के आतंकवादियों की बहन बताया है। यादव ने कहा कि राजद मांग करता है कि ऐसी घटिया मानसिकता वाले मंत्री को भाजपा अविलंब बर्खास्त कर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करे। उन्होंने कहा कि देश के लिए कर्नल सोफिया कुरैशी ने अपनी जान हथेली पर रख पाकिस्तान के घर में घुसकर आतंकवादियों को तहस नहस कर दिया और सकुशल भारत वापसी कर नारी शक्ति का परचम लहराया। ऐसे नारी सैनिक को पूरा देश सलाम करता है।

देवर्षि नारद जयंती सह पत्रकार सम्मान समारोह 15 मई को

रांची। प्रति वर्ष ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा को महर्षि नारद की जयंती मनायी जाती है। इस अवसर पर समस्त भारतवर्ष में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं , जिसमें चुनिंदा पत्रकार सम्मानित किये जाते हैं। रांची स्थित विश्व संवाद केन्द्र के अध्यक्ष रामावतार नारसरिया ने बताया कि इस अवसर पर विश्व संवाद केंद्र, झारखंड प्रांत के तत्वावधान में 15 मई को मोरहाबादी स्थित रांची कॉलेज परिसर के आर्यभट्ट सभागार में पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए देवर्षि नारद पुरस्कार- 2025 प्रदान किए जाएंगे। ये पुरस्कार तीन श्रेणियों में प्रदान किये जाएंगे। समारोह में अपनी जागरण पत्रिका ' बिरसा हुंकार ' के नवीन स्वरूप का लोकार्पण भी होगा। उन्होंने बताया कि समारोह के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर होंगे। समारोह के मुख्य अतिथि विकास भारती के सचिव पद्मश्री अशोक भगत और विशिष्ट अतिथि भगवान बिरसा मुंडा के सुपौत्र सुखराम मुंडा होंगे।

रांची में भाजपा ने निकाली तिरंगा यात्रा वीर जवानों के शौर्य को किया नमन

वर्ल्ड वाइज न्यूज

रांची। देश के अन्य राज्यों की तरह झारखण्ड की राजधानी रांची में भी बुधवार को भारतीय जनता पार्टी ने तिरंगा यात्रा निकाली। इस यात्रा के माध्यम से भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए भारतीय सेना के जवानों के शौर्य को नमन किया और उनके प्रति आभार जताया। यात्रा में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भी शामिल हुए। यात्रा के दौरान सभी ने 'भारत माता की जय' के नारे लगाये और बॉलीवुड एक्टर सनी देओल की फिल्म 'गदर' के डायलॉग भी बजाये।

यह तिरंगा यात्रा शहीद चौक से निकलकर कोकर स्थित डिस्टलरी के समीप बिरसा मुंडा समाधि स्थल पर संपन्न हुआ। भगवान बिरसा मुंडा के समाधि स्थल पर भाजपा नेताओं ने धरती आबा को नमन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। नेताओं ने कहा कि धरती आबा का जीवन और समाज के लिए समर्पण हम सबके लिए प्रेरणादायी है। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता भारत की सशस्त्र सेनाओं के पराक्रम का परिचायक है। तिरंगा यात्रा भारत के शौर्य और सेना के अदम्य साहस को समर्पित है। मातृभूमि की रक्षा में अपने कर्तव्यों का पालन कर रहे सभी वीर जवानों को प्रणाम। उन्होंने कहा कि भारतीय फौज ने जो वीरता, पराक्रम दिखाया, वह उनका कर्तव्य था और अब जनता अपना कर्तव्य पूरा कर रही है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि सेना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट करने के लिए तिरंगा यात्रा निकाली गयी। तिरंगा यात्रा में बाबूलाल मरांडी, भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र राय, रांची विधायक सीपी सिंह, पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू, पूर्व विधायक जीतू चरण राम, महानगर अध्यक्ष वरुण साहू, ग्रामीण जिलाध्यक्ष धीरज महतो, प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव, निवर्तमान डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय, भाजपा नेता सुबोध सिंह गुड्डु, आरती कुजूर, सत्यनारायण सिंह, अमित कुमार, रोमित नारायण सिंह सहित बड़ी संख्या में अन्य पार्टी के अन्य नेता, कार्यकर्ता और रांची के नागरिक मौजूद थे।

अबुआ साथी पर मिली शिकायत पर 3 छात्रों को मिली छात्रवृति

वर्ल्ड वाइज न्यूज

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की पहल पर रांची जिला प्रशासन ने अबुआ साथी व्हाट्सएप सेवा के जरिए तीन छात्रों को छात्रवृत्ति का भुगतान कराया। तीनों छात्रों संगम कुमार, राज कुमार और आस्था तिर्की ने जिला प्रशासन की जन शिकायत निवारण प्रणाली अबुआ साथी व्हाट्सएप सेवा (9430328080) के जरिए छात्रवृत्ति नहीं मिलने की शिकायत की थी। इन शिकायतों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन ने बुधवार को सभी छात्रों को उनकी बकाया छात्रवृत्ति राशि का भुगतान कराया।

छात्रवृत्ति राशि प्राप्त होने पर तीनों छात्रों ने रांची जिला प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की। छात्र संगम कुमार ने कहा कि छात्रवृत्ति की राशि नहीं मिलने की चिंता हमें सता रही थी। अबुआ साथी व्हाट्सएप सेवा के माध्यम से हमारी शिकायत पर तुरंत कार्रवाई हुई। इससे अब हम अपनी पढ़ाई बिना किसी आर्थिक बाधा के जारी रख सकते हैं। वहीं छात्रा आस्था तिर्की और राज कुमार ने भी जिला प्रशासन का आभार जताते और कहा कि अबुआ साथी सेवा ने हमारी आवाज को सुना और हमारी पढ़ाई को सुचारू रखने में मदद की। उल्लेखनीय है कि रांची जिला प्रशासन की ओर से शुरू की गई अबुआ साथी व्हाट्सएप सेवा आम जनता, विशेषकर छात्रों और युवाओं के लिए एक वरदान साबित हो रही है। यह सेवा न केवल शिकायतों को दर्ज करने का एक सरल और त्वरित माध्यम प्रदान करती है, बल्कि समस्याओं के समाधान में भी अभूतपूर्व गति लाती है।

बोलेरो दुर्घटनाग्रस्त होकर पुल से नीचे गिरा

वर्ल्ड वाइज न्यूज

कोडरमा। कोडरमा जिले के सीमा पर स्थित जवाहर घाट में बुधवार सुबह एक बोलेरो दुर्घटनाग्रस्त होकर जवाहर पुल के नीचे तिलैया डैम में जा गिरी। इसमें दो लोगों के मौत होने की सूचना है, जिसमें एक व्यक्ति का शव बरामद हो चुका है जबकि दूसरे के शव की तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार राहुल सोनकर नामक व्यक्ति जो फल विक्रेता है, अपने मित्र आशीष और अपने मुंशी सौरव तथा ड्राइवर संदीप के साथ बीती रात कोडरमा से बरही एक शादी समारोह में शरीक होने के लिए गए हुए थे। बुधवार की अहले सुबह सभी वापस अपने घर झुमरीतिलैया लौट रहे थे। इसी बीच जवाहर घाटी में तिलैया डैम पर बने पुल पर उनकी बोलेरो गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घटना की जानकारी देते हुए सौरव शर्मा के मित्र ने बताया कि जिस जगह पर यह घटना घटी है। उसी जगह पर बीती रात एक ट्रक भी दुर्घटनाग्रस्त हुई थी। जब ये लोग बरही से लौट रहे थे तो उस ट्रक के पास इन्हें एक बड़ी गाड़ी ने चकमा दे दिया। जिससे इनकी गाड़ी अनियंत्रित हो गई और डैम में जा गिरी। जिसमें दो लोग सौरव और संदीप किसी प्रकार से बोलेरो से बाहर निकलकर पानी से बाहर आए, वहीं राहुल और आशीष की बोलेरो के अंदर ही मौत हो गयी।

उन्होंने बताया कि ये दोनों किसी प्रकार से ऑटो पकड़कर सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचे। जहां संदीप का प्रारंभिक उपचार करने पश्चात उसे घर भेज दिया गया। वहीं सौरव का ईलाज जारी है। इधर जिस ट्रक की उक्त जगह पर दुर्घटना हुई थी, उसके चालक के मुताबिक बोलेरो काफी तेज रफ्तार में बरही की ओर से आ रही थी। बोलेरो की रफ्तार इतनी ज्यादा थी कि जवाहर घाटी में बने पुल पर लगे दो रेलिंग को तोड़ते हुए गाड़ी डैम में जा गिरी। उक्त चालक ने बताया कि उसमें से दो लोग डैम से बाहर आए और एक ऑटो पर बैठकर झुमरीतिलैया की ओर भागे। घटना की सूचना पाकर बरही के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी और बरही थाना प्रभारी घटनास्थल पर पहुंचे और क्रेन मंगवाकर डैम में डूबे बोलेरो को बाहर निकलवाया। वहीं डैम से राहुल सोनकर का शव भी बरामद किया गया। इधर राहुल का एक अन्य साथी आशीष का शव अभी डैम में ही होने की बात कही जा रही है जिसकी तलाश जारी है। कोडरमा सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ. विकास गौरव ने बताया कि सौरव की हालत नाजुक है, इसलिए उसे रांची के रिम्स रेफर किया जा रहा है।

राजनीतिक नौटंकी है तिरंगा यात्राः कांग्रेस

वर्ल्ड वाइज न्यूज

रांची। देशभक्ति का लबादा ओढ़कर भाजपा एक बार फिर अपनी पुरानी सांप्रदायिक चालों पर उतर आई है। ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर देशभर में निकाली जा रही तिरंगा यात्रा दरअसल तिरंगे की आड़ में राजनीतिक नौटंकी और आगामी चुनाव को ध्रुवीकरण के ज़रिये जीतने की कोशिश है। यह बातें प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता नेता ऋषिकेश सिंह ने बुधवार को कही।

उन्होंने कहा कि भाजपा बताये कि क्या तिरंगा यात्रा का मकसद वाकई देशप्रेम है या सिर्फ़ ध्रुवीकरण और ओछी राजनीति का हथकंडा। जनता अब जान चुकी है कि जब-जब चुनाव आता है तो भाजपा को तिरंगा याद आता है। प्रवक्ता ने कहा कि तिरंगा किसी पार्टी की जागीर नहीं है।

कांग्रेस हर मंच पर भाजपा की इस तिरंगा यात्रा की आड़ में राजनीतिक नौटंकी का पर्दाफाश करेगी। देश में 26 नागरिकों की धर्म पूछ कर निर्मम हत्या कर दी गई, पूछ के एरिया में 15 से ज्यादा सिविलियन की हत्या कर दी गई और सैकड़ों लोग घायल हैं, सात सेना के जवान और अधिकारी शहीद हो गए उनका राष्ट्रीय शोक मनाने की जगह भाजपा तिरंगा यात्रा के नाम पर राजनीतिक नौटंकी कर रही है।

केंद्र सरकार पर जल जीवन मिशन का 6270 करोड़ बकाया : सुप्रियो

वर्ल्ड वाइज न्यूज

रांची। झामुमो के महासचिव सुप्रियो भटटाचार्य ने कहा है कि केंद्र सरकार जल जीवन मिशन योजना की बकाया 6270 करोड 30 लाख रुपए झारखंड को नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने कहा था कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए वह झारखंड को 2114 करोड 16 लाख देगा, लेकिन महज 70 करोड रुपये ही दिया। अब ऐसा नहीं चलेगा। झारखंड अपने पैसे की पाई-पाई केंद्र सरकार से लेगा। सुप्रियो भटटाचार्य बुधवार को झामुमो के हरमू स्थित पार्टी कार्यालय में प्रेस वार्त्ता को संबोधित कर रहे थे।

आंदोलन की राह पकडेगा झामुमोः उन्होंने कहा कि केंद्र पर बकाया राशि के लिए झामुमो आंदोलन की राह पकडेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र उत्तर प्रदेश और बिहार को सरप्लस पैसे दे रहा है, जबकि

झारखंड और पश्चिम बंगाल के साथ सौतेला व्यतवहार अपना रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र को जब पैसे नहीं देना था तो योजनाएं क्यों शुरू की थी। सुप्रियो ने बताया कि इस योजना के तहत राज्य सरकार ने 55 प्रतिशत घरों तक पानी पहुंचा दिया है, लेकिन राशि के अभाव में काम नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा जल जीवन मिशन योजना के तहत झारखंड का केंद्र सरकार पर 6270 करोड 30 लाख रुपए बकाया है। उन्होंने कहा कि हमारे मंत्री ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल को कई बार पत्र लिखकर पैसे जारी करने का आग्रह किया, लेकिन पैसा नहीं भेजा गया।

आरक्षक हत्याकांड मामले में चार आरोपित गिरफ्तार

वर्ल्ड वाइज न्यूज

बलरामपुर। रेत तस्करी पर कार्रवाई करने गए आरक्षक की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। हत्या में संलिप्त चार आरोपितों को पुलिस ने बुधवार शाम गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है। सभी आरोपित झारखंड के गढ़वा जिले के निवासी है। अभी इस मामले में जांच जारी है। अन्य और मुख्य आरोपितों के ठिकानों पर लगातार छापेमारी चल रही है जिनकी गिरफ्तारी होनी अभी बाकी है। पुलिस ने बीते देर शाम विज्ञप्ति जारी कर बताया कि, 11 मई की देर रात पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम ग्राम लिबरा के कन्हर नदी में अवैध उत्खनन पर कार्रवाई करने के लिए गई हुई थी। इसी दौरान टीम में शामिल आरक्षक शिव बच्चन सिंह के द्वारा उत्खनन कर रहे ट्रैक्टर को रोकने का प्रयास करने पर आरोपितों ने ट्रैक्टर से टक्कर मारकर हत्या कर

दिया। जिसके बाद सनावल थाने में बीएनएस की धारा, भारतीय वन अधिनियम एवं खनिज अधिनियम के तहत केस दर्ज कर जांच में जुट गई। घटना के तत्काल बाद एसडीओपी समेत पांच थाने की पुलिस टीम गठित कर संदेहियों के ठिकानों पर लगातार छापेमारी करने लगी। जांच के दौरान चार आरोपितों को संदेह के आधार पर हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया। पूछताछ के बाद साक्ष्यों के आधार पर आरोपित आरीफूल हक (24 वर्ष) थाना धुरकी जिला गढ़वा (झारखण्ड), जमील अंसारी (41 वर्ष) थाना धुरकी जिला गढ़वा (झारखण्ड), शकील अंसारी (22 वर्ष) थाना धुरकी जिला गढ़वा (झारखण्ड) और अकबर अंसारी (50 वर्ष) थाना भवनाथपुर जिला गढ़वा (झारखण्ड) को गिरफ्तार कर आरोपितों के कब्जे से घटना इस्तेमाल किए गए दो ट्रैक्टर को जब्त कर जेल दाखिल कर दी गई है। पुलिस सूत्रों की माने तो, इस मामले अभी बड़े खुलासे होने बाकी है। घटना के मुख्य आरोपितों की गिरफ्तारी अभी शेष है। जिन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा। पुलिस हर पहलुओं पर सूक्ष्मता से जांच कर रही है। रेत तस्करों पर यह बड़ी कार्रवाई साबित होगी।

शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यक्तित्व विकास में यूनिसेफ को पूरा सहयोग करेगी सरकारः मुख्यमंत्री

वर्ल्ड वाइज न्यूज

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से बुधवार को युनाइटेड नेशन्स चिल्ड्रेन्स फंड (यूनिसेफ) की भारत में प्रतिनिधि सिन्थिया मेककेफरी ने शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में हुयी इस मुलाकात के अवसर पर उन्होंने झारखंड में बच्चों के समग्र विकास के लिए यूनिसेफ की ओर से संचालित योजनाओं, कार्यों एवं गतिविधियों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। यूनिसेफ प्रतिनिधि ने बाल अधिकारों के संरक्षण, शिक्षा ,स्वास्थ्य और उनके व्यक्तित्व के विकास के लिए बेहतर माहौल बनाने के लिए राज्य सरकार के संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने यूनिसेफ के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें पूरा सहयोग देने का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार बच्चों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। हमारे राज्य के बच्चे हर क्षेत्र में कैसे आगे बढ़ें, इसके लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है। जब तक बच्चे स्वस्थ और सुरक्षित नहीं रहेंगे, तब तक उनके विकास की बात नहीं हो सकती है। यही वजह है कि हमारी सरकार बच्चों में कुपोषण और कई अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने के लिए हर स्तर पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के समग्र विकास के लिए यूनिसेफ को सरकार की ओर से पूरा सहयोग मिलेगा। सभी के सहयोग से इस राज्य के बच्चों को बेहतर जीवन देने का प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर यूनिसेफ, झारखंड की प्रमुख कननिका मित्रा और कम्युनिकेशन स्पेशलिस्ट आस्था अलंग भी मौजूद थीं।

डाकघर में शराब पीने के मामले में तीन कर्मचारी निलंबित

मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के आदेश पर हुई कार्रवाई

वर्ल्ड वाइज न्यूज

रांची। पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) जिले के टाटानगर पोस्ट ऑफिस में ड्यूटी के दौरान खुलेआम शराब पीने की घटना पर डाक विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए तीन कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, जबकि एक अन्य कर्मचारी को ड्यूटी से हटा दिया गया है। यह कार्रवाई मामले के मीडिया में उजागर होने और केंद्रीय संचार मंत्रालय की ओर से संज्ञान लेने के बाद की गई है।

जांच के बाद हुई कार्रवाईः वरीय डाक अधीक्षक परमानंद कुमार के निर्देश पर एएसपी (वेस्ट) परीक्षित सेठ ने इस मामले की जांच की। जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद एलएसजी डाक सहायक नितेश कुमार, ओवरसियर अमित कुमार ठाकुर और नाइट गार्ड जितेन्द्र कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। साथ ही जीडीएस बीपीएम सूरज कुमार साहू को भी ड्यूटी से हटा दिया गया है।

तीन मई की रात हुआ था मामला उजागरः उक्त घटना 3 मई की रात की है, जब टाटानगर पोस्ट ऑफिस परिसर में डाक कर्मचारी कथित रूप से परिसर के भीतर खुलेआम शराब का सेवन करते हुए पाए गए। इस संबंध में एक मीडिया रिपोर्ट सामने आने के बाद विभागीय जांच के आदेश जारी किए गए थे। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के संज्ञान में आते ही डाक विभाग ने इस प्रकार की अनुशासनहीनता को गंभीर सेवा उल्लंघन मानते हुए स्पष्ट किया है कि कार्यालय परिसर में इस प्रकार का आचरण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विभाग ने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए शून्य सहनशीलता की नीति अपनाने की बात दोहराई है।

औलगढ़ा में अवैध विदेशी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, भारी मात्रा में शराब और उपकरण बरामद

वर्ल्ड वाइज न्यूज

बोकारो : जिले के पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत औलगढ़ा ग्राम में उत्पाद विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से संचालित नकली विदेशी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार एवं सहायक आयुक्त उत्पाद बोकारो के मार्गदर्शन में गुप्त सूचना के आधार पर जिला उत्पाद बल के सहयोग से मंगलवार रात लगभग 9.30 बजे से 1.30 बजे तक पंचायत सचिवालय के निकट एक निर्माणाधीन मकान में सघन छापेमारी की गई।

इस फैक्ट्री का संचालन अंकित सिंह एवं राहुल महथा द्वारा नेपाल महतो के निर्माणाधीन मकान में अवैध रूप से किया जा रहा था, जबकि इसका देखरेख कशीयटांड़ निवासी गौतम गोप कर रहा था। छापेमारी के दौरान मौके से भारी मात्रा में अवैध रूप से तैयार की गई विदेशी शराब, शराब निर्माण में प्रयुक्त सामग्री, पैकिंग के उपकरण एवं अन्य वस्तुएं बरामद की गईं। सभी अभियुक्तों के विरुद्ध झारखंड उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत अभियोग दर्ज किया जा रहा है।

जब्त किए गए सामग्रियों में कुल करीब 60 पेटी, अर्थात लगभग 556 लीटर अवैध विदेशी शराब शामिल है। बरामद ब्रांडों में Dreamer Premium Whisky की 188 बोतल, Royal Challenge Whisky 750 ml की 95 बोतल, 375 ml की 72 बोतल, Royal Stag Whisky 750 ml की 35 बोतल, 375 ml की 73 बोतल, Imperial Blue Whisky 375 ml की 516 बोतल, 100 Pipers की 19 बोतल, Iconiq White Whisky 375 ml की 4 बोतल तथा Blenders Pride Whisky 750 ml की 6 बोतलें शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त Whisky Flavour के 500 ml के 12 पैक, Coloured Spirit 50 लीटर, Caramel 25 लीटर, 55 बोरा खाली बोतलें, विभिन्न ब्रांड के स्टिकर, ढक्कन, पंचिंग मशीन तथा झारखंड सरकार के नकली होलोग्राम भी जब्त किए गए हैं।

छापेमारी दल में निरीक्षक उत्पाद विजय कुमार पाल, अवर निरीक्षक सदर-सह-तेनुघाट सन्नी विवेक तिर्की, अवर निरीक्षक बेरमो-सह-चंदपुरा महेश दास तथा उत्पाद विभाग बल के अन्य कर्मी शामिल थे।

उत्पाद विभाग की यह कार्रवाई जिले में अवैध शराब कारोबार पर एक सख्त और प्रभावशाली प्रहार है। विभाग की सतर्कता, तत्परता और निष्कलंक प्रयासों ने यह साबित कर दिया है कि प्रशासन ऐसे गैरकानूनी गतिविधियों को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। जनता से अपील की गई है कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत दें ताकि नशा मुक्त और सुरक्षित समाज की दिशा में मजबूती से कदम बढ़ाया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

पाइप लाइन बिछाने के बाद नहीं कर रहे सड़क की मरम्मती, डीसी से की शिकायत

कसमार (बोकारो) : पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल तेनुघाट के अंतर्गत पेटरवार- कसमार संयुक्त ग्रामीण जलापूर्ति योजना के तहत पाईप लाईन बिछाने के दौरान संवेदक द्वारा कई सड़कों को खोदकर क्षतिग्रस्त किया गया है, लेकिन दो-तीन वर्षों के बाद भी आजतक गड्ढों को भरकर उसकी मरम्मती नहीं की गयी। इससे आये दिन राहगीर दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा बार-बार संवेदक का ध्यान आकृष्ट करने के बावजूद इस दिशा में ना विभाग और ना ही संवेदक ध्यान दे रहे है। जेएलकेएम पार्टी के बोकारो जिला अध्यक्ष अमरेश कुमार महतो ने इस संदर्भ में बोकारो उपायुक्त को पत्र लिखकर संवेदक के खिलाफ शिकायत करते हुए बताया है कि बरईकला, ओरमो, मधुकरपुर, दुर्गापुर, पोंडा, मंजूरा, कसमार, बगदा, टांगटोना आदि गांवों में पाइप लाइन के दौरान सड़क क्षतिग्रस्त कर दिया गया है, लेकिन संवेदक ध्यान नहीं दे रहा है। नियमानुसार सड़क पर पाईप लाईन बिछाने के लिए खोदे गये गड्ढों की मरम्मती भी करवानी है। ज़िलाध्यक्ष अमरेश महतो ने उपायुक्त बोकारो को पत्र लिखकर संवेदक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर जल्द से जल्द सड़कों की मरम्मतीकरण कराने की मांग की है।

लाठीचार्ज में घायल युवकों को मुआवजे का स्वागत

बोकारो : विगत 3 अप्रैल को बोकारो स्टील प्लांट के इस्पात भवन के समक्ष विस्थापित अप्रेंटिस संघ द्वारा आयोजित प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज में घायल युवकों को मुआवजा दिए जाने का श्रमिक नेताओं ने स्वागत किया है। बोकारो इस्पात जनता मजदूर संघ के महामंत्री सुमन सिंह ने कहा कि लाठीचार्ज के दौरान घायल लोगों को बोकारो जिला प्रशासन द्वारा बुधवार को 20 लोगों को तय मुआवजा रकम 20000 रुपए का भुगतान किया गया। उन्होंने कहा कि 20 से अधिक लोग भी उक्त घटना में घायल हुए थे। उन्हें भी चिह्नित कर मुआवजा दिया जाना चाहिए। बोकारो प्लांट प्रबंधन अपने तय वार्ता के आधार पर 1500 प्लांट अप्रेंटिस को जल्द से जल्द नियोजन देने की प्रक्रिया प्रारंभ करे।

बोकारो थर्मल में यूपी के मजदूर की लू लगने से मौत

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित थाना के समीप स्थित महावीर मंदिर के समक्ष बुधवार को तेज धूप, गर्मी एवं लू लगने से एक मजदूर की मौत हो गई। मजदूर की मौत के बाद उसका शव लावारिस हालत में मंदिर के सामने धूप में पड़ा हुआ था। मृतक मजदूर की पहचान यूपी निवासी पच्चू लाल के रूप में की गई है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि उक्त मजदूर बुधवार को तेज धूप एवं गर्मी से बचने को लेकर महावीर मंदिर की सीढ़ियों पर आकर दिन के साढ़े ग्यारह बजे बैठा। गर्मी एवं तेज धूप की बेचैनी को लेकर उसने अपने जूते उतारे एवं बैठ गया। कुछ देर के बाद वह सीढ़ियों से नीचे लुढ़ककर गिर गया। मंदिर में पूजा करने आए लोगों एवं आसपास के लोगों ने समझा कि उसने शराब पी रखी है और नशे में ही गिर गया है, जिसके कारण किसी ने भी उसकी सुध नहीं ली। दोपहर लगभग एक बजे मंदिर के पुजारी ने इसकी सूचना सच्चिदानंद यादव को दी। उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। थाना प्रभारी पिंकू कुमार यादव के निर्देश पर अनि भागीरथ शर्मा एवं राजेंद्र प्रमाणिक ने जाकर उसकी जांच की तो पाया कि उसकी मौत हो गई है। बाद में पुलिस पदाधिकारियों ने ऑटो से उसे डीवीसी हॉस्पिटल ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांचोपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में मृतक की शिनाख्त डीवीसी के बी पावर प्लांट के स्क्रैप कटिंग का कार्य करनेवाली कंपनी राधा स्टेल्टर्स के सब संवेदक इकबाल के मजदूर पच्चू लाल के रूप में की गई, जो कि यूपी का रहनेवाला था। संवेदक का कहना था कि उक्त मजदूर पिछले तीन दिनों से पावर प्लांट की कटिंग के कार्य में ड्यूटी पर नहीं आ रहा था। बुधवार को सूचना मिलने पर उन लोगों ने हॉस्पिटल जाकर मजदूर के शव की शिनाख्त की।

कथित मॉब लिंचिंग मामले की जांच को पेंक पहुंचे राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष

वर्ल्ड वाइज न्यूज

बोकारो थर्मल : नावाडीह प्रखंड अंतर्गत उपरघाट स्थित पेंक नारायणपुर थाना के कडरुखुट्टा गांव में आदिवासी महिला के साथ छेड़छाड़ के बाद आदिवासियों द्वारा कथित मॉब लिंचिंग में पेंक निवासी 22 वर्षीय अब्दुल कलाम की पीटकर हत्या के मामले की जांच करने तथा मृतक के परिजनों से मिलकर पूरे मामले की जानकारी लेने झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष तथा राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त शमसेर आलम एवं गणेश सोलानमन पेंक पहुंचे। उनके साथ अल्पसंख्यक आयोग के बरकत अली, एकरामुल हसन आलम, खुर्शीद आलम, सदर कुतुबुद्दीन अंसारी, अजीज अंसारी, जफर अंसारी, शहबान अंसारी, अफजल अनीश सहित बेरमो एसडीएम मुकेश मछुआ, एसडीपीओ बशिष्ठ नारायण सिंह भी थे।

आयोग के उपाध्यक्ष सहित टीम के सभी सदस्य मृतक अब्दुल कलाम के घर गए और उसके चाचा कलीमुद्दीन अंसारी, मां रेहाना खातून आदि से मिलकर पूरे मामले की जानकारी ली। साथ ही अनुमंडल प्रशासन एवं पुलिस से अब तक की कार्रवाई के बारे में जानकारी ली। आयोग के उपाध्यक्ष ने कहा कि मामले में संलिप्त सभी दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, साथ ही मृतक के परिजनों को न्याय मिलेगा। कहा कि राज्य में इस प्रकार की हिंसा को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मंजूरा के ग्रामीणों ने देश की सेना की पराक्रम पर निकाली आभार यात्रा

वर्ल्ड वाइज न्यूज

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के मंजूरा के ग्रामीणों ने बुधवार को आतंक के खिलाफ भारत की सेना के पराक्रम के सम्मान में आभार यात्रा निकाली। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश कुमार के नेतृत्व में मंजुरा के अलग अलग गली मोहल्ले में आभार यात्रा निकालकर भारत माता के जयकारे लगाए। सभी युवा एवं ग्रामीण हाथों में तिरंगा झंडा लेकर देश के तीनों सेना की वीरता की तारीफ करते हुए देशभक्ति नारे भी लगाए। इस दौरान प्रकाश कुमार ने कहा कि पहलगाम की आतंकी घटना के बाद भारत की सेना ने जो पराक्रम दिखाया एवं पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया, उससे यह स्पष्ट हो गया है कि हमारे देश की सेना हर मामले में इतनी मजबूत है कि भारत अगर चाह ले, तो 24 घंटे में पाकिस्तान घुटने टेक लेगा। उन्होंने बताया कि इतिहास गवाह है कि जब जब पाकिस्तान ने हमारे देश के ऊपर नजर टेढ़ी की है, उस वक्त हमारे देश की सेना ने मुंहतोड़ जवाब देकर उन्हें करारा जवाब दिया है। इस दौरान युवाओं ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की तारीफ करते हुए कहा कि मोदी है तो सब मुमकिन है। इस प्रकार आभार यात्रा में प्रकाश कुमार, बासुदेव प्रजापति, संजय कुमार प्रजापति, सर्वेश्वर घांसी, मिथिलेश महतो, विनोद कुमार प्रजापति, पुशु घांसी, परमानंद प्रजापति, धीरेंद्र महतो, उमेश महतो, मुकेश प्रजापति, संदीप कुमार, सुरेश कुमार, साधु चरण महतो व नागेंद्र महतो मौजूद थे।

शिक्षकों की न्यायोचित समस्याओं का होगा समाधान : डॉ. लंबोदर

वर्ल्ड वाइज न्यूज

गोमिया (बोकारो) : कोयला खदान शिक्षक मोर्चा के अध्यक्ष प्यारेलाल यादव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को गोमिया के पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सीसीएल अनुदानित विद्यालयों से जुड़ी छह प्रमुख मांगों को उनके समक्ष रखा और पिछले वर्ष के भुगतान के लिए आभार जताया। डॉ. लंबोदर महतो ने शिक्षकों की0 समस्याओं को न्यायोचित बताते हुए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि 28 मई को सीआईएल के चेयरमैन पी.एम. प्रसाद से मुलाकात कर इन सभी मांगों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इसके अलावा, डॉ. महतो ने यह भी कहा कि जून माह में सीसीएल के सीएमडी से मुलाकात कर, गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी और कुछ शिक्षकों के साथ संयुक्त रूप से इन मांगों पर विचार किया जाएगा, ताकि समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द हो सके। प्रतिनिधिमंडल में प्यारेलाल यादव (अध्यक्ष, कोयला खदान शिक्षक मोर्चा), साजेश कुमार, अशोक कुमार पांडे, तीजन करमाली, अंबिका सिंह, परमबंदा कुमारी आदि शामिल रहे।

कसमार : मुआवजा लेकर नहीं तोड़ी संरचना तो प्रशासन ने चलाया बुलडोजर

मंजुरा में प्रशासन ने अभियान चलाकर कई संरचनाओं को हटाया

वर्ल्ड वाइज न्यूज

कसमार (बोकारो) : कसमार से बरलंगा भाया नेमरा पथ निर्माण कार्य में मुआवजा राशि लेकर महीनों बाद भी मंजूरा में संरचना नहीं हटाने वाले रैयतों के घरों पर बुधवार को प्रशासन का बुलडोजर चलाकर सभी संरचनाओ को हटा दिया। इस दौरान दंडाधिकारी सह कसमार अंचलाधिकारी प्रवीण कुमार, थाना प्रभारी भजनलाल महतो व प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी मनरेगा के कनीय अभियंता राजीव रंजन एवं आशीष कुमार, भू अर्जन विभाग के शरद कुमार महतो समेत पुलिस बल मौजूद थे। इस दौरान मंजूरा में सड़क निर्माण के दौरान जिन रैयतों ने मुआवजा राशि लेने एवं बार-बार नोटिस देने के बाद भी संरचना को नहीं हटाया था, उनके घर व अन्य संरचना को मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में जेसीबी लगाकर तोड़ा गया। इस दौरान मंजूरा गांव के त्रिपुरारी महतो, नीलकंठ महतो, सरयू महतो, रितेश महतो, सुनील महतो, बाला देवी, दिलीप प्रजापति, नंदकिशोर महली, राजकिशोर महली, भागीरथ महली, हरिलाल महली, विधाधर महतो, गोंविद तुरी, मंटुराम तुरी, मुकेश तुरी, मोतीलाल तुरी व भक्तु तुरी के घर व चहारदीवारी को तोड़कर हटाया गया। संरचना को हटाने से पूर्व गृह स्वामी से उनकी सहमति भी ली गयी। साथ ही उन्हें संरचना को हटाने के लिए तीन से चार घंटे की मोहलत भी दी गयी। इस दौरान सड़क निर्माण कार्य कर रही गंगा कंस्ट्रक्शन कंपनी के अधिकारी नरेंद्र कुमार पांडेय, गुड्डू पाठक व विकास तिवारी समेत अन्य कर्मी भी मौजूद थे। कंपनी के अधिकारी ने बताया कि सड़क निर्माण कार्य प्रगति पर है। जल्द से जल्द अन्य संरचनाओं को भी हटाने का कार्य पूरा कर लिया जाएगा, ताकि सड़क निर्माण कार्य समय पर पूर्ण हो सके। अधिकारियों ने बताया कि कुछ त्रुटियों व तकनीकी कारणों से कुछ संरचना का भुगतान लंबित है। जल्द ही उन रैयतों का भुगतान होते ही संरचना को हटाने का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। इस दौरान दंडाधिकारी अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार ने बताया कि उक्त सड़क निर्माण से संबंधित अन्य मौजाओं के रैयत भी अगर संरचना नहीं हटाते हैं, तो दो दिनों के अंदर उन रैयतों की संरचनाओं पर भी बुलडोजर चलाया जाएगा। इस दौरान रैयतों व प्रशासन के बीच थोड़ी बहुत नौकझोक भी हुई, जिसे थाना प्रभारी भजनलाल महतो एवं अन्य अधिकारियों ने बातचीत कर सुलझा लिया।

अंतिम चरण में है बी पावर प्लांट कटिंग का कार्य

वर्ल्ड वाइज न्यूज

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी के स्क्रैप वाले बी पावर प्लांट की कटिंग का कार्य अंतिम चरण में है। मंगलवार को प्लांट का एक बड़ा ढांचा काटकर गिरा दिया गया। प्लांट कटिंग का कार्य करनेवाली कंपनी के स्थानीय इंचार्ज का कहना है कि कार्य अंतिम चरण में है। जून माह तक कटिंग के कार्य को समाप्त कर पूरे जमीन का समतलीकरण कर डीवीसी को सौंप दिया जाएगा। विदित हो कि प्लांट कटिंग का कार्य पूरा हो जाने के बाद ही बोकारो थर्मल में नए थर्मल पावर प्लांट निर्माण को लेकर विचार किया जाएगा। नया पावर प्लांट निर्माण को लेकर बी पावर प्लांट वाले स्थान पर जगह की कमी हुई तो संभवतः प्लांट निर्माण का कार्य कॉलोनी के आवासों को तोड़कर कॉलोनी की ही जमीन पर किया जाएगा। डीवीसी मुख्यालय कोलकाता प्रबंधन के निर्देश पर कॉलोनी में भी जमीन सर्वे का कार्य किया जा रहा है।

पिट्स मॉडर्न स्कूल के विद्यार्थियों का सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन

वर्ल्ड वाइज न्यूज

गोमिया (बोकारो) : पिट्स मॉडर्न स्कूल, गोमिया ने इस वर्ष सीबीएसई बोर्ड परीक्षा (2024-25) में शानदार प्रदर्शन कर एक बार फिर उत्कृष्टता की मिसाल पेश की है। विद्यालय का कक्षा 12वीं और 10वीं दोनों का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा, जिससे विद्यालय, अभिभावकों और पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। कक्षा 12वीं (साइंस और कॉमर्स स्ट्रीम) में कुल 149 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया और सभी उत्तीर्ण हुए। विज्ञान वर्ग में आलिया जुनैद ने 94.2% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं,

वाणिज्य वर्ग में कुमारी इशिकाः 93.4 प्रतिशत, प्राची कुमारीः 93.2 फीसदी, सूरज कुमार पंडित- 90.4 प्रतिशत आदि ने अच्छा प्रदर्शन किया। विद्यालय के प्राचार्य बृजमोहन लाल दास ने सफल छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों और शिक्षकों की कठिन मेहनत का फल है। उन्होंने अभिभावकों को भी उनकी निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। आई.ई.पी.एल. ओरका, गोमिया के महाप्रबंधक अभिषेक विश्वास और विद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष अरिंदम दासगुप्ता सहित अन्य सदस्यों ने सभी सफल विद्यार्थियों और शिक्षकों को शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संस्कारवान और नैतिकवान बनने की शिक्षा बचपन से ही दी दें : आचार्य शंभू शिवानंद

आनंद मार्ग के शिक्षा त्राण व कल्याण विभाग का पांच-दिवसीय शिक्षण प्रशिक्षण शिविर शुरू

वर्ल्ड वाइज न्यूज

बोकारो : आनंद मार्ग के शिक्षा त्राण व कल्याण विभाग द्वारा पांच दिवसीय शिक्षण प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत बुधवार को आनंद मार्ग के मुख्यालय निकटवर्ती आनंद नगर में हुई। आचार्य शंभू शिवानंद अवधूत ने नव्य मानवतावादी शिक्षा पद्धति के जन्मदाता श्रीश्री आनंदमूर्तिजी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों को सही परिवेश मिलने से संस्कारवान और नैतिकवान बनते हैं। नव्य मानवतावादी शिक्षा पद्धति में इस विषय पर ज्यादा जोर दिया गया है। संस्कारवान और नैतिकवान बनने की शिक्षा बचपन से ही दी जानी चाहिए। यही कारण है कि पूरे विश्व में संस्था के द्वारा प्राथमिक विद्यालय ज्यादा से ज्यादा खोले जा रहे हैं, ताकि बच्चों में सही संस्कार दी जा सके।

उक्त शिक्षण प्रशिक्षण शिविर में भारत से करीब 200 शिक्षक सहभागी होंगे। आयोजक शिक्षा विभाग के दिल्ली संभाग के शिक्षा प्रभारी आचार्य पुष्पेंद्र आनंद अवधूत के अनुसार इसमें श्रीश्री आनंदमूर्तिजी द्वारा प्रतिपादित नव मानवतावादी शिक्षा पर सैद्धांतिक तथा व्यवहारिक कक्षाएं होंगी। उद्घाटन समारोह का मंच संचालन नेपाल से आए गुरुकुल महासमिति के सचिव आचार्य ओमकेश्वर आनंद अवधूत ने किया।

वर्ल्ड वाइज न्यूज

ऑपरेशन सिंदूर की अमर गाथा लिखने वाली सेना के प्रति राष्ट्र की भूमिका

(विवेक रंजन श्रीवास्तव-विनायक फीचर्स)

भारतीय सैनिकों का इतिहास सदा से अदम्य साहस, समर्पण और देशभक्ति से भरा हुआ है। ऑपरेशन सिंदूर भी उसी गौरवशाली गाथा का नया अध्याय है। हमारी सेना ने अद्वितीय वीरता दिखाते हुए दुश्मन को नए उपकरणों से, आक्रमण तथा सुरक्षा में तकनीकी कौशल से मुंहतोड़ जवाब दिया। यह ऑपरेशन केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि हर उस सैनिक के संघर्ष का प्रतीक है, जो सीमा पर देश की रक्षा के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर करने को हमेशा तैयार रहता है। भारत की वायु सेना के मिसाइल आक्रमण बेमिसाल थे। देश की गुप्तचर एजेंसी ने सफलता की अद्भुत कहानी लिखी है। सीमा पर थल सेना अग्निपरीक्षा से गुजर रही थी। जवानों का संघर्ष अद्वितीय था। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैनिकों ने न केवल शारीरिक चुनौतियों का सामना किया, बल्कि मानसिक रूप से भी खुद को मजबूत रखा। ऊँचे पहाड़ों, खतरनाक मौसम और दुर्गम इलाकों में घात लगाए दुश्मन से लोहा लेना, बिना सीमा पार किए पाकिस्तान पर हमारे देश के वीर सैनिकों ने अभूतपूर्व प्रहार किए। यह असाधारण बात थी। हर उड़ान,हर कदम पर जान का जोखिम, परिवार से दूरियाँ, और अनिश्चितता के बीच सैन्य दल का धैर्य असाधारण था। अब जबकि सीमा पर अपेक्षाकृत शांति है, देशवासियों का कर्तव्य है कि हम सब अपनी अपनी तरह से हमारी सेना के प्रति संजीदगी से कृतज्ञता ज्ञापित करें। सैनिकों के परिवारों का सहारा बनें। जब जवान सीमा पर डटे होते हैं, तो उनके परिवार की चिंता उनके मन में हमेशा बनी रहती है। ऐसे में समाज का दायित्व है कि वह सेना के साथ खड़ा रहें। हमारा आर्थिक एवं सामाजिक सहयोग सैनिकों के परिवारों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की जरूरतों के लिए मदद बन सकता है। हमारे छोटे-छोटे दान, स्कॉलरशिप या रोजगार के अवसर उनके जीवन में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। हम सेना को मानसिक संबल दे सकते हैं। सैन्य अभियानों के बाद जवानों और उनके परिवारों को मनोवैज्ञानिक समर्थन की आवश्यकता होती है। काउंसलिंग सेवाएँ, समर्थन समूह और मनोरंजन के कार्यक्रम उन्हें तनाव से उबारने में मदद कर सकते हैं। शहीदों के बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देकर हम उनके भविष्य को सुरक्षित कर सकते हैं। इसी तरह, परिवार के सदस्यों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाना भी महत्वपूर्ण है। स्थानीय समुदाय इन परिवारों के साथ त्यौहारों, समारोहों या रोजमर्रा के कार्यों में शामिल होकर उन्हें अकेलापन महसूस न होने दें। अपना टैक्स समय पर देना हर नागरिक का कर्तव्य होता है। इसी से हमारा रक्षा बजट और सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। सैनिकों का सम्मान केवल शब्दों तक सीमित नहीं होना चाहिए। छोटे-छोटे प्रयास, जैसे सैन्य कल्याण कोष में योगदान, रक्तदान शिविरों में भाग लेना, या सेना के अस्पतालों में स्वयंसेवा करना, हमारी कृतज्ञता को व्यक्त करने के तरीके हैं। सोशल मीडिया पर उनकी बहादुरी की कहानियाँ साझा करके भी हम समाज में जागरूकता फैला सकते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर सारे मतभेद भुलाकर एकजुटता ही सेना की ताकत होती है। ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियान हमें याद दिलाते हैं कि देश की सुरक्षा का दायित्व सिर्फ सैनिकों पर नहीं, बल्कि हर नागरिक पर है। उनके परिवारों की मदद करना, उनके संघर्षों को समझना और उन्हें सम्मान देना ही सच्ची देशभक्ति है। जब देश का हर व्यक्ति अपनी भूमिका निभाएगा, तभी हमारी सेनाएं निडर होकर सीमा पर डटे रहेंगी और हम निश्चिन्त होकर शांति से सो सकेंगे। (विनायक फीचर्स)

युद्ध या युद्ध विराम : सर्वाधिकार मुखिया के नाम

(डॉ. सुधाकर आशावादी-विभूति फीचर्स)

किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र में जनता अपने प्रतिनिधि चुनकर अपने नायक को मुखिया के पद पर स्थापित करती है तथा उसे अधिकार प्रदान करके यह अपेक्षा करती है, कि वह देश, काल और परिस्थिति के अनुरूप उपयुक्त निर्णय लेकर उसके हितों की रक्षा करेगा। होता भी यही है, यदि मुखिया जनहित में कार्य नहीं करता, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप मुखिया को पदच्युत करने का अधिकार भी जनता के हाथों में निहित रहता है। रहा सवाल आतंकवाद से निपटने का या शत्रुओं के विरुद्ध युद्ध नीति बनाने का, सो यह अधिकार भी मुखिया को राष्ट्र द्वारा ही सौंपे जाते हैं। आतंकवाद के विरुद्ध भारत की नीति स्पष्ट है। विश्व में बढ़ते असंतोष और हितों के टकराव के मध्य युद्ध एक विकल्प के तौर पर किए जाते रहे हैं। युद्ध एवं शांति दो या दो से अधिक पड़ोसी देशों के मध्य अंतरराष्ट्रीय सीमा विवाद तथा किसी देश की आंतरिक सुरक्षा में दखल देने से उत्पन्न समस्याओं से जुड़े विषय हैं। विश्व आतंकवाद से त्रस्त है। अराजक तत्व शांति में विश्वास नही रखते। भारत में समय समय पर अलगाववादी तत्व सक्रिय रहे हैं। देश ने जम्मू कश्मीर के आतंकवाद को भी देखा है और पंजाब में उग्रवाद के आधार पर हुई हिंसा को भी भोगा है। कश्मीर की केसर क्यारी में पनपे आतंकवाद में अपनी जान हथेली पर रखकर हिंदुओं के पलायन की त्रासदी को भी देखा है। यही नही पश्चिमी बंगाल में रोहिंग्याओं और बंगलादेशी घुसपैठियों के आतंक की आगजनी की तपिश भी झेली है। कहने का आशय यह है कि जहां देश की सीमाओं को अस्थिर करने के प्रयास जारी रहते हैं। वहीं देश की आंतरिक स्थिति को भी विघटनकारी तत्वों की अराजक गतिविधियों से दो चार होना पड़ता रहता है। कभी देश की राजधानी में उग्र आंदोलन के नाम पर अराजकता फैलाई जाती है, कभी अन्य प्रकार से देश की शांति भंग करने के प्रयास विघटनकारी शक्तियों द्वारा किए जाते हैं। कहने का आशय यही है कि किसी भी लोकतान्त्रिक सरकार को सदैव अनेक मोर्चों पर लड़ना होता है तथा उनका दूरदर्शी समाधान खोजने हेतु विवश रहना पड़ता है। पाकिस्तान सदैव भारत विरोध की राजनीति के आधार पर गतिशील रहा है। उसकी नकारात्मक सोच का दुष्परिणाम यही है कि वहां लोकतंत्र का कोई लक्षण नहीं दिखाई देता। सैनिक शासन यदा कदा वहां से शासकों को हाशिए पर खड़ा करके सत्ता संचालित करता रहता है। छद्म युद्ध उसकी नीयत और नीति के परिचायक रहे हैं। युद्ध विराम हो या विघटनकारी तत्वों के विरुद्ध कोई स्ट्राइक, यह दिशानायकों के चिंतन का विषय है। जो राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करते हैं उन्हें वैश्विक कूटनीति के तहत निर्णय लेने होते हैं, जिनसे किसी भी नागरिक की व्यक्तिगत सहमति या असहमति हो सकती है। इसे देश के नहीं किसी एक परिवार के मुखिया के सूझबूझ भरे निर्णय के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। ताज्जुब तब होता है कि जब वर्ष भर विघटनकारी शक्तियों के सुर में सुर मिलाने वाले तत्व केवल पूर्वाग्रह की भाषा बोलते हैं। समय समय पर देश, काल और परिस्थिति के अनुरूप निर्णय लेने का सर्वाधिकार मुखिया को लोकतंत्र ने ही दिया है। सो देश के मुखिया और सुरक्षाबलों के प्रति पूर्ण आस्था और विश्वास बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का लोकतांत्रिक दायित्व है इसमें किंतु परंतु के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। (विभूति फीचर्स)

मानव सभ्यता का शिखर एवं रिश्तों का स्वर्ग है परिवार

ललित गर्ग

अन्तर्राष्ट्रीय परिवार दिवस, 15 मई 2025)

वैश्विक परिवार दिवस दुनिया भर के लोगों में प्यार, सद्भाव, एकता को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित विश्व उत्सव है। संयुक्त राष्ट्र ने परिवारों के महत्व और उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए इस दिन की स्थापना की। परिवार हमें एकसूत्रता में बांधता है, रिश्तों की अहमियत को गहराई से समझाता है, सभी पारिवारिकजनों में प्यार बढ़ाता है। हमें एक व्यक्ति के रूप में विकसित होने और हमारे भावनात्मक संबंधों को मजबूत करते हुए बेहतर इंसान बनाने में करता है। संयुक्त राष्ट्र ने माना कि बदलती आर्थिक और सामाजिक संरचनाएं दुनियाभर में पारिवारिक इकाइयों को प्रभावित कर रही हैं, इसलिए, 1993 में इसने आधिकारिक तौर पर 15 मई को अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस के रूप में घोषित किया। जैसाकि दुनिया दोहा, कतर में 4-6 नवंबर 2025 में सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन की तैयारी कर रही है, तब अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस सतत विकास को आगे बढ़ाने में परिवार-उन्मुख नीतियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालेगा, जो गरीबी उन्मूलन, सभ्य कार्य और सामाजिक समावेशन के प्रति प्रतिबद्धताओं को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। 'सतत विकास के लिए परिवार-उन्मुख नीतियांः सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन की ओर' थीम के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पहलों से महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि को उजागर किया जाएगा, जिसमें सतत विकास के लिए प्रौद्योगिकीय परिवर्तन, जनसांख्यिकीय बदलाव, शहरीकरण, प्रवासन और जलवायु परिवर्तन जैसी बड़ी प्रवृत्तियों से निपटने के लिए राष्ट्रीय विकास एजेंडा में परिवार-केंद्रित नीतियों को एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया जाएगा। परिवार में रिश्तों की एक मज़बूत डोर होती है, सहयोग के अटूट बंधन होते हैं, एक-दूसरे की सुरक्षा के वादे और इरादे होते हैं। हमारा यह फ़र्ज़ है कि इस रिश्ते की गरिमा को बनाए रखें। हमारी संस्कृति एवं परंपरा में पारिवारिक एकता पर हमेशा से बल दिया जाता रहा है। प्राणी जगत एवं सामाजिक संगठन में परिवार सबसे छोटी इकाई है। परिवार के अभाव में मानव समाज के संचालन की कल्पना भी दुष्कर है, प्रत्येक व्यक्ति किसी-न-किसी परिवार का सदस्य होकर ही अपनी जीवन यात्रा को सुखद, समृद्ध, विकासोन्मुख बना पाता है। उससे अलग होकर उसके अस्तित्व को सोचा नहीं जा सकता है। हमारी संस्कृति और सभ्यता अनेक परिवर्तनों से गुजर कर अपने को परिष्कृत करती रही है, लेकिन परिवार संस्था के अस्तित्व पर कोई भी आंच नहीं आई। वह बने और बन कर भले टूटे हों लेकिन उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता है। हम चाहे कितनी भी आधुनिक विचारधारा में पल रहे हो लेकिन अंत में अपने संबंधों को विवाह संस्था से जोड़ कर परिवार में परिवर्तित करने में ही संतुष्टि एवं जीवन की परिपूर्णता-सार्थकता अनुभव करते हैं। परिवार का महत्व न केवल

भारत में बल्कि दुनिया में सर्वत्र है। आधुनिक समाज में परिवार का विघटन आम बात हो चुकी है। ऐसे में परिवार न टूटे इस मिशन एवं विजन के साथ अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जाता है। परिवार के बीच में रहने से आप तनावमुक्त व प्रसन्नचित्त रहते हैं, साथ ही आप अकेलेपन या डिप्रेशन के शिकार भी नहीं होते, यही नहीं परिवार के साथ रहने से आप कई सामाजिक बुराइयों से अछूते भी रहते हैं। परिवार दो प्रकार के होते हैं- एक एकल परिवार और दूसरा संयुक्त परिवार। एकल परिवार में पापा-मम्मी और बच्चे रहते हैं। संयुक्त परिवार में पापा-मम्मी, बच्चे, दादा दादी, चाचा, चाची, बड़े पापा, बड़ी मम्मी, बुआ इत्यादि रहते हैं। संयुक्त परिवार टूटने एवं बिखरने की त्रासदी को भोग रहे लोगों के लिये यह दिवस बहुत महत्वपूर्ण है। वास्तव में मानव सभ्यता की अनूठी पहचान है संयुक्त परिवार और वह जहां है वहीं स्वर्ग है। रिश्तों और प्यार की अहमियत को छिन्न-भिन्न करने वाले पारिवारिक सदस्यों की हरकतों एवं तथाकथित आधुनिकतावादी सोच से जहां बुढ़ापा कांप उठता है, वहीं बच्चों की दुनिया को भी बहुत सारे आयोजनों से बेदखल कर दिया है। दुख सहने और कष्ट झेलने की शक्ति जो संयुक्त परिवारों में देखी जाती है वह एकल रूप से रहने वालो में दूर-दूर तक नहीं होती है। आज के अत्याधुनिक युग में बढ़ती महंगाई और बढ़ती जरूरतों को देखते हुए संयुक्त परिवार समय की मांग कहे जा सकते हैं। भारत गांवों का देश है, परिवारों का देश है, शायद यही कारण है कि न चाहते हुए भी आज हम विश्व के सबसे बड़े जनसंख्या वाले राष्ट्र के रूप में उभर चुके हैं और शायद यही कारण है कि आज तक जनसंख्या दबाव से उपजी चुनौतियों के बावजूद, एक 'परिवार' के रूप में, जनसंख्या नीति बनाये जाने की जरूरत महसूस नहीं की। ईंट, पत्थर, चूने से बनी दीवारों से घिरा जमीं का एक हिस्सा घर-परिवार कहलाता है जिसके साथ 'मैं' और 'मेरापन' जुड़ा है। संस्कारों से प्रतिबद्ध संबंधों की संगठनात्मक इकाई उस घर-परिवार का एक-एक सदस्य है। हर सदस्य का सुख-दुख एक-दूसरे के मन को छूता है। प्रियता-अप्रियता के भावों से मन प्रभावित होता है। घर-परिवार जहां हर सुबह रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा, चिकित्सा की समुचित व्यवस्था की जुगाड़ में धूप चढ़ती है और आधी-अधूरी चिंताओं का बोझ ढोती हुई हर शाम घर-परिवार आकर ठहरती है। कभी लाभ, कभी हानि, कभी सुख, कभी दुख, कभी संयोग, कभी वियोग, इन द्वंद्वात्मक परिस्थितियों के बीच जिंदगी का कालचक्र गति करता है। आदमी की हर कोशिश 'घर-परिवार' बनाने की रहती है। सही अर्थों में घर-परिवार वह जगह है जहां स्नेह, सौहार्द, सहयोग, संगठन सुख-दुख की साझेदारी, सबमें सबक होने की स्वीकृति जैसे जीवन-मूल्यों को जीया जाता है। जहां सबको सहने और समझने का पूरा अवकाश है। अनुशासन के साथ रचनात्मक स्वतंत्रता है। निष्ठा के साथ निर्णय का अधिकार है। जहां बचपन सत्संस्कारों में पलता है। युवकत्व सापेक्ष जीवनशैली से जीता है। वृद्धत्व जीए गए अनुभवों को सबके बीच बांटता हुआ सहिष्णु और संतुलित रहता है। ऐसा घर-परिवार निश्चित रूप से पूजा का मंदिर बनता है। परिवार एक संसाधन की तरह होता है। फिर क्या कारण है कि आज किसी भी घर-परिवार के वातायन से झांककर देख लें-दुख, चिंता, कलह, ईर्ष्या, घृणा, पक्षपात, विवाद, विरोध, विद्रोह के साये चलते हुए दीखेंगे। अपनों के बीच भी परायेपन का अहसास पसरा हुआ होगा। विचारभेद मनभेद तक पहुंचा देगा। विश्वास संदेह में उतर आएगा। ऐसी अनकही तनावों की भीड़ में आदमी सुख के एक पल को पाने के लिए तड़प जाता है। कोई किसी के सहने/समझने की कोशिश नहीं करता। क्योंकि उस घर-परिवार में उसके ही अस्तित्व के दायरे में उद्देश्य, आदर्श, उम्मीदें, आस्था, विश्वास की बदलती परिधियां केंद्र को ओझल कर भटक जाती हैं। विघटन शुरू हो जाता है। भारतीय परिवार में परिवार की मर्यादा और आदर्श परंपरागत है। विश्व के किसी अन्य समाज़ में गृहस्थ जीवन की इतनी पवित्रता, स्थायीपन, और पिता-पुत्र, भाई-भाई और पति-पत्नी के इतने अधिक व स्थायी संबंधों का उदाहरण प्राप्त नहीं होता। विभिन्न क्षेत्रों, धर्मों, जातियों में सम्पत्ति के अधिकार, विवाह और विवाह विच्छेद आदि की प्रथा की दृष्टि से अनेक भेद पाए जाते हैं, किंतु फिर भी 'संयुक्त परिवार' का आदर्श सर्वमान्य है। अधिकतर परिवार में तीन पीढ़ियों और कभी कभी इससे भी अधिक पीढ़ियों के व्यक्ति एक ही घर में, अनुशासन में और एक ही रसोईघर से संबंध रखते हुए सम्मिलित संपत्ति का उपभोग करते हैं और एक साथ ही परिवार के धार्मिक कृत्यों तथा संस्कारों में भाग लेते हैं। मुसलमानों और ईसाइयों में संपत्ति के नियम भिन्न हैं, फिर भी संयुक्त परिवार के आदर्श, परंपराएं और प्रतिष्ठा के कारण इनका सम्पत्ति के अधिकारों का व्यावहारिक पक्ष परिवार के संयुक्त रूप के अनुकूल ही होता है। संयुक्त परिवार का कारण भारत की कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था के अतिरिक्त प्राचीन परंपराओं तथा आदर्श में निहित है। रामायण और महाभारत की गाथाओं द्वारा यह आदर्श जन-जन में संप्रेषित है।

15 मई अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस

संबंधों की धरोहर और सामाजिक संतुलन का आधार है परिवार

नरेंद्र शर्मा परवाना

(नरेंद्र शर्मा परवाना-विभूति फीचर्स)

मानव जीवन का सबसे पहला अनुभव परिवार से जुड़ता है। यही वह स्थान है जहां मनुष्य बोलना, समझना और जीना सीखता है। परिवार केवल रिश्तों का बंधन नहीं, वह भावनात्मक, सामाजिक और नैतिक मूल्यों का केंद्र होता है। बदलते समय में जब सामाजिक ढांचे में बदलाव आ रहा है, तब यह आवश्यक हो गया है कि हम परिवार की भूमिका को समझें। विशेषकर संयुक्त और एकल परिवारों के बीच के अंतर को जानें। अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि यह अवसर है पुनः सोचने का कि हम किस दिशा में बढ़ रहे हैं। संयुक्त परिवारः सहयोग और संतुलन की परंपरा संयुक्त परिवार, भारतीय संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर है। यह परिवारों की संरचना में एकता, सहयोग, और साझा जिम्मेदारी को प्रदर्शित करता है। संयुक्त परिवार में, माता-पिता, दादा-दादी, और बच्चों सहित कई पीढ़ियों के लोग एक साथ रहते हैं और एक दूसरे का समर्थन करते हैं। जब एक ही घर में पीढ़ियां साथ रहती हैं, तो केवल काम नहीं बंटते, बल्कि जीवन के अनुभव, निर्णयों का संतुलन और स्नेह का प्रवाह भी बना रहता है। उदाहरण के तौर पर, जब घर में कई सदस्य होते हैं, तो जिम्मेदारियां साझा होती हैं। इससे मानसिक दबाव घटता है, और व्यक्ति अकेलेपन से बचता है। बच्चों को संस्कार मिलते हैं, और बुजुर्गों को अपनापन प्राप्त होता है।

एकल परिवारः आधुनिकता के साथ चुनौतियां शहरीकरण और आधुनिक जीवनशैली ने एकल परिवारों की संख्या बढ़ाई है। हालांकि इससे निजता और स्वतंत्रता मिलती है, पर साथ ही सामाजिक अलगाव, तनाव और असुरक्षा की भावना भी पनपती है। कई बार कार्य की व्यस्तता में संवाद का अभाव होने लगता है। बच्चों को मार्गदर्शन की कमी महसूस होती है और बुजुर्ग अकेले हो जाते हैं। इससे अपराधों में भी वृद्धि हुई है और बच्चे एवं युवा पीढ़ी बड़ों के अनुभव से वंचित रहने लगे हैं। परिवार का सामाजिक और नैतिक महत्व परिवार समाज की सबसे छोटी इकाई होते हुए भी सबसे मजबूत स्तंभ है। यहीं से व्यक्ति सेवा, सहानुभूति, अनुशासन, मर्यादा और सहयोग जैसे जीवन मूल्यों को सीखता है। परिवार एक ऐसी पाठशाला है जो जीवन भर मनुष्य का मार्गदर्शन करती है। यह केवल साथ रहने का माध्यम नहीं, साथ जीने का अभ्यास भी है। युवाओं की भूमिका और संयुक्त परिवार की प्रासंगिकता आज का युवा आत्मनिर्भर और जागरूक है, पर आत्मनिर्भरता का अर्थ सामाजिक संबंधों से कटाव नहीं है। जब युवा संयुक्त परिवार में रहते हैं, तो उन्हें जीवन के विविध पक्षों को समझने का अवसर मिलता है। वे निर्णयों में परिपक्व होते हैं, और जीवन के संघर्षों में अकेले नहीं होते। परिवार एक संपूर्ण जीवन-दर्शन परिवार जीवन का आधार है, जहां भावनाएं, रिश्ते, परंपराएं और संस्कार एक साथ पलते हैं। संयुक्त परिवारों की संस्कृति केवल परंपरा नहीं, एक संपूर्ण जीवन-दर्शन है। अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि हम किस दिशा में जा रहे हैं और क्या हम सामाजिक समरसता को संजो पा रहे हैं। यदि परिवार सशक्त होंगे, तो समाज भी सशक्त होगा क्योंकि परिवार ही समाज की नींव है। (विभूति फीचर्स)

सूडोकु नवताल- 7430

★★★★☆ मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7429 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

भारतीय आध्यात्म के वैश्विक दूत परमहंस योगानंद

डॉ. सुब्रत बांश

जब दुनिया के अनेक राष्ट्रों ने सत्ता, सैन्य और अर्थव्यवस्था के दम पर उपनिवेश बनाए, तब भारत ने एक अलग राह चुनी-आध्यात्मिक प्रभाव की राह। यहां के ऋषियों-मुनियों ने मानवता को आत्मबोध, ध्यान, और शांति का संदेश दिया। इस आध्यात्मिक धरोहर को 20वीं सदी में वैश्विक मंच तक पहुंचाने वाले एक महान योगी थे-परमहंस योगानंद। योगानंद न केवल भारतीय योग और ध्यान परंपरा के प्रचारक थे, बल्कि उन्होंने भारतीय संस्कृति की एक तरह की "आध्यात्मिक उपनिवेशिकता" की नींव भी रखी-जिसमें कोई जबरदस्ती नहीं थी, बस आत्मा की गहराइयों से निकला संदेश था जो सीधे विश्व-मानव के हृदय को छू गया। सन् 1920 में परमहंस योगानंद अमेरिका के बोस्टन में आयोजित "अंतरराष्ट्रीय धार्मिक उदारवादियों की कांग्रेस" में भारत का प्रतिनिधित्व करने पहुंचे। यह उनकी पहली विदेश यात्रा थी, लेकिन इस यात्रा ने उन्हें एक वैश्विक आध्यात्मिक दूत बना दिया। उसी वर्ष उन्होंने अमेरिका में Self-Realization Fellowship (एसआरएफ) की स्थापना की, जो ध्यान और क्रिया योग के माध्यम से आत्म-साक्षात्कार की शिक्षा को प्रसारित करता है। पांच साल बाद, 1925 में लॉस एंजेलिस में एसआरएफ का अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय स्थापित हुआ, जो आज भी योगानंद की शिक्षाओं का केंद्र बना हुआ है। पश्चिमी जगत, जो उस समय भौतिकता और औद्योगिकीकरण की ओर दौड़ रहा था, वहां भारतीय योग की यह सौम्य आहट एक नई चेतना का सूत्रपात थी। योगानंद की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उन्होंने धर्म को किसी मत या पंथ के बंधन से परे रखा। उनका संदेश था-ईश्वर को महसूस करो, न कि केवल मानो। वे कहते थे कि ध्यान, प्राणायाम और आत्मचिंतन के माध्यम से हर इंसान ईश्वर का प्रत्यक्ष अनुभव कर सकता है। उनकी शिक्षाएं पूर्व के गहन अध्यात्म और पश्चिम की वैज्ञानिक सोच का अनूठा संगम थीं। उन्होंने क्रिया योग को एक वैज्ञानिक पद्धति की तरह प्रस्तुत किया, जो जीवन के हर क्षेत्र में शांति, संतुलन और जागरूकता ला सकती है। सन्

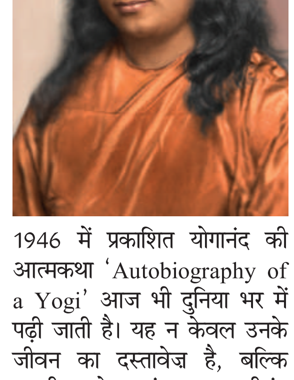

1946 में प्रकाशित योगानंद की आत्मकथा 'Autobiography of a Yogi' आज भी दुनिया भर में पढ़ी जाती है। यह न केवल उनके जीवन का दस्तावेज़ है, बल्कि भारतीय योग परंपरा का जीवंत वर्णन भी है। अब तक यह 50 से अधिक भाषाओं में अनूदित हो चुकी है और इसे आध्यात्मिक साहित्य की क्लासिक माना जाता है। एप्पल के सह-संस्थापक स्टीव जॉब्स इस पुस्तक से इतने प्रभावित थे कि उन्होंने अपने आईपैड में केवल यही एक किताब रखी थी, और अपनी मृत्यु से पहले इसे अपने निकट सहयोगियों को उपहारस्वरूप दिया था। योगानंद की एक अन्य उल्लेखनीय पुस्तक 'The Second Coming of Christ' है, जिसमें उन्होंने ईसा मसीह की शिक्षाओं को हिंदू योग दर्शन के परिप्रेक्ष्य में व्याख्यायित किया है। इस प्रयास ने आध्यात्मिक संवाद को वैश्विक आयाम दिया। योगानंद ने एक गहन प्रश्न उठाया था-"मनुष्य बाहरी दुनिया को जीतने में व्यस्त है, लेकिन क्या वह अपने भीतर की दुनिया से भी परिचित है?" आज की भागदौड़, तनाव और तकनीकी अशांति से जूझती दुनिया में यह सवाल पहले से अधिक प्रासंगिक हो गया है। उनकी पुस्तक 'How to Live' की सात-खंडीय श्रृंखला जीवन में शांति, स्पष्टता और आत्म-संयम लाने के व्यावहारिक उपाय देती है। इनमें कार्य-जीवन संतुलन, आंतरिक ऊर्जा, सकारात्मक सोच, और ध्यान जैसे विषयों को अत्यंत सरल और प्रभावी भाषा में प्रस्तुत किया गया है। सन् 1952 में जब योगानंद ने अमेरिका में ही शरीर त्यागा, तो वे भले ही भौतिक रूप से नहीं रहे, लेकिन उनकी शिक्षाएं आज भी लाखों लोगों का मार्गदर्शन कर रही हैं।

पहलगाम के हत्यारों तक कब पहुंचेगा भारत!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

भारत -पाकिस्तान के बीच 19 दिनों तक हुई जंग में भारत ने सौ से अधिक आतंकियों व 40 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराने में तो सफलता हासिल की है लेकिन जिन 4 आतंकियों ने पहलगाम में 26 निर्दोष पर्यटकों को गोली बरसाकर मार डाला था,उन आतंकियों को कब दंड मिलेगा,यह सवाल हर भारतीय के जहन में है।कम से कम युद्ध विराम समझौते में पाकिस्तान के सामने पहलगाम के हत्यारों को भारत को सौंपने की शर्त रखी जाती तो उन परिवारों को सब्र मिल जाता जिनके परिवार के लोग बेमौत मारे गए है।जबकि भारतीय सेना का देश के प्रति समर्पण इस कदर है कि सैनिक अपनी शादी के जश्न को छोड़कर भी युद्ध भूमि में गए है। बक्सर जिले के नंदन गांव में फौजी त्यागी यादव की शादी 7 मई को प्रिया कुमारी से हुई है, लेकिन अगले ही दिन 8 मई को उनके लिए भारतीय सेना से ड्यूटी का बुलावा आ गया,क्योंकि भारत-पाक सीमा पर बढ़ते तनाव के कारण सभी सैनिकों की छुट्टियां रद्द कर दी गईं थी।त्यागी ने तुरंत वर्दी पहनी और दुल्हन को घर पर छोड़कर देश की सेवा में निकल पड़े।हालांकि उन्होंने शादी के लिए खासतौर पर छुट्टी ली हुई थी, लेकिन जब देश की सुरक्षा के लिहाज से हालात गंभीर हैं तो ऐसे में निजी जीवन से बड़ा कर्तव्य देश के प्रति बन जाता है,जिसका पालन उन्होंने किया है। यह सोच सिर्फ इस भारतीय सैनिक की ही नही बल्कि देश के सभी सैनिकों के साथ साथ आम भारतीय नागरिक भी पाकिस्तान को करारा जवाब देने के लिए लालायित है।

स्पंदन राधा कृष्ण का

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आतताइयों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कईं जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया। श्रीकृष्ण ने किसी चमत्कार से लड़ाइयाँ नहीं जीती। बल्कि अपनी बुद्धि योग और ज्ञान के आधार पर जीवन को सार्थक किया। मनुष्य का जन्म लेकर, मानवता की...उसके अधिकारों की सदैव रक्षा की। वे जीवन भर चलते रहे, कभी भी स्थिर नही रहे। जहाँ उनकी पुकार हुई, वे सहायता जुटाते रहे। उधर जब से कृष्ण वृन्दावन से गए, गोपियाँ और राधा तो मानो अपना अस्तित्व ही खो चुकी थी। राधा ने कृष्ण के वियोग में अपनी सुधबुध ही खो दी। मानो उनके प्राण ही न हो केवल काया मात्र रह गई थी। राधा को वियोगिनी देख कर, कितने ही महान कवियों- लेखकों ने राधा के पक्ष में कान्हा को निर्मोही जैसी उपाधि दी। दे भी क्यूँ न ?

राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें, वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ, वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे, वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी। राधा जो वनों में भटकती, कृष्ण कृष्ण पुकारती, अपने प्रेम को अमर बनाती, उसकी पुकार सुन कर भी, कृष्ण ने एक बार भी पलट कर पीछे नही देखा। ...तो क्यूँ न वो निर्मोही एवं कठोर ह्रदय कहलाए। राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें, वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ, वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे, वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी ... किन्तु कृष्ण के ह्रदय का स्पंदन किसी ने नहीं सुना। स्वयं कृष्ण को कहाँ कभी समय मिला कि वो अपने ह्रदय की बात..मन की बात सुन सकें। या फिर क्या यह उनका अभिनय था? जब अपने ही कुटुंब से व्यथित हो कर वे प्रभास -क्षेत्र में लेट कर चिंतन कर रहे थे तब जरा के छोडे तीर की चुभन महसूस हुई। तभी उन्होंने देहोत्सर्ग करते हुए, राधा शब्द का उच्चारण किया। जिसे जरा ने सुना और उद्धव को जो उसी समय वह पहुँचे..उन्हें सुनाया। उद्धव की आँखों से आँसू लगतार बहने लगे। सभी लोगों को कृष्ण का संदेश देने के बाद, जब उद्धव, राधा के पास पहुँचे, तो वे केवल इतना कह सके -

राधा, कान्हा तो सारे संसार के थे,
किन्तु राधा तो केवल कृष्ण के ह्रदय में थी

कष्टहरता जय हनुमान...

हनुमान बजरंगबली और महावीर के नामों से जाने जाने वाले पवनसुत सप्त चिरंजीवियों में से एक हैं। पद्म-पुराण के 56-6-7 वें श्लोक में उनका अन्य छः चिरंजीवियों के साथ नाम इस प्रकार आता है-

अश्वत्थामा बलिव्यासो ह्नुमानन्च विभीषण।
कृप परशुरामश्च सप्तैत चिरंजीविन ।

वस्तुतः रामभक्त, संकटमोचन, रामसेवक, रामदूत, केशरीनंदन, आंजनेय, अंजनीसुत, कपीश, कपिराज, पवनसुत और संकटमोचक के रूप में विख्यात हनुमान अपने भक्तों को व्याधियों व संकटों, वेदनाओं तथा परेशानियों से मुक्ति दिलाते हैं।

हनुमान भक्ति व पूजा का लाभ

हर व्यक्ति को जीवन में अनेक समस्याओं से गुजरना पड़ता है, ऐसे में हनुमानजी का स्मरण उसकी कष्टों से रक्षा करता है। जहाँ हनुमानजी का नाम मुश्किलों से बचाव करता है, वहीं वह मन से अनजाने भय को निकालकर शुभ व मंगल का पथ प्रशस्त करता है, विपत्तियों से मुक्ति दिलाता है।

वास्तव में, हनुमानजी रामभक्ति, सत्य मर्यादा, ब्रह्मचर्य, सदाचार व त्याग की चरम सीमा हैं। इसका सविस्तार वर्णन हमें सुंदरकांड में मिलता है। इसीलिए सुंदरकांड का पाठ करने से अनिष्ट, अमंगल तथा संकट की समाप्ति होती है, और नेष्ट का रास्ता खुलता है। सुंदरकांड का पाठ करने से हनुमानजी प्रसन्न होते हैं, तथा भक्त को सुपरिणाम प्रदान करते हैं।

कार्यसिद्धि के लिए भी सुंदरकांड का पाठ किया जाता है। परंतु इस हेतु पाठ अमावस्या की रात्रि से शुरू करके नियमित रूप से 45 दिन करना चाहिए। इसके अतिरिक्त नवरात्रि के समय भी सुंदरकांड का पाठ करना उचित माना जाता है। एक ऐसी भी मान्यता है कि नौ ग्रहों को रावण की कैद से केशरीनंदन ने ही म ु क्त कराया था। उस समय शनि ने हनुमानजी को वचन दिया था कि- हे हनुमान! जो कोई भी आपकी पूजा-अर्चना करेगा, मैं उसे नहीं सताऊँगा। साधक को मंगलवार व शनिवार की पूजा करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है। यथार्थ तो यह है कि कलियुग में महावीर हनुमान का नाम सही अर्थों में संकटमोचन है।

कौन थीं कृष्ण की 16108 रानियां ?

श्रीकृष्ण का नाम आते ही हमारे मन असीम प्रेम उमड़ता है। सभी जानते हैं कि असंख्य गोपियां थी जो श्रीकृष्ण से अनन्य प्रेम करती थीं। परंतु उनकी शादी श्रीकृष्ण से नहीं हो सकी। श्रीकृष्ण की प्रमुख पटरानी रुकमणी पटरानी रुकमणी सहित उनकी 8 पटरानियां एवं 16100 रानियां थीं। कुछ विद्वानों का यह मत है कि कृष्ण की प्रमुख रानियां तो आठ ही थीं, शेष 16,100 रानियां प्रतीकात्मक थीं। इन्हें वेदों की ऋचाएं माना गया है। ऐसा माना जाता है चारों वेदों में कुल एक लाख श्लोक हैं। इनमें से 80 हजार श्लोक यज्ञ के हैं, चार हजार श्लोक पराशक्तियों के हैं। शेष 16 हजार श्लोक ही गृहस्थों या आम लोगों के उपयोग के अर्थात भक्ति के हैं। इन श्लोकों को ऋचाएं कहा गया है, ये ऋचाएं ही भगवान कृष्ण की पत्नियां थीं। श्रीकृष्ण की प्रत्येक रानी से 10-10 पुत्र एवं प्रत्येक रानी से 1-1 पुत्री का जन्म हुआ।

क्या है कृष्ण की रासलीला का सच ?

कुछ लोग अपने आपको कृष्ण भक्त या कृष्ण के अनुयाई बताकर चेहरे पर बड़े गर्व के भाव व्यक्त करते हुए घूमते हैं। यदि उनसे पूछा जाए कि क्या है कृष्ण का मतलब? क्या था कृष्ण का व्यक्तित्व, और क्या क हते हैं कृष्ण अपनी गीता में क्या रसिया कृष्ण की गीता में रासलीला का बड़ा ही सुन्दर वर्णन आया है इतना पूछने पर, अपने आप को कृष्ण का अनुयाई कहने वाले ये तथाकथित कृष्ण भक्त खिसियाकर बगलें झांकने लगते हैं।

वास्तविकता यह है कि रास शब्द रस से ही बना है। जबकि रस शब्द का अर्थ है आनंद। आगे चलकर हम देखते हैं कि संगीत के साथ किये जाने वाले नृत्य को ही काव्य अथवा साहित्य में रास संज्ञा से सूचित किया जाने लगा। पता नहीं रासलीला को लेकर समाज में यह गलत मान्यता कैसे प्रचलित हो गई। संस्कृत कवि जयदेव ने अपने काव्य में कृष्ण को नायक बनाकर कई श्रृंगारिक गीतों की रचना की जो कि पूरी तरह काल्पनिक एवं मनगढ़ंत हैं। जयदेव की परंपरा को ही बाद में विद्यापति....से लेकर सूरदास ने आगे बढ़ाया।

नौ वर्ष के कृष्ण- एक अति महत्वपूर्ण बात और भी है जिससे बहुत कम ही लोग परिचित हैं। वह यह है कि जब कृष्ण ने हमेशा-हमेशा के लिये गोकुल-वृंदावन छोड़ा तब उनकी उम्र मात्र नौ वर्ष की थी। इससे यह तो स्पष्ट ही है कि कृष्ण जब गोप-गोपिकाओं के साथ गौकुल-वृंदावन में थे तब नौ वर्ष से भी छोटे रहे होगें। अति मनोहर रूप, बांसुरी बजाने में अत्यंत निपुण, अवतारी आत्मा होने के कारण जन्मजात प्रतिभाशाली आदि तमाम बातों के कारण वे आसपास के पूरे क्षेत्र में अत्यंत् लोकप्रिय थे। नौ वर्ष के बालक का गोपियों के साथ नृत्य करना एक विशुद्ध प्रेम और आनंद का ही विषय हो सकता है। अत कृष्ण रास को शारीरिक धरातल पर लाकर उसमें मोजमस्ती या भोग विलास जेसा कुछ ढूंढना इंसान की स्यवं की फितरत पर निर्भर करता है। कृष्ण के प्रति कोई राय बनाने से पूर्व इंसान को गीता को समझना होगा क्योंकि उसके बिना कोई कृष्ण को वास्तविक रूप में समझ ही नहीं पाएगा।

माँ गंगा का प्राकट्य

शिव का हिमालय और गंगा से घनिष्ठ संबंध है और गंगा से उनके संबंध की कथा से लोकप्रिय चित्रांकन बड़ा समृद्ध हुआ है। हिंदुओं के लिए समस्त जल, चाहे वह सागर हो या नदी, झील या वर्षाजल, जीवन का प्रतीक है और उसकी प्रकृति दैवी मानी जाती है। इस संदर्भ में प्रमुख हैं तीन पवित्र नदियाँ- गंगा, यमुना और काल्पनिक सरस्वती। इनमें से पहली नदी सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

चूँकि गंगा स्त्रीलिंग हैं, इसलिए उसे लंबे केशों वाली महिला के रूप में अंकित किया जाता है। देवी के रूप में गंगा उन सबके पाप धो देती है जो इतने भाग्यशाली हों कि उनकी भस्म उसके पवित्र जल में प्रवाहित की जाए। ब्रह्मवैवर्त पुराण में गंगा को संबोधित करने वाले एक पद में स्वयं शिव कहते हैं- पृथ्वी पर लाखों जन्म-जन्मान्तर के दौरान एक पापी जो पाप के पहाड़ जुटा लेता है, गंगा के एक पवित्र स्पर्श मात्र से लुप्त हो जाता है। जो भी व्यक्ति इस पवित्र जल से आर्द्र हवा में साँस भी ले लेगा, वह निष्कलंक हो जाएगा। विश्वास किया जाता है कि गंगा के दिव्य शरीर के स्पर्श मात्र से हर व्यक्ति पवित्र हो जाता है। भारतीय देवकथा में सर्वाधिक रंगीन कहानियाँ हैं उन परिस्थितियों के बारे में जिनमें गंगा स्वर्गलोक से उतरकर पृथ्वी पर आई थीं।

एक समय कुछ राक्षस थे जो ब्राह्मण ऋषि-मुनियों को तंग करते थे और उनके भजन-पूजा में बाधा डाला करते थे। जब उनका पीछा किया जाता था तो वे समुद्र में छिप जाते थे, मगर रात में फिर आकर सताया करते थे। एक बार ऋषियों ने ऋषि अगस्त्य से प्रार्थना की कि वे उनको राक्षसी प्रलोभन की यातना से मुक्त करें। उनकी सहायता के उद्देश्य से अगस्त्य ऋषि राक्षसों समेत समुद्र को पी गए। इस प्रकार उन राक्षसों का अंत हो गया किंतु पृथ्वी जल से शून्य हो गई। तब मनुष्यों ने एक और ऋषि भगीरथ से प्रार्थना की कि वे सूखे की विपदा से उन्हें छुटकारा दिलाएँ। इतना बड़ा वरदान पाने के योग्य बनने के लिए भगीरथ ने तपस्या करने में एक हजार वर्ष बिता दिए और फिर ब्रह्मा के पास गए और उनसे प्रार्थना की कि वे स्वर्गलोक की नदी गंगा को- जो आकाश की नक्षत्र धाराओं में से एक थी- पृथ्वी पर उतार दें। भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने यथाशक्ति प्रयत्न करने का वचन दिया और कहा कि वे इस मामले में शिव से सहायता माँगेंगे। उन्होंने समझाया कि अगर स्वर्गलोक की वह महान नदी अपने पूरे वेग और समस्त जल के भार के साथ पृथ्वी पर गिरी तो भूकंप आ जाएँगे और उसके फलस्वरूप बहुत विध्वंस होगा। अतः किसी को उसके गिरने का आघात सहकर उसका धक्का कम करना होगा और यह काम शिव के अतिरिक्त और कोई नहीं कर सकता। भगीरथ उपवास और प्रार्थनाएँ करते रहे। समय आने पर शिव पसीजे। उन्होंने गंगा को अपनी धारा पृथ्वी पर गिराने दी और उसके आघात को कम करने के लिए उन्होंने पृथ्वी और आकाश के बीच अपना सिर रख दिया। स्वर्गलोक का जल तब उनके केशों से होकर हिमालय में बड़े सुचारु रूप से बहने लगा और वहाँ से भारतीय मैदानों में पहुँचा जहाँ वह समृद्धि, स्वर्गलोक के आशीर्वाद और पापों से मुक्ति लेकर आया।

कुछ आसान और अचूक टोटके

समय की कमी और भागदोड़ से भरी जिंदगी ने आज इंसान को हेरान परेशान कर रखा है। यहां हम जिन टोटकों यानि कि युक्तियों को दे रहें हैं वे ऐसी ही अद्भुत और कारगर युक्तियां हैं। ये तुलसी रामायण के प्रामाणिक और शक्ति सम्पन्न अंस हैं। जिनको सूर्योदय से पूर्व पूर्ण शांत एवं पूर्ण एकांत स्थान पर मात्र 15 मिनिट मंत्र की तरह जपने से इच्छित मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।

- धन-समृद्धि की वृद्धि के लिये - जे सकाम नर सुनहिं जे गावहिं, सुख सम्पति नाना विधि पावहिं ।
- मुकद्दमा जीतने के लिये - पवन तनय बल पवन समाना, बुद्धि विवेक विज्ञान निधाना ।
- पुत्र प्राप्ति के लिये - प्रेम मगन कोशल्या निशिदिनि जात न जान, पुत्र सनेह बस माता बालचरित कर गान ।

विराट का विकल्प मिलना आसान नहीं रहेगा : पुजारा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के संन्यास लेने के कारण खाली हुए चौथे नंबर की कमी को भरना आसान नहीं होगा। पुजारा ने कहा कि विराट लंबे समय से नंबर-4 पर बल्लेबाजी करते रहे हैं। साल 2013 में सचिन तेंदुलकर के संन्यास के बाद से 115 टेस्ट मैचों में से कोहली ने 99 मैचों में चौथे स्थान पर बल्लेबाजी की है। इससे समझा जा सकता है कि इस नंबर पर उनकी अहमियत क्या है। ऐसे में विराट के संन्यास के बाद इस जगह के लिए कई नाम उभरे हैं पर इसके बाद भी उनका सही विकल्प मिलना आसान नहीं होगा। पुजारा ने कोहली के विकल्प को लेकर कहा, हमें यह पता लगाने के लिए कुछ सीरीज की जरूरत होगी कि नंबर चार पर बल्लेबाजी के लिए कौन सबसे उपयुक्त है, क्योंकि यह एक अहम स्थान है। आपको नंबर-4 पर बल्लेबाजी के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज की जरूरत होती है। और इस समय मुझे लगता है कि यह एक ऐसा स्थान है जहां टीम प्रबंधन को यह पता लगाना होगा कि नंबर-4 पर सबसे उपयुक्त खिलाड़ी कौन है। उन्होंने कहा, "ऐसे कई खिलाड़ी हैं जो अंतिम ग्यारह में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं पर अभी तक किसी ने भी अपनी जगह पक्की नहीं की है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें कुछ समय लगेगा।"पुजारा ने आगे कहा, अभी कोई भी फैसला नहीं किया जा सकता है पर यह देखना अहम होगा कि इंग्लैंड में कौन अच्छा प्रदर्शन करता है, क्योंकि जो इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन कर सकता है, वह चौथे नंबर पर खेल सकता है। वहीं, पुजारा ने शुभमन गिल के बारे में कहा, वह निश्चित रूप से एक विकल्प हैं पर अभी वह नंबर-3

पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। ऐसे में क्या वह अपना स्थान बदलने तैयार होंगे हमें देखना होगा। दिग्गज बल्लेबाज ने कहा, "शुभमन ऐसे खिलाड़ी है जो नई गेंदों को खेलने में अधिक सक्षम है। नंबर-3 पर बल्लेबाजी शुरू करने से पहले वह ओपनिंग करते थे। वह तब बल्लेबाजी करना पसंद करते है जब गेंद थोड़ी सख्त और नई हो। क्या वह पुरानी गेंद से खेल पाएंगे? इस समय यह एक बड़ा सवाल है।" दिसंबर 2020 में सबसे लंबे फॉर्मेट में डेब्यू करने के बाद से गिल ने अब तक 32 टेस्ट में शीर्ष तीन से बाहर बल्लेबाजी नहीं की है। उन्होंने 2023 में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के चक्र की शुरुआत में नंबर-3 पर खेलने से पहले ज्यादातर पारी की शुरुआत की है। पुजारा का मानना है कि गिल शीर्ष क्रम में बने रहने के लिए सबसे उपयुक्त हैं हालांकि नंबर-4 पर जाने की संभावना को खारिज नहीं किया। पुजारा ने कहा, चूंकि उन्होंने नई गेंद से अच्छी बल्लेबाजी की है, इसलिए मैं अब भी कहूंगा कि उन्हें शीर्ष तीन में बल्लेबाजी करनी चाहिए, जो उनकी आइडियल पोजीशन है। यह उनके लिए उपयुक्त है।

विराट और रोहित 2027 एकदिवसीय विश्वकप शायद ही खेल पायें : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा शायद ही 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेल पायें। विराट और रोहित ने टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया है और अब दोनो ही एकदिवसीय क्रिकेट प्रारुप में ही खेलेंगे। इन दोनो ने पहले ही टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। दोनो ने ही अगले विश्वकप में खेलने की भी इच्छा जताई है। रोहित भी 50 ओवर के विश्वकप को जीतकर भारत को ये आईसीसी खिताब भी जिताना चाहते हैं। वहीं गावस्कर का मानना है कि बढ़ती उम्र के कारण इन दोनो को विश्वकप में जगह मिलने की उम्मीद नहीं है। गावस्कर ने कहा कि 2027 एकदिवसीय विश्व कप में इनका खेलना चयनसमिति के रुख पर निर्भर करेगा। चयनकर्ता देखेंगे कि वे कैसा प्रदर्शन करते हैं। गावस्कर ने कहा, इन दोनो ने ही एकदिवसीय प्रारुप में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है पर चयनकर्ता 2027 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए फैसले लेंगे। इसमें अभी दो साल है। तब तक ये दोनो ह 38 साल के करीब हो जायेंगे। ऐसे में चयनकर्ता अनुमान लगायेंगे कि कया ये दोनो पहले की तरह योगदान दे पाएंगे या नहीं। अगर चयनकर्ताओं को लगता है कि हां, वे कर सकते हैं, तो दोनों वहां होंगे। गावस्कर ने जोर देकर कहा नहीं, मुझे नहीं लगता कि वे खेलेंगे हालांकि अगले एक-दो साल में, अगर वे बहुत अच्छा प्रदर्शन करते हैं, और अगर वे लगातार शतक बनाते हैं, तो उन्हें कोई नहीं निकाल सकता। रोहित भी विराट की तरह ही 50 ओवर के खेल को अहम मानते हैं। गावस्कर को लगता है कि दोनों का 2027 विश्व कप खेलने का सपना शायद ही पूरा हो। गावस्कर के इस बयान से विराट और रोहित के प्रशंसकों का निराश होने स्वाभाविक है पर अभी 2027 विश्व कप में अभी काफी समय है। इस दौरान बहुत कुछ बदल सकता है।

रोहित के टेस्ट से संन्यास के बाद इंग्लैंड दौरे के लिए कप्तानी को लेकर तेज हुई दौड़

नई दिल्ली। टेस्ट क्रिकेट से रोहित शर्मा के पिछले हफ्ते संन्यास लेने के बाद इंग्लैंड में होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज़ के लिए भारतीय टीम के नए कप्तान को लेकर चर्चा तेज़ हो गई है। जहां एक ओर शुभमन गिल का नाम सामने आ रहा है, वहीं पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर आर. अश्विन ने तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह को कप्तानी के लिए मज़बूत दावेदार बताया है।

अश्विन बोले- बुमराह हैं कप्तानी के हकदार- अपने शो 'ऐश की बात' में अश्विन ने कहा,"इंग्लैंड जाने वाली टीम नई और बदली हुई होगी और उस टीम में शायद बुमराह सबसे सीनियर खिलाड़ी होंगे। वो निश्चित रूप से कप्तानी के विकल्पों में शामिल हैं। मैं मानता हूं कि वो इसके हकदार हैं, लेकिन चयनकर्ता उनके शारीरिक भार को देखकर फैसला लेंगे।"

बुमराह को पहले भी मिल चुकी है कप्तानी- गौरतलब है कि जसप्रीत बुमराह ने 2022 में एजबेस्टन में खेले गए पुनर्निर्धारित पांचवें टेस्ट में भारत की कप्तानी की थी, जब रोहित शर्मा कोविड के कारण टीम से बाहर थे। उस मैच में भले ही भारत को हार मिली थी, लेकिन बुमराह की कप्तानी की काफी तारीफ हुई थी। इसके अलावा बुमराह ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट मैच में भारत को 295 रन से ज़बरदस्त जीत दिलाई थी।

फिटनेस होगी सबसे बड़ा सवाल- हालांकि बुमराह की चोटों का इतिहास देखते हुए चयनकर्ता उन्हें फुल-टाइम टेस्ट कप्तान बनाने से पहले उनके वर्कलोड और फिटनेस को लेकर सावधानी बरत सकते हैं।

19 जून से लॉर्ड्स में शुरू होगी सीरीज़- इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ के लिए भारतीय टीम का ऐलान इसी महीने के अंत तक होने की उम्मीद है। पहला टेस्ट मुकाबला 19 जून से ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान में खेला जाएगा।

इंग्लैंड दौरे पर यशस्वी और राहुल कर सकते हैं भारतीय टीम की शुरुआत

नई दिल्ली। भारतीय टीम आईपीएल के बाद इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। इस दौरे में अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली के नहीं होने से भारतीय टीम की बल्लेबाजी में बदलाव नजर आयेगा क्योंकि ये दोनो ही पिछले एक दशक से खेलते रहे हैं। रोहित जहां पारी की शुरुआत करते रहे हैं। वहीं विराट नंबर चार पर खेलते हैं। रोहित की जगह पर अब यशस्वी जायसवाल पारी की शुरुआत करते दिख सकते हैं। उनके जोड़ीदार के तौर पर अनुभवी केएल राहुल उतरेंगे। इन दोनो ने ऑस्ट्रेलिया में अच्छी बल्लेबाजी की थी। इसके अलावा इंग्लैंड में राहुल ने पहले कुछ रन भी बनाए हैं। वहीं नंबर तीन पर शुभमन गिल बल्लेबाज करेंगे। वह पहले भी इसी नंबर पर उतरते रहे हैं। नंबर

चार की जगह विराट कोहली के जाने से खाली हो गई है। इसके लिए साई सुदर्शन, करुण नायर और श्रेयस अय्यर जैसे दावेदार हैं। सुदर्शन ने अभी तक टेस्ट क्रिकेट खेले नहीं खेला है जबकि करुण नायर भी 8 साल से टीम से बाहर हैं। इसके अलावा श्रेयस अय्यर भी करीब डेढ़ साल से टेस्ट क्रिकेट से दूर चल रहे हैं। ऐसे में इनमें से किसे जगह मिलती है ये देखना होगा। वहीं पांचवें नंबर पर ऋषभ पंत, छठे नंबर पर नितीश कुमार रेड्डी, सातवें पर रविंद्र जडेजा और 8वें पर वॉशिंगटन सुंदर या शार्दुल ठाकुर खेल सकते हैं। इस तरह भारत के पास कम से कम 8 नंबर तक अच्छी बैटिंग होगी। हालांकि, अभी टीम का सिलेक्शन नहीं हुआ है।

आईपीएल में अब केवल खेल हों , डांस और डीजे नहीं : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि कहा है कि 17 मई से दोबारा शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र के दौरान डांस और डीजे नहीं होना चाहिये केवल मैच खेले जाने चाहिये। गावस्कर ने कहा है कि हाल में हुए पहलगाम आतंकी हमले में कई परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है जिससे वे शोक में हैं। ऐसी स्थिति में आईपीएल मैच में किसी भी प्रकार से मनोरंजन के इंतजाम नहीं होने चाहिये। गावस्कर ने कहा कि आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष के दौरान भी सीमावर्ती इलाकों में कुछ लोगों की जाने गयीं हैं। ऐसे में उनके प्रति सम्मान जताते हुए हमें आईपीएल को खेल तक ही सीमित रखना चाहिये। उन्होंने कहा " मैच में लोगों को आने दें पर संगीत न

बजाएं, ओवरों के बीच में डीजे न चिल्लाएं, ऐसा कुछ भी न हो। बस खेल हो, कोई डांसर न हो, कुछ भी न हो केवल क्रिकेट हो। यह पीड़ित परिवारों की भावनाओं का सम्मान करने का एक तरीका होगा।" भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल का मौजूदा सत्र 17 मई से छह स्थानों पर फिर से शुरू करने का फैसला किया, जिसमें संशोधित कार्यक्रम के अनुसार फाइनल तीन जून को होगा। इसमें पहला मैच 17 मई को बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच होगा।

कॉरपोरेट वर्ल्ड

तुर्किये और अजरबैजान की यात्राओं के बहिष्कार का आह्वान

▪ कैट महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा-तुर्किये और अजरबैजान के साथ व्यापार भी करेंगे बंद

नई दिल्ली। कारोबारियों के शीर्ष संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) चीन, तुर्की तथा अजरबैजान द्वारा पाकिस्तान का खुला समर्थन करने पर देशभर के व्यापारियों एवं जनता से इन देशों की यात्राओं का पूर्ण बहिष्कार करने का आह्वान किया है। दरअसल, कैट विगत कई वर्षों से चीनी उत्पादों का बहिष्कार करने का अभियान चलाए हुए है, जिसका व्यापक असर पड़ा है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री तथा चांदनी चौक से भाजपा सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने बुधवार को यह आह्वान करते हुए कहा कि यदि भारतीय नागरिक तुर्किये और अजरबैजान की पाकिस्तान के प्रति समर्थन के विरोध में इन देशों की यात्रा का बहिष्कार करते हैं, तो इसका इन देशों की अर्थव्यवस्था, विशेषकर पर्यटन क्षेत्र पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि तुर्किये और अजरबैजान के साथ व्यापार बंद करने के मुद्दे पर अंतिम निर्णय 16 मई को कैट द्वारा नई दिल्ली में आयोजित देश के प्रमुख व्यापारी नेताओं के एक राष्ट्रीय सम्मेलन में लिया जाएगा। खंडेलवाल ने कहा कि देशभर के व्यापारी और जनता तुर्किये और अजरबैजान की यात्राओं का पूर्ण बहिष्कार करें और इन दोनों देशों द्वारा भारत के खिलाफ पाकिस्तान का समर्थन करने पर करारा जवाब दें। तुर्किये और अजरबैजान की यात्राओं के बहिष्कार को लेकर कैट इस संबंध में ट्रैवल एंड टूर ऑपरेटर्स संगठनों सहित विभिन्न अन्य संबंधित वर्गों से संपर्क कर इस अभियान को तेज करेगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार तुर्किये में कुल विदेशी आगमन 62.2 मिलियन पर्यटक का था, जिसमें अकेले भारत से करीब 3 लाख पर्यटक थे। वर्ष 2023 की तुलना में भारतीय पर्यटकों की 20.7 फीसदी की वृद्धि थी। खंडेलवाल ने कहा कि तुर्किये का कुल पर्यटन राजस्व 61.1 अरब डॉलर है। इस तरह एक भारतीय पर्यटक का औसत खर्च 972 डॉलर होता है। इस लिहाज से भारतीय पर्यटकों का कुल अनुमानित खर्च 291.6 मिलियन डॉलर के करीब होता है। खंडेलवाल ने कहा की यदि भारतीय पर्यटक तुर्किये की यात्रा का बहिष्कार करते हैं, तो तुर्किये को लगभग 291.6 मिलियन डॉलर का प्रत्यक्ष नुकसान होगा। इसके अलावा भारतीय पर्यटकों द्वारा आयोजित विवाह, कॉर्पोरेट कार्यक्रम और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों के रद्द होने से अप्रत्यक्ष रूप से और भी आर्थिक नुकसान हो सकता है। अजरबैजान में भारतीय पर्यटकों का जिक्र करते हुए खंडेलवाल ने कहा कि यहां वर्ष 2024 में कुल विदेशी आगमन लगभग 2.6 मिलियन पर्यटक था, जिसमें भारतीय पर्यटकों की संख्या लगभग 2.5 लाख थी और प्रति भारतीय पर्यटक औसत खर्चः 2,170 AZN था जो लगभग 1,276 डॉलर होता है। इस लिहाज से भारतीय पर्यटकों का खर्च 308.6 मिलियन डॉलर के करीब अजरबैजान में होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय पर्यटकों के बहिष्कार से अजरबैजान को लगभग 308.6 मिलियन डॉलर प्रत्यक्ष नुकसान होगा। कैट महामंत्री ने कहा कि चूंकि भारतीय पर्यटक मुख्य रूप से अवकाश, मनोरंजन, विवाह, और साहसिक गतिविधियों के लिए अजरबैजान जाते हैं, ऐसे में इन क्षेत्रों में भी आर्थिक मंदी बड़े पैमाने पर हो सकती है। इस आर्थिक नुकसान से तुर्किये और अजरबैजान पर भारत के प्रति अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करने का दबाव भी बढ़ सकता है। वहीं, पर्यटन से होने वाले सांस्कृतिक आदान-प्रदान में कमी भी होगी तथा दोनों देशों के स्थानीय व्यवसायों पर विपरीत प्रभाव भी पड़ेगा। इसके अलावा इन देशों के होटल, रेस्तरां, टूर ऑपरेटर और अन्य संबंधित व्यवसायों को भी नुकसान होगा।

थोक महंगाई दर अप्रैल में घटकर 13 माह के निचले स्तर 0.85 फीसदी पर आई

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर जनता को राहत देने वाली खबर है। खुदरा के बाद थोक महंगाई दर में गिरावट दर्ज हुई है। अप्रैल में थोक महंगाई दर 2.05 फीसदी से घटकर 0.85 फीसदी पर आ गई है। यह 13 महीनों का निचला स्तर है। इससे पहले मार्च, 2024 में थोक महंगाई दर 0.53 फीसदी के स्तर पर थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी आंकड़ों में बताया कि थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर अप्रैल माह में खाद्य वस्तुओं, विनिर्मित उत्पादों और ईंधन की कीमतों में कमी आने की वजह से घटकर 0.85 फीसदी रह गई। रोजाना की जरूरत के सामानों और खाने-पीने की चीजों की कीमतें घटने की वजह से थोक महंगाई दर घटी है। मार्च में यह 2.05 फीसदी और अप्रैल 2024, में 1.19 फीसदी रही थी। फरवरी, 2025 की थोक महंगाई दर के जारी आंकड़ों को संशोधित किया गया है। सरकार ने इसे 2.38 फीसदी से बढ़ाकर 2.45 फीसदी किया गया है। इसके अलावा डब्ल्यूपीआई पर आधारित मुद्रास्फीति मार्च महीने में 2.05 फीसदी और अप्रैल, 2024 में 1.19 फीसदी रही थी। खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति अप्रैल में 0.86 फीसदी रही जो मार्च में 1.57 फीसदी थी। अप्रैल में सब्जियों की मुद्रास्फीति दर 18.26 फीसदी रही, जबकि मार्च में यह 15.88 फीसदी रही थी। प्याज में मुद्रास्फीति घटकर अप्रैल

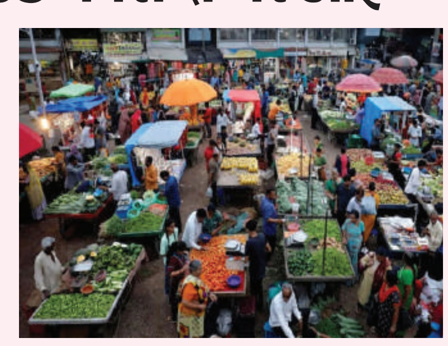

में 0.20 फीसदी रह गई, जबकि मार्च में यह 26.65 फीसदी थी। हालांकि अप्रैल में विनिर्मित उत्पादों में मुद्रास्फीति 2.62 प्रतिशत रही, जबकि मार्च में यह 3.07 फीसदी रही थी। ईंधन एवं बिजली के क्षेत्र में मुद्रास्फीति अप्रैल में 2.18 फीसदी रही, जो मार्च में 0.20 फीसदी थी। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने चालू वित्त वर्ष के लिए खुदरा महंगाई दर को 4 फीसदी के आसपास बनाए रखने का अनुमान जताया है, लेकिन सब्जियों, फलों एवं दालों की कीमतों में नरमी आने से अप्रैल में खुदरा महंगाई दर घटकर करीब छह साल के निचले स्तर 3.16 फीसदी पर आ गई है, जो जुलाई 2019 के बाद का सबसे निचला स्तर है। जुलाई, 2019 में यह 3.15 फीसदी रही थी।

वन प्लस 13टी ने बैटरी टेस्ट में प्रीमियम फोन्स को पछाड़ा

नई दिल्ली। वन प्लस 13टी ने हाल ही में एक बैटरी टेस्ट में प्रीमियम स्मार्टफोन्स को पीछे छोड़ दिया है। यूट्यूबर टेक ड्रॉइडर ने शाओमी 15 प्रो, सैमसंग गैलेक्सी एस25 अल्ट्रा, आईफोन 16 प्रो मैक्स, पिक्सल 9 प्रो एक्सएल के साथ वनप्लस 13टी की बैटरी परफॉर्मेंस का परीक्षण किया। इस टेस्ट में 6260एमएएच की बैटरी वाले वन प्लस 13टी ने अन्य सभी डिवाइसेज को पीछे छोड़ते हुए सबसे बेहतर बैटरी लाइफ दी। टेस्ट में गूगल पिक्सल 9 प्रो एक्सएल सबसे पहले बंद हुआ, क्योंकि इसकी बैटरी बहुत जल्दी खत्म हो गई और यह सबसे अधिक तापमान भी दिखा। इसके बाद सैमसंग गैलेक्सी एस25 अल्ट्रा आया, जो वनप्लस 13T से 14 मिनट पहले बंद हो गया। शाओमी 15 प्रो गैलेक्सी एस25 अल्ट्रा से 19 मिनट ज्यादा चला,

लेकिन आईफोन 16 प्रो मैक्स से 6 मिनट पहले इसकी बैटरी खत्म हो गई। इस टेस्ट में वन प्लस 13टी ने बाकी सभी डिवाइसेज से 32 मिनट ज्यादा चलकर साबित किया कि यह बैटरी के मामले में एक पावरफुल डिवाइस है। इस बैटरी टेस्ट में जिन 6 डिवाइसेज को शामिल किया गया, उनमें चार स्नैपड्रैगन 8 एलीट प्रोसेसर पर काम कर रहे थे, जबकि आईफोन 16 प्रो मैक्स ए18 प्रो और गूगल पिक्सल 9 प्रो एक्सएल टेनसोर जी4 प्रोसेसर से लैस थे। इस टेस्ट से साफ तौर पर यह समझा जा सकता है कि बैटरी लाइफ में हर चिपसेट की पावर इफीशिएंसी और डिस्प्ले साइज का अहम योगदान होता है। वन प्लस 13टी स्मार्टफोन पहले ही चीन में लॉन्च हो चुका है और जल्द ही भारत में वन प्लस 13एस के नाम से लॉन्च होगा। इसमें 6.32 इंच का 1.5केएलटीपीओ एएमओएलईडी डिस्प्ले, 16जीबी तक रैम, और 1टीबी तक स्टोरेज है। फोन की बैटरी 6260एमएएच है, जो 80डब्ल्यू की सुपर सुपरवूक चार्जिंग को सपोर्ट करती है। फोन में 50एमपी का मुख्य कैमरा और 16एमपी का सेल्फी कैमरा दिया गया है। यह डिवाइस एंड्रायड 15 आधारित कलर ओएस 15 पर काम करता है।

टोयोटा के चेयरमैन का दावा, इलेक्ट्रिक से ज्यादा बेहतर हैं हाइब्रिड वाहन

मुंबई। इलेक्ट्रिक वाहनों को हमेशा पर्यावरण के अनुकूल समाधान के रूप में देखा जाता है, लेकिन ऑटोमोबाइल कंपनी टोयोटा के चेयरमैन अकीओ टोयोडा का मानना है कि हकीकत इससे कहीं अधिक जटिल है। उन्होंने इलेक्ट्रिक गाड़ियों की क्लीन छवि पर सवाल खड़े किए हैं। टोयोडा के अनुसार, सिर्फ टेलपाइप से उत्सर्जन न होना इन्हें पूरी तरह पर्यावरण के अनुकूल नहीं बनाता, क्योंकि इन वाहनों के निर्माण और संचालन से जुड़ी छिपी हुई प्रदूषण लागत को अक्सर नजरअंदाज कर देते है। टोयोडा का मनाना हैं कि ईवी की बैटरियों में इस्तेमाल होने वाली धातुओं जैसे लिथियम, कोबाल्ट और निकल के खनन और परिवहन से भारी मात्रा में कार्बन उत्सर्जन होता है। इसके अलावा, अगर इन वाहनों को चार्ज

करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली बिजली थर्मल स्रोतों से आती है, तब कुल मिलाकर इनका कार्बन फुटप्रिंट उतना कम नहीं होता जितना प्रचारित किया जाता है। जापान का उदाहरण देकर टोयोडा ने बताया कि वहां ईवी कारों बढ़ने से कुल उत्सर्जन बढ़ सकता है, क्योंकि बिजली अब भी थर्मल पावर से आती है। इस संदर्भ में टोयोटा के हाइब्रिड वाहनों को एक व्यावहारिक समाधान के रूप में पेश किया गया है। हाइब्रिड गाड़ियां पेट्रोल और इलेक्ट्रिक मोटर के संयोजन से चलती हैं और यह खुद-ब-खुद चार्ज होती हैं, जिससे 40 प्रतिशत तक ईंधन की बचत होती है। अब तक दुनिया भर में कंपनी ने 2.7 करोड़ हाइब्रिड गाड़ियां बेची हैं और उनका दावा है कि इससे 90 लाख इलेक्ट्रिक कारों के बराबर कार्बन उत्सर्जन में कमी आई है वहां भी बिना बड़े पैमाने पर चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर या बैटरी निर्माण के। टोयोडा का दृष्टिकोण है कि कार्बन न्यूट्रैलिटी की दिशा में एक से अधिक तकनीकों की जरूरत है। हाइब्रिड, प्लग-इन हाइब्रिड, हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहन सभी मिलकर ही इस लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। भारत जैसे देशों के लिए टोयोटा की सोच विशेष रूप से प्रासंगिक है, जहां चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर सीमित है और बिजली उत्पादन अब भी कोयले पर निर्भर है।

मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 182 अंक उछला

नई दिल्ली। खुदरा और थोक महंगाई में नरमी से हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बावजूद शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 182.34 अंक यानी 0.22 फीसदी उछल कर 81,330.56 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 88.55 अंक यानी 0.36 फीसदी बढ़कर 24,666.90 के स्तर पर बंद हुआ। 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा मोटर्स, इटर्नल, टेक महिंद्रा, मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, इंडसइंड बैंक, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और भारती एयरटेल लाभ में रहीं। कारोबार के दौरान दूरसंचार कंपनी एयरटेल का शेयर एक फीसदी चढ़ा। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी और पावरग्रिड शामिल हैं। एशिया के अन्य

प्रमुख शेयर बाजारों में शामिल दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे, जबकि जापान के निक्की में नुकसान रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में ज्यादातर में दोपहर कारोबार में गिरावट का रुख रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.13 फीसदी की गिरावट के साथ 65.88 डॉलर प्रति बैरल रहा। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले मंगलवार को सेंसेक्स 1,281.68 अंक यानी 1.55 फीसदी टूटकर 81,148.22 पर बंद हुआ था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 346.35 अंक यानी 1.39 फीसदी फिसलकर 24,578.35 के स्तर पर बंद हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

हथियार के साथ धराया नाबालिग, कुख्यात फरार बाइक पर सवार होकर हथियार लहरा रहे थे दोनों

पटना। पटना के बाढ़ अनुमंडल के मरांची थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक नाबालिग को हथियार के साथ पकड़ा है। कसहा दियारा के रहने वाले 16 वर्षीय नाबालिग के पास से एक देसी कट्टा और एक मिसफायर गोली मिली है। पुलिस ने एक यामहा M15 मोटरसाइकिल भी जब्त किया है। मरांची थाना अध्यक्ष अवधेश कुमार के अनुसार, स्थानीय लोगों ने सूचना दी थी कि दो मोटरसाइकिल सवार हथियार लहरा रहे हैं। पुलिस के पहुंचने पर दोनों युवक सिमरिया शमशान घाट की तरफ भागने लगे। भागते समय उनकी बाइक बिजली के खंभे से टकरा गई। एक युवक बाइक के नीचे फंस गया, जबकि दूसरा भागने में सफल रहा। फरार हुए आरोपी की पहचान गणेश निषाद उर्फ गनिया के रूप में हुई है। वह चकिया और मरांची थाने में दर्ज कई मामलों में वांछित है। पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

किराएदार की 5 साल की बेटी से रेप अश्लील वीडियो दिखाता था मकान मालिक

पटना। पटना में मकान मालिक ने किराएदार की 5 साल की बेटी के साथ रेप किया है। घटना शास्त्री नगर थाना क्षेत्र की है। पीड़ित बच्ची ने अपने माता-पिता को बताया कि मकान मालिक उसे मोबाइल में गंदे वीडियो दिखाता था। उसके साथ कई दिनों से रेप कर रहा था। घटना रविवार की है। पुलिस ने बुधवार को आरोपी मकान मालिक को गिरफ्तार कर लिया है। बच्ची के पिता ने बताया- 'बेटी के साथ एक बार नहीं कई बार मकान मालिक ने मोबाइल में अश्लील वीडियो दिखाकर गंदा काम किया है। बच्ची डर के मारे ये सब बातें नहीं बता रही थी, लेकिन उसके प्राइवेट पार्ट में दर्द हुआ तो उसकी मां ने पूछा तो वो पूरी बात बताई।' पिता के मुताबिक, बच्ची ने बताया कि जब भी वो खेलने छत पर जाती थी, तो उसके साथ मकान मालिक गंदी हरकत करता था। लड़की के पिता ने बताया- 'हम पिछले 2 साल से इस घर में किरायेदार हैं। कभी किसी बात को लेकर विवाद नहीं हुआ है। जब मेरी पत्नी ने मकान मालिक की पत्नी को घटना की जानकारी दी तो वो उल्टा उसे ही धमकाने लगी। मारपीट पर उतारू हो गई।' आरोपी मकान मालिक की पत्नी ने बताया- 'कुछ दिन पहले हमने रूम खाली करने के लिए कहा था। अचानक रविवार को बच्ची पानी लेने ऊपर आई। पानी देकर मेरे पति नीचे चले गए। जो आरोप लगा रही है, वो गलत है। जिस दिन की घटना बता रही है, उस दिन मेरे बच्चे भी घर पर थे। ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है।' DSP साकेत कुमार ने बताया- 'रेप और पॉक्सो के मामले में केस दर्ज हुआ है। आरोपी को पकड़ लिया गया है। पीड़ित बच्ची से भी फर्द बयान लिया गया है, जिसमें उसने पूरी घटना के बारे में जानकारी दी है।

चोरी के आरोप में युवक की पीटकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार, भाई ने कहा- वह चोरी नहीं कर सकता

पटना। पटना के पालीगंज के हादीनगर गांव में सोमवार रात ग्रामीणों ने चोरी के आरोप में राकेश कुमार (26) की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। राकेश, जहानाबाद जिले के सिकरिया गांव का निवासी था। वहीं अब इस मामले में मृतक के बड़े भाई रवि रंजन ने सीगोड़ी थाने में हत्या का मामला दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि राकेश पिछले तीन दिनों से पालीगंज के जरखा गांव में नानी के घर आया हुआ था। घटना वाले दिन वह नानी के घर से अपने गांव जाने की बात कहकर निकला था। मृतक के भाई का कहना है कि उनका भाई चोरी नहीं कर सकता था। घायल अवस्था में युवक को पालीगंज लाया गया था, जहां उसकी मौत हो गई। सीगोड़ी थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार साह के अनुसार, घटना उस समय हुई जब गांव में पुरुषोत्तम कुमार के घर शादी का कार्यक्रम था। बारात के जाने के बाद घर में केवल महिलाएं थीं। इसी दौरान युवक को घर में घुसने की कोशिश करते देखा गया। पुलिस ने मामले में एक आरोपी देवधारी यादव को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उसने घटना की पुष्टि की है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है और गांव के लोगों से पूछताछ जारी है।

ट्रक ने पैदल चल रहे शख्स को रौंदा, मौत पटना में पुलिस ने पहुंचाया अस्पताल

पटना। पटना के GPO गोलंबर फ्लाइओवर पर एक राहगीर श्रवण कुमार (30), ट्रक की चपेट में आ गया। श्रवण, पैदल ही फ्लाइओवर से गुजर रहा था। ट्रक ने श्रवण के दौनों पैर को कुचल दिया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना, मंगलवार रात लगभग 10 बजे की है। घटना के बाद वहां से गुजर रहे दूसरे राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। ट्रैफिक पुलिस के जवान भी वहां मौजूद थे, लेकिन काफी देर तक सौरभ वहां एंबुलेंस और पुलिस के इंतजार में बीच सड़क पर पड़ा रहा। दूसरे राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी, पुलिस आई तो उसे अस्पताल लेकर गई। श्रवण कुमार मीठापुर में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। खगड़िया जिला के अगुआनी का रहने वाला है। फिलहाल पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। घटना के बाद आरोपी ट्रक ड्राइवर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। काफी देर तक उसी तरह से श्रवण पहिए के बीचों-बीच फंसा था। गांधी मैदान के थानेदार ब्रजेश चौहान ने बताया कि गाड़ी जब्त कर ली गई है। मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बक्सर-भोजपुर समेत 6 जिलों में हीट वेव का अलर्ट, बिहार के 32 जिलों में हल्की बारिश की संभावना

पटना। मौसम विभाग के अनुसार 14 मई सुबह 8:30 बजे से 15 मई सुबह 8:30 बजे तक बिहार के 32 जिलों में मौसम बदल सकता है। विभाग ने यलो अलर्ट (वॉच) जारी किया है। संभावना है कि इन जगहों पर हल्की बारिश हो सकती है। साथ ही 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का पूर्वानुमान है। पटना, गया, औरंगाबाद, कैमूर, भोजपुर, अरवल, जहानाबाद, बक्सर, रोहतास, नालंदा, छपरा, सीवान, जहानाबाद जैसे जिलों में गर्मी की स्थिति बनी रहेगी। इन क्षेत्रों में तापमान काफी बढ़ सकता है और उमस के साथ लू जैसे हालात बन सकते हैं। बक्सर, भोजपुर, कैमूर, रोहतास, अरवल, औरंगाबाद में बारिश का कोई अलर्ट नहीं है। ये जिले गर्म रहेंगे। बदलते मौसम को देखते हुए विभाग ने सलाह दी है कि बिजली गिरने की संभावना वाले समय में खुले स्थानों पर जाने से बचें। तेज हवाओं के दौरान कच्चे मकानों, पेड़ों या बिजली के खंभों के पास खड़ा न हो। हीटवेव से बचाव के लिए दिन में बाहर निकलने से परहेज करें, पर्याप्त पानी पिएं और शरीर को ढक कर रखें। इस मौसम बदलाव का असर खेती-किसानी और यात्रा योजनाओं पर पड़ सकता है। किसानों और यात्रियों को मौसम की अद्यतन जानकारी पर नजर बनाए रखने और आवश्यक एहतियात बरतने की सलाह दी गई है।

सिगरेट का पैसा मांगा तो दुकानदार को मारी गोली

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ अनुमंडल के सकसोहरा थाना क्षेत्र में सिगरेट का पैसा मांगने पर बदमाशों ने एक अंडा दुकानदार सोहन राउत को गोली मार दिया। घटना सकसोहरा के लच्छूचक इलाके की है। बदमाश 4 की संख्या में थे। वहीं घटना के बाद स्थानीय लोगों ने एक बदमाश की जमकर पिटाई कर दी। बाद में उसे पुलिस को सौंप दिया गया। घटना की जानकारी देते हुए दुकानदार के भाई मोहन राउत ने बताया कि आज सुबह दुकान खुलते ही 4 बदमाश आए। उन्होंने सिगरेट मांगी और लेकर जाने लगे। जब सोहन ने पैसा मांगे तो बदमाश गालियां देने लगे। विरोध करने पर दुकान में तोड़फोड़ शुरू कर दी। सोहन ने मदद के लिए अपने भाई को आवाज दी। बदमाशों ने मोहन के साथ भी मारपीट की। पहले ईंट से हमला किया। इसके बाद बदमाशों ने सोहन के पैर में गोली मार दी।

बदमाश के पास से कट्टा बरामद: वहीं घटना के बाद स्थानीय लोगों ने एक बदमाश को पकड़ लिया और उसे पीट-पीटकर घायल कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल दुकानदार और बदमाश को पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सकसोहरा और फिर बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया। पकड़े गए बदमाश के पास से एक देसी कट्टा बरामद हुआ है। घटनास्थल से एक खोखा भी मिला है। पुलिस अन्य बदमाशों की तलाश कर रही है।

◆ बदमाशों ने दुकान में तोड़फोड़ भी किया, स्थानीय लोगों ने एक आरोपी को पकड़ा

SDPO बोले- आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है: SDPO अभिषेक सिंह ने बताया कि दुकानदार से पैसे को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद बदमाश पप्पू कुमार (25) के द्वारा दुकानदार के पैर में गोली मार दी गई। सकसोहरा थाने की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बदमाश पप्पू कुमार को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक देसी कट्टा बरामद हुआ है, वहीं घटनास्थल से एक खोखा भी मिला है।

घायल दुकानदार को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बाढ़ भेजा गया है और उसके बयान के आधार पर FIR दर्ज कर बदमाश पप्पू कुमार को जेल भेजा जाएगा। वहीं उसके साथ शामिल अन्य बदमाश की पहचान कर उसके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। दुकान में आए सभी बदमाश के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। बदमाश पप्पू बेलछी का रहने वाला है।

पटना को राघोपुर से जोड़ने वाला पीपा पुल जर्जर

एजेंसी, पटना

पटना जिले के कच्ची दरगाह को वैशाली जिले के राघोपुर से जोड़ने वाला पीपा पुल जर्जर हालात में है। पुल पर लोहे की सीटें कई जगहों पर क्रैक हो गई है। कुछ जगहों पर यह मुड़कर नुकीली हो गई हैं। कई जगहों पर सीटें अपनी जगह से खिसक गई है। लगभग 2 किलोमीटर लंबा यह पुल राघोपुर प्रखंड और दियारा क्षेत्र के कई गांवों के लिए एकमात्र रास्ता है। करीब बीस पंचायत के लिए यही सहारा है। यह पुल राघोपुर प्रखंड के फतेहपुर, राघोपुर, जुड़ावनपुर, चकसिंगार, मल्लिकपुर, सैदाबाद, पहाड़पुर, रामपुर और बिदुपुर के गोकुलपुर, विसनपुर सहित दर्जनों गांवों को पटना से जोड़ता है। बरसात के मौसम को छोड़कर प्रतिदिन इस पुल से करीब 50 हजार लोग और हजारों गाड़ियां गुजरती हैं। दियारा क्षेत्र के सैकड़ों गांवों के लिए यह पुल महत्वपूर्ण रास्ता है।

पुल में कई जगह गड्ढे, कोई और रास्ता नहीं: ऑटो चालक सोनू कुमार का कहना है कि पुल में कई जगह गड्ढे हैं। पुल टूटा हुआ है। कोई और रास्ता न होने के कारण, उन्हें इसी रास्ते से गुजरना पड़ता है।

◆ कई जगह क्रैक, सीटें खिसकी, करीब 20 पंचायत के लिए एकमात्र रास्ता, लोग बोले- कभी भी हादसा हो सकता है

किसी भी समय हो सकता है हादसा: कच्ची दरगाह निवासी जयराम कुमार ने बताया कि पुल की वर्तमान स्थिति जर्जर है। संबंधित अधिकारी तत्काल इस पर ध्यान दें और मरम्मत कार्य शुरू करवाएं। लापरवाही की स्थिति में किसी भी समय एक बड़ा हादसा हो सकता है, जिससे जान-माल का भारी नुकसान हो सकता है। वही जब इस मामले को लेकर पीपा पुल प्राधिकरण से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन तो उनसे संपर्क स्थापित नहीं हो सका।

लालू कईलन चारा, तेजस्वी कईलन जमीन घोटाला

एजेंसी, पटना

भारतीय जनता पार्टी (BJP) बिहार इकाई ने X पर लालू परिवार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए एक गाना पोस्ट किया है। इसका टाइटल "गैंग्स ऑफ घोटालेबाज" रखा गया है, जिसमें लालू परिवार पर चारा घोटाला और जमीन घोटाले जैसे मामलों को लेकर निशाना साधा गया है।

जंगल राज' की स्थिति को भी याद दिलाया: वीडियो में न केवल चारा और जमीन घोटालों की बात की गई है, बल्कि बिहार में पूर्व के 'जंगल राज' की स्थिति को भी याद दिलाया गया है। भाजपा का आरोप है कि लालू-तेजस्वी की जोड़ी ने बिहार को भ्रष्टाचार और कुशासन की ओर धकेला, जहां जनता का दिवाला निकल गया और कुछ खास परिवारों की संपत्ति में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई। इस प्रचार सामग्री के माध्यम से भाजपा ने एक बार फिर राजद (RJD) और उनके नेताओं पर करारा हमला बोला है, जो आने वाले चुनावों के मद्देनज़र एक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

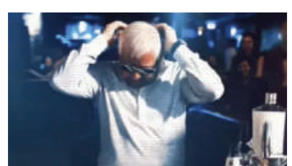

◆ BJP बिहार ने शेयर किया "गैंग्स ऑफ घोटालेबाज" गाना, 'जंगल राज' की स्थिति को भी याद दिलाया

बीएन कॉलेज में बमबाजी से घायल छात्र की हालत नाजुक, कर्ज लेकर इलाज करवा रहे हैं परिजन

एजेंसी, पटना

मंगलवार की दोपहर पटना के BN कॉलेज के कैंपस में बमबाजी में घायल छात्र सुजीत कुमार पांडेय की हालत गंभीर बनी हुई है। सुजीत मेदांता अस्पताल के ICU में एडमिट है। सुजीत के परिवार की आर्थिक स्थिति ज्यादा मजबूत नहीं है। पिता धर्मेंद्र कुमार खेतीबाड़ी करते हैं। रिश्तेदारों से कर्ज लेकर पिता इलाज करवा रहे हैं। कॉलेज की ओर से कल प्रिंसिपल 50 हजार रुपए लेकर PMCH पहुंचें थे, लेकिन परिजनों ने व्यस्था पर नाराजगी जाहिर करते हुए पैसे नहीं लिए थे। परिजन संजीत पांडेय ने बताया कि सुजीत घर का इकलौता बेटा है। एक भाई की मौत पहले ही हो चुकी है। पटना के दरियापुर में चचेरे भाई के साथ रहकर सुजीत पढ़ाई कर रहा था।

देर तक बरामदे में पड़ा रहा शव: घटना के बाद सुजीत काफी देर तक सेकेंड फ्लोर के बरामदे में पड़ा रहा। उसके दोस्त उसे हाथ से उठाकर गेट तक ले गए। गेट पर भी एंबुलेंस का इंतजार करना पड़ा, जिससे काफी खून बह गया। निकल गया। बाद में उसे PMCH ले जाया गया, जहां से परिजन उसे बेहतर इलाज के लिए मेदांता अस्पताल ले गए। बताया जा रहा है कि परीक्षा के बाद सुजीत अपने दोस्त के साथ फिल्म देखने जाने वाला था। वो परीक्षा देकर हॉल से निकलकर बरामदे में दोस्त का इंतजार कर रहा है। इसी बीच घटना हो गई।

छात्रों के दो गुट में मारपीट के दौरान हुई थी बमबाजी: दरअसल, मंगलवार को BN कॉलेज में छात्रों के दो गुट आपस में भिड़ गए थे। इस दौरान जमकर मारपीट हुई। कॉलेज में झड़प के दौरान बमबाजी हुई। दो बम फोड़े गए हैं। इस दौरान एक सुजीत कुमार घायल हो गया। वहीं बमबाजी से पहले पुलिस दो छात्रों रौशन और हर्ष को मारपीट के आरोप में उठाकर थाने ले गई है। बताया जा रहा है कि जिस वक्त बमबाजी हुई उस वक्त हॉल में स्टूडेंट्स परीक्षा दे रहे थे। वहीं घटना आक्रोशित छात्र सड़क पर उतर गए और जमकर नारेबाजी की। FSL की टीम जांच के लिए पहुंची और ब्लड सैंपल कलेक्ट किया।

◆ मेदांता के ICU में एडमिट है सुजीत

छात्र के सिर पर गिरा बम: मंगलवार को CIA का एग्जाम दे रहे छात्र कुशल राज ने बताया कि हमलोग एग्जाम दे रहे थे। कॉरिडोर में पहले बम ब्लास्ट हुआ। इसके बाद एग्जाम रोका गया और हमलोग निकलने लगे। इसके तुरंत बाद ही एक छात्र के सिर पर बम गिरा। वह घायल हो गया।

खुसरूपुर में घर से रायफल और 40 खोखा जब्त, महिलाएं बोली- लाइसेंसी है हथियार

एजेंसी, पटना

पटना जिले के खुसरूपुर थाना पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर प्रखंड के हैबतपुर पंचायत में कार्रवाई करते हुए एक घर से अवैध हथियार बरामद किए हैं। पुलिस ने संजीत कुमार के घर पर छापा मारकर एक रायफल और 40 खोखा जब्त किया है। पुलिस के अनुसार, छापेमारी के दौरान घर की महिलाओं ने दावा किया था कि बरामद हथियार लाइसेंसी हैं। हालांकि, पुलिस ने जब दस्तावेजों का सत्यापन किया तो पाया कि रायफल और कारतूस जिनके नाम पर पंजीकृत थे, उनकी वर्षों पहले मौत हो चुकी है। इससे महिलाओं का लाइसेंसी हथियार होने का दावा झूठा साबित हुआ।

जांच में मृत शख्स के नाम पर मिला रजिस्टर्ड, केस दर्ज

महिलाओं ने दी झूठी जानकारी: खुसरूपुर थाना अध्यक्ष मंजीत कुमार ठाकुर ने इस कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह छापेमारी की गई थी। उन्होंने कहा कि सत्यापन के दौरान यह स्पष्ट हो गया कि बरामद हथियार अवैध हैं, जिसके बाद उन्हें जब्त कर लिया गया। इस संबंध में खुसरूपुर थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। थाना अध्यक्ष ने यह भी बताया कि घर की महिलाओं द्वारा हथियार के संबंध में झूठी जानकारी दी गई थी, जिसकी भी जांच की जा रही है। पुलिस इस बात का पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह हथियार घर में कैसे आया और इसका क्या इस्तेमाल किया जाना था।

अवैध हथियारों के खिलाफ जारी रहेगा अभियान: इस कार्रवाई में थाना अध्यक्ष मंजीत कुमार ठाकुर के साथ अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल थे। पुलिस का कहना है कि इलाके में अवैध हथियारों के खिलाफ उनका अभियान जारी रहेगा और इस तरह की गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि इससे पहले भी खुसरूपुर के हैबतपुर गांव में 10 मई की रात को पूर्व वार्ड सदस्य बुल्लू यादव के घर से एक दोनाली राइफल और 22 कारतूस भी बरामद हुआ था। आरोपी अब तक पुलिस के गिरफ्त से फरार चल रहा है पुलिस कार्रवाई में जुटी है।

बिहटा में महिला की सोन नदी में डूबने से मौत

एजेंसी, पटना

पटना के बिहटा थानाक्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई है। बिंदौल गांव की 22 वर्षीय विधवा गुड़िया कुमारी की सोन नदी में डूबने से मौत हो गई। गुड़िया शौच के लिए नदी किनारे गई थी। जब वह लंबे समय तक घर नहीं लौटी, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। ग्रामीणों ने बताया कि गुड़िया को नदी किनारे जाते देखा था। नदी किनारे उसकी चप्पल मिलने के बाद डूबने की आशंका जताई गई। स्थानीय गोताखोरों की मदद से काफी खोजबीन के बाद उनका शव बरामद किया गया।

4 साल पहले शादी, 3 साल पहले पति की मौत: गुड़िया की शादी करीब 4 साल पहले उत्तर प्रदेश में हुई थी। तीन साल पहले एक सड़क हादसे में उनके पति मुनटुन मिस्त्री की मृत्यु हो गई थी। तब से वह अपने मायके में रह रही थी। दानापुर डीएसपी संजय कुमार ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए दानापुर अस्पताल भेज दिया है। मृतका के परिजनों की तरफ से थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

गोताखोरों ने शव को बाहर निकाला, 3 साल पहले पति की भी गई थी जान

कैंसर रिसर्च के लिए दो संस्थानों में समझौता

महावीर कैंसर संस्थान और भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी के बीच 5 साल का करार, छात्रों को मिलेगा फायदा

एजेंसी, पटना

पटना के महावीर कैंसर संस्थान और मुजफ्फरपुर के बाबा साहब भीमराव अंबेडकर बिहार यूनिवर्सिटी ने 5 साल का करार किया है। इस करार के तहत यूनिवर्सिटी के छात्र कैंसर संबंधी शोध के लिए महावीर कैंसर संस्थान जा सकेंगे। महावीर कैंसर संस्थान के शोध विभाग प्रभारी प्रोफेसर अशोक कुमार घोष ने बताया कि यूनिवर्सिटी के दो छात्र संस्थान में शोध करेंगे। पुष्कर कुमार पेट के कैंसर पर और रमन गौरव स्तन कैंसर पर रिसर्च करेंगे।

टीम मुजफ्फरपुर पहुंची थी: करार पर महावीर कैंसर संस्थान के निदेशक डॉ विश्वजीत सान्याल और यूनिवर्सिटी के कुलपति दिनेश चंद्र राय ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर संस्थान से तीन सदस्यीय टीम मुजफ्फरपुर पहुंची, जिसमें प्रोफेसर अशोक घोष और डॉक्टर अरुण कुमार शामिल थे। डॉक्टर अरुण कुमार ने बताया कि इस समझौते से महावीर कैंसर संस्थान के छात्रों को भी लाभ होगा। वे संस्थान की लैब में शोध करने के बाद बाबा साहब भीमराव अंबेडकर बिहार यूनिवर्सिटी से आसानी से डिग्री प्राप्त कर सकेंगे।

पीएमसीएच में फैला कचरे का अंबार, मरीज-परिजन परेशान

पटना। PMCH में OPD के पास गंदगी फैला हुआ है। पोस्टमार्टम हाउस वाले रास्ते में भी पिछले कई दिनों से कचरे का अंबार लगा हुआ है। पीने के पानी वाले नल के पास भी स्थिति बदतर है। इसके अलावा पुराने और खराब एंबुलेंस भी लंबे समय कैंपस में ही लगी हुई है। इसके कारण मरीज और उनके परिजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं मरीजों और उनके परिजनों के लिए सबसे बड़ी परेशानी यह है कि OPD की रसीद इमरजेंसी की ओर से ही मिलती है। इसके कारण OPD तक पहुंचने में काफी परेशानी होती है। अलग-अलग डिपार्टमेंट की ओर जाने के लिए साइन बोर्ड भी नहीं लगाया गया है।

पटना की टूटी सड़कों की मरम्मत करने का निर्देश

मंत्री नितिन नवीन बोले- 30 मई तक पूरा करें काम खुदाई के बाद गड्ढा छोड़ना बर्दाश्त नहीं होगा

एजेंसी, पटना

पटना शहर की टूटी हुई सड़कों को ठीक करने के लिए पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने सभी संबंधित विभागों को 30 मई तक मरम्मत का काम पूरा करने का सख्त निर्देश दिया है। इसको लेकर पथ निर्माण विभाग, नगर विकास विभाग और बुडको के अधिकारियों के साथ एक बैठक की गई। मंत्री ने कहा कि अलग-अलग योजनाओं के काम के कारण कई सड़कों की खुदाई हुई है, जिससे सड़कों को नुकसान हुआ है। अब इन सड़कों को जल्द से जल्द ठीक किया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि खुदाई के बाद सड़क को ऐसे ही छोड़ देना अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मेनहोल ढकने और गड्ढों को भरने का निर्देश: उन्होंने सभी एजेंसियों को कहा कि जहां-जहां मेनहोल खुले हैं, उन्हें ढकें और गड्ढों को तुरंत भरें ताकि लोगों को कोई परेशानी न हो। मंत्री ने यह भी कहा कि 25 मई तक नगर विकास विभाग की एजेंसियां मरम्मत के लायक सड़कों को पथ निर्माण विभाग को सौंप दें, ताकि 5 जून तक काम पूरा किया जा सके। बैठक में बताया गया कि अब तक नई राजधानी पथ प्रमंडल क्षेत्र में 12.787 किलोमीटर और पटना पश्चिम क्षेत्र में 1.755 किलोमीटर सड़क की मरम्मत हो चुकी है। पटना सिटी क्षेत्र में भी जल्द काम शुरू होगा। साथ ही बुडको को कहा गया है कि मरम्मत के लिए जरूरी पैसे तुरंत पथ निर्माण विभाग को दिए जाएं। मंत्री ने सभी विभागों से कहा कि वे मिलकर काम करें और आपस में लगातार संपर्क बनाए रखें ताकि काम में कोई रुकावट न आए। उन्होंने यह भी कहा कि 30 मई के बाद ऐसा कोई भी नया काम शुरू न किया जाए, जिसमें सड़क की खुदाई या नुकसान शामिल हो। बैठक में नगर विकास विभाग, पथ निर्माण विभाग और बुडको के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

चीन करेगा सारे प्रोजेक्ट कैंसिल? शहबाज का सिर चकराया, मोदी-ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ क्या खेल कर दिया

बीजिंग, एजेंसी। जो लोग पाकिस्तान की मदद करते आ रहे थे वे अब उसे धमका रहे हैं। इससे शहबाज शरीफ से लेकर असिम मुनीर तक की हालत टाइट हो गई है। एक तरफ पाकिस्तान से तरह तरह की खबरे सामने आ रह है। रेडिएशन की वजह से मौतों की अपुष्ट रिपोर्ट आ रही है।

बिना मारे पाकिस्तान अब बुरी मौत मर रहा है। जो उसके दोस्त चीन और अमेरिका थे। उन्होंने भी पाकिस्तान के साथ चाल खेलनी शुरू कर दी है। दरअसल, अभी सीजफायर का उल्लंघन पाकिस्तान की तरफ से लगातार किया जा रहा था। भारतीय सीमा में ड्रोन दागे जा रहे थे। वही भारत की तरफ से पाकिस्तान को मुंह तोड़ ही नहीं ताबड़तोड़ तरीके से जवाब भी दिया जा रहा था। इसी बीच में डोनाल्ड की एंट्री हुई। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने दोनों देशों को व्यापार रोकने की धमकी दी। जिसके बाद पाकिस्तान ने तुरंत ही सीजफायर लागू कर दिया। हालांकि भारत ने ट्रंप के व्यापार रोकने वाली धमकी के दावे को सिरे से खारिज कर दिया। वहीं शहबाज शरीफ ने एक ट्वीट करते हुए बस ट्रंप को शुक्रिया कहा।

चीन भयंकर गुस्से में नजर आ रहा है। शी जिनपिंग ने फोन करके शहबाज शरीफ की खाट खड़ी कर दी है। बताया जा रहा है कि चीन की तरफ से जितने भी कर्ज पाकिस्तान को लेकर धमकी दी है। इसके साथ ही सारे प्रोजेक्ट खत्म करने तक की बात कह दी है। दरअसल, चीन का कहना ये है कि पाकिस्तान को हम फुल सपोर्ट कर रहे हैं। पाकिस्तान में हथियार पहुंचा रहे हैं। लेकिन पाकिस्तान ट्रंप को शुक्रिया कह रहा है। वो युद्ध विराम के लिए ट्रंप को आगे ला रहा है। चीन के लिए कोई चर्चा नहीं हो रहा है। सूत्र बताते हैं कि इससे बौखलाए शी जिनपिंग ने इस्लामाबाद में फोन करके शहबाज शरीफ को जमकर लताड़ लगाई है। इससे पाकिस्तान घुटनों पर आता हुआ नजर आ रहा है।

जो लोग पाकिस्तान की मदद करते आ रहे थे वे अब उसे धमका रहे हैं। इससे शहबाज शरीफ से लेकर असिम मुनीर तक की हालत टाइट हो गई है। एक तरफ पाकिस्तान से तरह तरह की खबरे सामने आ रह है। रेडिएशन की वजह से मौतों की अपुष्ट रिपोर्ट आ रही है। सोशल मीडिया पर तमाम तरह के ट्वीट्स में दावे किए जा रहे हैं। एक तरफ हाहाकार मचा हुआ है। न्यूक्लियर बम को लेकर तरह तरह की खबर सामने आ रही है। दूसरी तरफ बीएलए ने भी पाकिस्तान को परेशान कर रखा है। बलूच लिबरेशन आर्मी लगातार पाकिस्तान पर हमले कर आगे बढ़ रही है।

बलूचिस्तान की आजादी को लेकर बीएलए संघर्ष कर रही है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तानी सेना और पुलिस के 39 ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया है। बीएलए ने अपने हमलों में स्थानीय पुलिस स्टेशनों, पुलिस काफिलों और अन्य राज्य मार्गों के साथ साथ बुनियादी ढांचों को नुकसान पहुंचाने का दावा किया है। बीएलए ने पंजगूर और होसाब में पुलिस स्टेशनों सहित सरकारी इमारतों पर कब्जा कर लिया है और पुलिस के हथियार जब्त कर लेने का दावा किया है।

पाकिस्तान के बाद अब आका चीन के प्रोपेगैंडा पर भारत का प्रहार, ग्लोबल टाइम्स का एक्स अकाउंट ब्लॉक

पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी शिविरों पर भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर आतंकी ठिकानों को जमींदोज किया था। भारत ने एक चीनी मीडिया आउटलेट की कड़ी आलोचना की थी और उसे गलत सूचना फैलाने से पहले तथ्यों को सत्यापित करने और स्रोतों की जांच करने के लिए कहा था।चीनी सरकारी मीडिया आउटलेट ग्लोबल टाइम्स का एक्स अकाउंट भारत में बंद कर दिया गया है। ग्लोबल टाइम्स को चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का मुखपत्र माना जाता है। भारत में यूजर्स द्वारा इसके एक्स पेज को ओपन करने की कोशिश कर रहे हैं तो उन्हें ग्लोबल टाइम्स का अकाउंट भारत में कानूनी मांग के जवाब में बंद कर दिया गया है जैसा मैसेज स्कीन पर लिखा नजर आ रहा है। ग्लोबल टाइम्स ने यह रिपोर्ट प्रकाशित की थी कि पाकिस्तान वायु सेना (पीएएफ) ने ऑपरेशन सिंदूर की कवरेज के बाद भारतीय लड़ाकू विमान को मार गिराया है। भारत ने एक चीनी मीडिया आउटलेट की कड़ी आलोचना की थी और उसे गलत सूचना फैलाने से पहले तथ्यों को सत्यापित करने और स्रोतों की जांच करने के लिए कहा था। यह प्रतिक्रिया ग्लोबल टाइम्स द्वारा एक रिपोर्ट प्रकाशित करने के बाद आई थी जिसमें दावा किया गया था कि पाकिस्तान वायु सेना (पीएएफ) ने पाकिस्तान में कई ठिकानों पर रात भर भारतीय हवाई हमलों के जवाब में एक और भारतीय लड़ाकू विमान को मार गिराया है। इस रिपोर्ट में पाकिस्तानी सेना के अज्ञात स्रोतों का हवाला दिया गया था। ग्लोबल टाइम्स ने सैन्य सूत्रों का हवाला देते हुए फेक रिपोर्ट पब्लिश की थी कि यह तीसरा भारतीय लड़ाकू विमान है जिसे रातभर के हमलों के जवाब में मार गिराया गया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास के आधिकारिक हैंडल से एक्स पर कई पोस्ट में कहा गया, हम आपको सलाह देंगे कि इस तरह की गलत सूचना को फैलाने से पहले आप अपने तथ्यों को सत्यापित कर लें और अपने स्रोतों की जांच कर लें। दूतावास ने सोशल मीडिया पर दैनिक के पोस्ट पर सवाल उठाया क्योंकि इसमें पाकिस्तान वायु सेना के दावों के बारे में पोस्ट किया गया था। इसमें कहा गया, ÷कई पाकिस्तान समर्थक हैंडल ़ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में निराधार दावे फैला रहे हैं, जो जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

सिगरेट की डिब्बी पर ऊंगलियों के निशान से 50 साल बाद पकड़ा गया हत्यारोपी

कैलिफोर्निया, एजेंसी। कैलिफोर्निया अमेरिका में करीब 50 साल बाद एक हत्या के आरोपी को पकड़े जाने का मामला सामने आया है। दरअसल साल 1977 में कैलिफोर्निया की एक महिला जीनेट राल्सटन की गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी। जीनेट का शव उसकी कार की सीट से बरामद हुआ था। अब इस मामले में ओहायो के जेफरसन को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दरअसल जीनेटे के शव के पास कार से एक सिगरेट की डिब्बी मिली थी, जिस पर हत्यारोपी के ऊंगलियों के निशान थे। जीनेट की हत्या के कई वर्ष बीत जाने के बाद भी हत्यारे का कोई सुराग नहीं मिल पाया था। बीते दिनों कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने एफबीआई के अपडेट डेटा से फिंगर प्रिंट मैच करने की मांग की। इसी मैचिंग के दौरान ओहायो के जेफरसन के फिंगर प्रिंट सिगरेट के डिब्बे पर मिले फिंगर प्रिंट से मैच कर गए, जिसके बाद जेफरसन को गिरफ्तार कर लिया गया।

पाकिस्तान ने भारतीय राजनयिक को 'अवांछित व्यक्ति'

ईस्लामाबाद, एजेंसी। भारत ने नयी दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत एक पाकिस्तानी अधिकारी को जासूसी में संलिप्त होने के आरोप में निष्कासित करते हुए 24 घंटे में देश छोड़ने को कहा।पाकिस्तान ने मंगलवार को यहां भारतीय उच्चायोग के एक सदस्य पर विशेषाधिकार प्राप्त स्थिति के विपरीत गतिविधियों में संलिप्त होने का आरोप लगाते हुए उन्हें ''अवांछित व्यक्ति'' घोषित कर दिया।विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में यह भी कहा गया कि संबंधित अधिकारी को 24 घंटे के भीतर पाकिस्तान छोड़ने का निर्देश दिया गया है। इसमें कहा गया, ''पाकिस्तान सरकार ने इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के एक सदस्य को उसकी विशेषाधिकार प्राप्त स्थिति के विपरीत गतिविधियों में संलिप्त रहने के कारण अवांछित व्यक्ति घोषित कर दिया है।''बयान में कहा गया भारतीय उच्चायुक्त को मंगलवार को विदेश मंत्रालय में बुलाया गया तथा इस निर्णय से अवगत कराया गया। इससे पहले, भारत ने नयी दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत एक पाकिस्तानी अधिकारी को जासूसी में संलिप्त होने के आरोप में निष्कासित करते हुए 24 घंटे में देश छोड़ने को कहा।

संरा में मानवीय मामलों के प्रमुख ने गाजा को सहायता देने से रोक को लेकर इजराइल की आलोचना की

वाशिंगटन, एजेंसी। फ्लेचर ने कहा, ''मैं आपसे एक पल के लिए यह सोचने को कहता हूं कि हम भविष्य की पीढ़ियों को क्या बताएंगे कि हमने 21वीं सदी के उस अत्याचार को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जिसे हम गाजा में होते हर रोज देखते हैं।'' संयुक्त राष्ट्र में मानवीय मामलों के शीर्ष अधिकारी ने इजराइल की आलोचना करते हुए उस पर ''जानबूझकर और बेशर्मी से'' फलस्तीनियों पर अकाल जैसी अमानवीय स्थितियां थोपने का मंगलवार को आरोप लगाया। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के प्रमुख टॉम फ्लेचर ने सुरक्षा परिषद के सदस्यों से कहा कि इजराइल ने 10 सप्ताह से अधिक समय पहले गाजा में सभी मानवीय प्रकार की सहायता को बाधित कर दिया जिसके कारण उनका काम ''बहुत मुश्किल'' हो गया है। फ्लेचर ने कहा, ''मैं आपसे एक पल के लिए यह सोचने को कहता हूं कि हम भविष्य की पीढ़ियों को क्या बताएंगे कि हमने 21वीं सदी के उस अत्याचार को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जिसे हम गाजा में होते हर रोज देखते हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह सवाल हमसे हमेशा किया जाएगा।'' संयुक्त राष्ट्र में इजराइली मिशन ने फ्लेचर की टिप्पणियों के जवाब में कहा, ''इजराइल ऐसे किसी मानवीय तंत्र को स्वीकार नहीं करेगा जो उस हमास आतंकवादी संगठन को बढ़ावा देता हो जिसने हमारे लोगों की हत्या की।'' गाजा के लिए संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम के निदेशक एंटोनी रेनार्ड ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि गाजा की एक चौथाई आबादी पर अकाल का खतरा है।

भयानक भूकंप, फेमस टूरिस्ट शहर क्रेते में 6.3 की तीव्रता से कांपी धरती, लोगों में दहशत का महौल

क्रेते , एजेंसी। दक्षिणी यूरोप और उत्तर अफ्रीका के बीच फैली ज़मीन बुधवार को अचानक हिल उठी। ग्रीस के लोकप्रिय पर्यटन स्थल क्रेते में बुधवार को रिक्टर स्केल पर 6.3 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप दर्ज किया गया। यह जानकारी जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने दी है। भूकंप की गहराई 83 किलोमीटर बताई गई है, जिससे तीव्र झटका महसूस तो हुआ, लेकिन राहत की बात यह रही कि अभी तक किसी बड़े नुकसान की कोई पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है।भूकंप के बाद स्थानीय प्रशासन और आपातकालीन टीमें सतर्क हो गई हैं और इलाके की स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। नागरिकों से भी संयम और सतर्कता बरतने की अपील की गई है।

ग्रीस तक ही नहीं, मिस्र के उत्तरी क्षेत्रों में भी इस भूकंप के झटके महसूस किए गए। मिस्र के नेशनल रिसर्च इंस्टिट्यूट ऑफ एस्ट्रोनॉमी एंड जियोफिजिक्स के अनुसार, वहां 431 किलोमीटर दूर समुद्री क्षेत्र में 6.4 तीव्रता का भूकंप रिकॉर्ड किया गया। हालांकि, वहां से भी किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है।

गौरतलब है कि 6.0 से 6.9 तीव्रता का भूकंप शक्तिशाली श्रेणी में आता है, जो यदि जमीन के बहुत पास हो, तो भारी तबाही ला सकता है। हालांकि, गहराई 80 किलोमीटर से अधिक होने की वजह से इस बार इसका असर सीमित रहा और बड़ी तबाही नहीं हुई।

अमेरिका-सऊदी अरब में 12.1 लाख करोड़ रुपए की डिफेंस डील

इस्लामाबाद एजेंसी। भारत से टकराने के लिए पाकिस्तान ने तुर्की के बनाए ड्रोन का सहारा लिया, लेकिन यह फैसला उसकी सबसे बड़ी गलती साबित हुआ। तुर्की की ड्रोन निर्माता कंपनी क्क्च्4द्यद्गह्ल ने पाकिस्तान को ऐसे ड्रोन दिए जो यूक्रेन-रूस युद्ध में पहले ही असफल हो चुके थे। अब जब पाकिस्तान ने इनका इस्तेमाल भारत के खिलाफ किया, तो भारत की मजबूत एयर डिफेंस प्रणाली ने इन्हें हवा में ही उड़ा दिया।

हाल ही में पाकिस्तान ने भारत के कई इलाकों में एक साथ ड्रोन भेजे, जो तुर्की से मिले थे। लेकिन भारतीय सेना ने इन पर तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी ड्रोन को मार गिराया। इस कार्रवाई को 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया गया, जिसमें भारत ने पाकिस्तान की योजना को पूरी तरह नाकाम कर दिया।इसके उलट उसने पाकिस्तान को ये ड्रोन बेच दिए। लेकिन यही

ड्रोन पहले यूक्रेन-रूस युद्ध में भी नाकाम साबित हो चुके हैं। रूस ने जब अपने एयर डिफेंस सिस्टम को मजबूत किया, तो ये ड्रोन टारगेट तक पहुँचने से पहले ही मार गिराए गए। यूक्रेन ने भी बाद में इन तुर्की ड्रोन का इस्तेमाल सिर्फ निगरानी और सेना की मूवमेंट प्लानिंग के लिए करना शुरू कर दिया। भारत ने इस से सबक सीखा, लेकिन पाकिस्तान तुर्की के झांसे में आ गया।

जब पाकिस्तान ने तुर्की के ड्रोन भारत की ओर भेजे, तो भारतीय वायुसेना और थलसेना ने मेड-इन-इंडिया ड्रोन और इजरायली 'हरोप' का इस्तेमाल करके इन्हें खत्म कर दिया। 'हरोप' ऐसे ड्रोन होते हैं जो दुश्मन के ठिकाने की पहचान करने के बाद खुद को विस्फोट कर उड़ाते हैं।

7 से 10 मई के बीच चले संघर्ष में भारत के इन 'कमांडो ड्रोन' ने पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम और कई सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचाया। वहीं पाकिस्तान और तुर्की को समझ में आ गया कि भारत की तकनीकी तैयारी और जवाबी क्षमता कितनी मजबूत है।

राष्ट्रपति एर्दोगन का सपना है कि वह मुस्लिम देशों का नेता बने, इसलिए वह पाकिस्तान जैसे देशों को समर्थन दिखाते हैं। लेकिन यह सिर्फ राजनीतिक दांव-पेच है। तुर्की ने पाकिस्तान को जो ड्रोन दिए, वो यूक्रेन को दिए गए असली वर्जन से कमजोर थे। यानी पाकिस्तान को एक तरह से सस्ते और पुराने ड्रोन थमा दिए गए। अब जब ये ड्रोन भारत के खिलाफ फेल हो गए, तो तुर्की ने खुद को बचाने के लिए एक जूनियर अफसर के ज़रिए बयान दिलवाया, जिससे उसकी हताशा साफ दिखती है।

भारत के एक्शन से बौखलाया पाकिस्तान, भारतीय अधिकारी को दिया 24 घंटे में देश छोड़ने का आदेश

इस्लामाबाद , एजेंसी। भारत द्वारा आतंकियों पर की गई कार्रवाई और फिर पाकिस्तान द्वारा हमले की कोशिश करने के बाद मिले करारा जवाब के बाद पाकिस्तान की सरकार अब बौखला चुकी है।

इस बीच पाकिस्तान विदेश मंत्रालय ने इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के एक कर्मचारी को जासूसी के आरोप में आवंछित घोषित कर दिया। पाकिस्तान ने भारतीय राजनयिक और उनके परिवार को 24 घंटे के अंदर पाकिस्तान छोड़ने को कहा है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के एक कर्मचारी को अवांछित व्यक्ति घोषित किया गया है।

पाकिस्तान सरकार ने इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के एक कर्मचारी को उसकी विशेषाधिकार प्राप्त स्थिति के साथ असंगत गतिविधियों में संलग्न होने के लिए अवांछित व्यक्ति घोषित किया है। संबंधित अधिकारी को 24 घंटे के भीतर पाकिस्तान छोड़ने का निर्देश दिया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत एक पाकिस्तानी अदिकारी को भारत में उसकी आधिकारिक स्थिति के अनुरूप नहीं होने वाली गतिविधियों में संलिप्त होने के कारण अवांछित व्यक्ति घोषित किया था।

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, भारत सरकार ने नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत एक पाकिस्तानी अधिकारी को भारत में अपने आधिकारिक दर्जे के अनुरूप गतिविधियों में संलिप्त होने के कारण अवांछित व्यक्ति घोषित किया गया है। अधिकारी को 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने को कहा गया है। भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कई आतंकी ठिकानों पर हमला किया गया था। यह हमला 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक हमले का बदला लेने के लिए किया गया था, जिसमें 26 पर्यटक मारे गए थे। 100 से ज़्यादा आतंकवादियों को मार गिराने के अलावा, इन हमलों में पाकिस्तान के अंदर 11 एयर बेस को निशाना बनाया गया और उनकी सैन्य क्षमताओं को काफी नुकसान पहुंचाया गया। हवाई, जमीनी और समुद्री अभियानों को संयमित तरीक़े से अंजाम दिया गया, जिसमें नागरिकों की कम से कम हताहत होने पर ज़ोर दिया गया।

सिगरेट की डिब्बी पर ऊंगलियों के निशान से 50 साल बाद पकड़ा गया हत्यारोपी

कैलिफोर्निया , एजेंसी। कैलिफोर्निया अमेरिका में करीब 50 साल बाद एक हत्या के आरोपी को पकड़े जाने का मामला सामने आया है। दरअसल साल 1977 में कैलिफोर्निया की एक महिला जीनेट राल्सटन की गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी। जीनेट का शव उसकी कार की सीट से बरामद हुआ था। अब इस मामले में ओहायो के जेफरसन को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दरअसल जीनेटे के शव के पास कार से एक सिगरेट की डिब्बी मिली थी, जिस पर हत्यारोपी के ऊंगलियों के निशान थे। जीनेट की हत्या के कई वर्ष बीत जाने के बाद भी हत्यारे का कोई सुराग नहीं मिल पाया था। बीते दिनों कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने एफबीआई के अपडेट डेटा से फिंगर प्रिंट मैच करने की मांग की। इसी मैचिंग के दौरान ओहायो के जेफरसन के फिंगर प्रिंट सिगरेट के डिब्बे पर मिले फिंगर प्रिंट से मैच कर गए, जिसके बाद जेफरसन को गिरफ्तार कर लिया गया।

हमले से 1 महीने पहले से ही मुनीर खरीद रहे थे पहलगाम की सैटेलाइट इमेज, अमेरिका के खुलासे से फंसा पाकिस्तान

वाशिंगटन, एजेंसी। बिजनेस सिस्टम इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड (बीएसआई) र कंपनी है। ये पाकिस्तानी कंपनी है। पहलगाम हमले के कुछ दिनों पहले अचानक पाकिस्तान की बीएसआई प्राइवेट लिमिटेड ने अमेरिका की कंपनी मैक्सार टेक्नोलॉजी को बड़े पैमाने पर पहलगाम की सैटेलाइट इमेज का ऑर्डर दिया।

पहलगाम में जब हमला हुआ उससे पहले वहां की सैटेलाइट तस्वीरें पाकिस्तान ने खरीदी थी। सैटेलाइट इमेज बेचने वाली कंपनी मैक्सर से पाकिस्तानी फर्म बीएसआई ने ये तस्वीरें खरीदी और उसके बाद किस तरह से पहगलाम में हमला करने की साजिश रची गई। भारत के मीडिया संस्थान द प्रिंट ने पहलगाम हमले और उसके बाद के घटित

घटनाक्रम को लेकर बहुत बड़े खुलासे किए हैं। दरअसल, अमेरिका की एक कंपनी मैक्सार टेक्नोलॉजी भू स्थानिक फर्म है। वो सैटेलाइट इमेज कैप्चर करती है। उसके पास रियल टाइम इमेज होता है। वहीं बिजनेस सिस्टम इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड (बीएसआई) र कंपनी है। ये पाकिस्तानी कंपनी है। पहलगाम हमले के कुछ दिनों पहले अचानक पाकिस्तान की बीएसआई प्राइवेट लिमिटेड ने अमेरिका की कंपनी मैक्सार टेक्नोलॉजी को बड़े पैमाने पर पहलगाम की सैटेलाइट इमेज का ऑर्डर दिया।

लगातार जब तक ये घटना घटी नहीं यानी 1 तारीख तक रोजाना बीएसआई प्राइवेट लिमिटेड ने मैक्सार टेक्नोलॉजी से वो मेज मंगाते रहे। ये बीएसआई कंपनी का मालिक अब्दुल्ला सैय्यद है। सैय्यद पाकिस्तान के परमाणु हथियार कार्यक्रम में सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। 2020 में अमेरिका ने बीएसआई की जांच की थी। होमलैंड सिक्योरिटी ने तब पाया कि अब्दुल्ला सैय्यद के पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय और एनडीसी व परमाणु ऊर्जा आयोग से सीधे संबंध रहे हैं। वहां के कोर्ट ने बकायदा इस कंपनी को अमेरिका में बैन कर रखा है। 2020 में अमेरिकन कोर्ट इस पर बैन लगाता है। फिर अब्दुल्ला सैय्यद दूसरी कंपनी बनाकर 2023 में मेक्सार टेक्नोलॉजी के साथ फिर से पार्टनरशिप कर लेता है। बड़ा खुलासा ये है कि अब्दुल्ला सैय्यद पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय के सीधे संपर्क में था।

मैक्सार टेक्नोलॉजी से इसने जो सारे सैटेलाइट इमेज खरीदे वो पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय को सुपुर्द किए हैं। रिपोर्ट में इसके एवज में पैसे के ट्रांजक्शन के भी सबूत हैं। मतलब साफ है कि पहलगाम का हमला पाकिस्तानी आर्मी ने बकायदा प्लान किया। सैटेलाइट इमेट पाकिस्तानी आर्मी को मिले। पहलगाम के लगातार 21 दिनों तक रियल टाइम इमेज वहां की आर्मी स्टडी करती रही। जिस दिन हमला हुआ यानी 22 अप्रैल को तो 21 अप्रैल से ही वो ऑर्डर बंद हो जाता है। रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद मैक्सार ने अपने पार्टनर पेज से बीएसआई को हटा दिया और इस बात से इनकार किया कि बीएसआई ने पहलगाम की तस्वीरें मंगवाई थीं।

ब्रिटेन पीएम स्टार्मर की नई इमिग्रेशन पॉलिसी, 5 की जगह 10 साल तक रहने वालों को ही मिलेगी स्थाई नागरिकता

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने नई इमिग्रेशन पॉलिसी की घोषणा की। इससे ब्रिटेन में स्थायी रूप से रहना और कठिन हो गया है। स्थायी निवास के लिए आवेदन करना हो तो प्रवासी को अब 10 साल ब्रिटेन में ही रहना अनिवार्य होगा। पहले यह अवधि सिर्फ 5 साल के लिए थी। ब्रिटिश पीएम की इस घोषणा का असर भारतीय नागरिकों को भी पड़ेगा, जिनकी ब्रिटेन में बड़ी संख्या है। साल 2023 में करीब ढाई लाख भारतीय पढ़ाई और काम के सिलसिले में ब्रिटेन आए थे। ब्रिटिश पीएम की घोषणाओं के अनुसार, सभी वीजा आवेदकों के लिए अंग्रेजी भाषा की आवश्यकताओं को कड़ा किया गया है। ब्रिटिश पीएम की घोषणाओं में केयर सेक्टर में विदेशी कर्मचारियों की भर्ती पर रोक लगाई गई है। स्नातक वीजा धारकों के लिए पढ़ाई के बाद ब्रिटेन में ही रहने की अवधि जो पहले 2 साल की थी, उसे घटाकर डेढ़ साल कर दिया गया है। अब स्किल्ड वीजा के लिए सिर्फ ए लेवल नहीं, डिग्री लेवल की योग्यता आवश्यक होगी।

53 साल बाद लौटा 'कोसमोस 482'

धरती पर गिरा सोवियत युग का रहस्यमयी यान

शुक्र ग्रह पर असफल प्रक्षेपण के आधी सदी से भी अधिक समय बाद, सोवियत युग का एक अंतरिक्ष यान शनिवार को पृथ्वी पर उतरा। कहा जा रहा है कि इसके बाद यूरोपीय संघ अंतरिक्ष निगरानी एजेंसी ने इसके अनियंत्रित रूप से गिरने की पुष्टि की है। साथ ही, एजेंसी के अंतरिक्ष मलबा कार्यालय ने भी संकेत दिया कि अंतरिक्ष यान पृथ्वी के वायुमंडल में पुनः प्रवेश कर चुका है, क्योंकि यह जर्मन रडार स्टेशनों पर दिखाई नहीं दे रहा था। यह तत्काल ज्ञात नहीं हो सका कि अंतरिक्ष यान वायुमंडल में कहां प्रवेश कर गया। वहीं, वैज्ञानिकों का कहना है कि अंतरिक्ष यान के मलबे से किसी के प्रभावित होने की संभावना फिलहाल बहुत कम है।

इसे किस वर्ष लॉन्च किया गया?

इसे 1972 में सोवियत संघ द्वारा प्रक्षेपित किया गया था। कॉस्मोस 482 नामक यह अंतरिक्ष यान शुक्र ग्रह के लिए एक मिशन का हिस्सा था, लेकिन कहा जा रहा है कि यह कभी पृथ्वी की कक्षा से बाहर नहीं निकल पाया और रॉकेट की खराबी के कारण वहीं फंस गया। इनमें से अधिकांश अंतरिक्ष यान एक दशक के असफल प्रक्षेपणों के दौरान पृथ्वी पर गिर पड़े। इसे गिरने में 53 वर्ष लग गये।

इसका वजन कितना था?

विशेषज्ञों के अनुसार यह लैंडर टाइटेनियम से बना था और इसका वजन 495 किलोग्राम से अधिक था। अंतरिक्ष यान के पृथ्वी पर उतरने से पहले, वैज्ञानिक, सैन्य विशेषज्ञ और अन्य लोग यह बताने में असमर्थ थे कि अंतरिक्ष यान पृथ्वी पर कब और कहां उतरेगा। सौर गतिविधि के कारण अनिश्चितता बढ़ गई। साथ ही इतने लम्बे समय तक अंतरिक्ष में रहने के कारण इस अंतरिक्ष यान की हालत भी खराब हो गई। शनिवार सुबह तक अमेरिकी अंतरिक्ष कमान ने अंतरिक्ष यान की वापसी की पुष्टि नहीं की थी, क्योंकि वह कक्षा से डेटा एकत्रित और उसका विश्लेषण कर रहा था।

पेड़ राख बन जाएंगे...

धरती से जीवन खत्म होने पर सामने आई नई रिसर्च, अब एक अरब वर्ष पहले आएगी कयामत!

जापान के तोहो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने सुपर कंप्यूटर की गणना के आधार पर दुनिया के खत्म होने पर नया दावा किया है। सुपर कंप्यूटर की ये सिमुलेशन कहती है कि पृथ्वी पर ऑक्सीजन अगले एक अरब वर्षों में खत्म हो जाएगी। सांस लेने के लिए ऑक्सीजन नहीं रहने से पृथ्वी पर जीवन संभव नहीं रहेगा और सबकुछ खत्म हो जाएगा। वैज्ञानिकों का कहना है कि NASA के प्लैनेटरी मॉडलिंग का इस्तेमाल करते हुए ये शोध किया गया, जो कहता है कि एक अरब वर्ष बाद कयामत आएगी। इससे पहले के इस तरह के शोध दो अरब वर्ष में धरती से जीवन खत्म होने का दावा कर रहे थे। यह अध्ययन पृथ्वी के वायुमंडल के विकास की संभावनाओं पर आधारित है। इसके लिए 4,00,000 सिमुलेशन चलाए गए। इससे पता चला कि सूर्य बूढ़ा होने पर ज्यादा गर्म होता जाएगा। इसका असर पृथ्वी के मौसम पर पड़ेगा। गर्मी बढ़ेगी तो पानी भाप बनकर उड़ जाएगा। सतह का तापमान बढ़ेगा और कार्बन चक्र कमजोर हो जाएगा। इससे पौधे मर जाएंगे और ऑक्सीजन का उत्पादन रुक जाएगा। वायुमंडल मीथेन से भर जाएगा। यह स्थिति पृथ्वी के शुरुआती दौर की तरह होगी, जब ग्रेट ऑक्सीडेशन इवेंट नहीं हुआ था।

बढ़ती गर्मी बनेगी कयामत की वजह !

धरती से जीवन खत्म होने के बारे में बताने वाला ये अध्ययन नेचर जियोसाइंस में प्रकाशित हुआ है। इसका शीर्षक है 'द फ्यूचर लाइफस्पैन ऑफ अर्थ्स ऑक्सिजनेटेड एटमॉस्फियर'। अध्ययन में पाया गया कि पृथ्वी के ऑक्सीजन युक्त वायुमंडल का भविष्य एक अरब वर्ष है। जापान के सहायक प्रोफेसर काज़ुमी ओजकी ने कहा है कि कई सालों से पृथ्वी के बायोस्फीयर के जीवनकाल पर चर्चा वैज्ञानिक ज्ञान के आधार पर की जा रही है। इसमें सूर्य की चमक और ग्लोबल कार्बोनेट-सिलिकेट जियोकेमिकल चक्र शामिल हैं। ओजकी ने आगे कहा, 'ऐसे सैद्धांतिक ढांचे का एक नतीजा वायुमंडलीय CO_2 के स्तर में लगातार गिरावट और भूवैज्ञानिक समय-सीमा पर ग्लोबल वार्मिंग है। यह आमतौर पर माना जाता है कि पृथ्वी का बायोस्फीयर दो अरब वर्षों में खत्म हो जाएगा। ऐसा तेज गर्मी और प्रकाश संश्लेषण के लिए CO_2 की कमी की वजह से होगा। काज़ुमी ओजकी ने बताया कि पिछले अनुमानों से पता चला है कि पृथ्वी का बायोस्फीयर ज्यादा गरम होने और CO_2 की कमी के कारण दो अरब वर्षों में खत्म हो जाएगा। नए शोध में इस समय-सीमा को कम कर दिया गया है। अब यह अनुमान लगाया गया है कि एक अरब वर्षों में ऑक्सीजन तेजी से खत्म हो जाएगी। इसकी वजह गर्मी बढ़ने से पेड-पौधों का सूख जाना और ऑक्सीजन का बनना बंद होना बनेगा।

वर्ल्ड वाइज न्यूज
dainikworldwisenews@gmail.com

दोस्ताना 2 से बाहर हो गईं जान्हवी कपूर

फिल्म 'दोस्ताना 2' कुछ समय के लिए टाल दी गई थी, इस फिल्म में पहले जान्हवी कपूर और कार्तिक आर्यन लीड रोल के लिए चुने गए। एक बार फिर मेकर्स इस फिल्म को बनाने की प्लानिंग कर रहे हैं। हाल ही में इस फिल्म से जुड़ा एक नया अपडेट सामने आया है। अब जान्हवी की जगह फिल्म में दूसरी एक्ट्रेस को लिया जा रहा है।

श्रीलीला होंगी दोस्ताना 2 का हिस्सा

एक रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'दोस्ताना 2' में जाहन्वी की जगह श्रीलीला को लिए जाने की बात सामने आई है। वह फिल्म में कार्तिक आर्यन के अपोजिट नजर आएंगी। वहीं विक्रांत मैसी भी अब इस फिल्म का हिस्सा हैं, उन्हें एक्टर लक्ष्य से रिप्लेस किया गया है। 'दोस्ताना 2' करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस तले बन रही है।

कार्तिक संग एक और फिल्म कर रहीं श्रीलीला

एक तरफ कार्तिक आर्यन और श्रीलीला 'दोस्ताना 2' में नजर आएंगे। वहीं ये दोनों एक अनाम रोमांटिक फिल्म भी कर रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग भी इन दिनों ये दोनों एक्टर्स कर रहे हैं। श्रीलीला साउथ की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं, वह फिल्म 'पुष्पा 2' में एक हिट आइटम डांस कर चुकी हैं।

दोस्ताना में थी ये स्टार कास्ट

करण जौहर प्रोड्यूस फिल्म 'दोस्ताना(2008)' दर्शकों को काफी पसंद आई थी। इस फिल्म में अभिषेक बच्चन, जॉन अब्राहम और प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में नजर आए थे। प्रियंका पर इस फिल्म में एक गाना 'देसी गर्ल' भी फिल्माया गया, जो आज तक मशहूर है। इस फिल्म के बाद से ही प्रियंका चोपड़ा को देसी गर्ल के नाम से पुकारा जाने लगा।

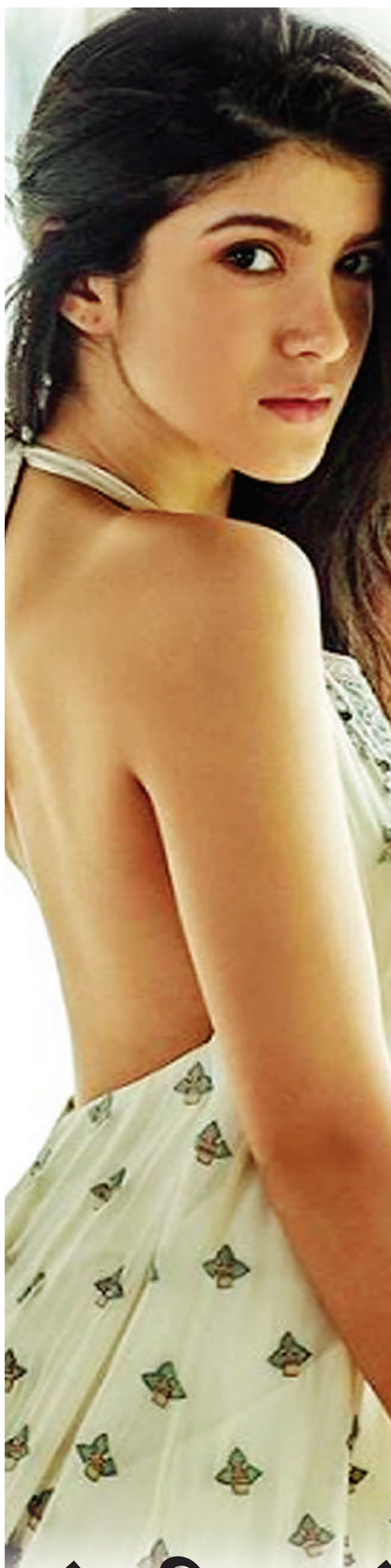

शनाया नहीं ये अभिनेत्री थी आंखों की गुस्ताखियां के लिए पहली पसंद

संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर जल्द ही फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली हैं। यह फिल्म इस साल जुलाई में बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली है। शनाया के साथ विक्रांत मैसी भी होंगे। हाल ही में एक इंटरव्यू में फिल्म के निर्देशक संतोष सिंह ने बताया है कि इस फिल्म के लिए शनाया कपूर पहली पसंद नहीं थीं।

शनाया नहीं थीं पहली पसंद

निर्देशक संतोष सिंह ने बताया कि शनाया कपूर आंखों की गुस्ताखियां के लिए पहली पसंद नहीं थीं, बल्कि उनकी जगह पर तारा सुतारिया और प्रतिभा रंता को लिया जाना था। निर्देशक ने बॉलीवुड हंगामा से बातचीत में बताया फिल्म में लीड एक्ट्रेस को लिए जाने की अलग ही कहानी है। इस फिल्म के लिए पहले हम तारा सुतारिया और प्रतिभा रंता को लेना चाहते थे, लेकिन उनके पास वक्त नहीं था। इसके बाद हमने शनाया को लिया और वह इसके लिए राजी हो गईं।

फिल्म के लिए शनाया ने की मेहनत

शनाया ने इस फिल्म के लिए काफी मेहनत की। इसके बाद ऑडिशन के जरिए अपनी जगह पक्की की। उन्होंने इस रोल के लिए महीनों तक प्रशिक्षण लिया। निर्देशक ने बताया हमने उसके साथ चार महीने तक कार्यशालाएं कीं। शनाया ने एक एक्टिंग कोच के साथ भी काम किया। जब हमने शूटिंग शुरू की, तब तक उन्हें स्क्रिप्ट अच्छी तरह याद थी।

फिल्म के बारे में

आपको बता दें फिल्म आंखों की गुस्ताखियां रस्किन बॉन्ड की लघु कहानी द आइज हैव इट पर आधारित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में शनाया एक थिएटर आर्टिस्ट की भूमिका निभाएंगी और विक्रांत फिल्म में एक अंधे संगीतकार की भूमिका निभाएंगे। हाल ही में निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का मोशन पोस्टर जारी किया और लिखा इस मानसून में सिर्फ गिरना नहीं है, बल्कि प्यार को महसूस करना है। आंखों की गुस्ताखियां। 11 जुलाई 2025 को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में।

सोनाक्षी सिन्हा की जटाधरा का पोस्टर रिलीज

अभिनेता सुधीर बाबू की आगामी फिल्म जटाधरा के मेकर्स ने उनके प्रशंसकों को तोहफा दिया है। फिल्म से सुधीर का लुक शेयर किया गया है। सोशल मीडिया पर पोस्टर जारी किया गया है। बता दें कि बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा भी जटाधरा में अहम भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का पोस्टर जी स्टूडियोज साउथ के इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया गया है। इसके साथ लिखा है, सुधीर बाबू शिव के रूप में। समय से परे एक यात्रा। सुधीर बाबू को जन्मदिन की शुभकामनाएं। पोस्टर पर सुधीर बाबू आक्रामक अंदाज में नजर आ रहे हैं। फिल्म जटाधारा एक सुपरनेचुरल थ्रिलर फिल्म है, जो प्राचीन रहस्यों पर आधारित है। जी स्टूडियोज, उमेश केआर बंसल और प्रेरणा अरोरा द्वारा प्रस्तुत फिल्म जटाधारा में सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा लीड रोल में हैं। इनके अलावा शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णन, रवि प्रकाश, झांसी लक्ष्मी, सुभलेखा सुधाकर जैसे कलाकार भी इसका हिस्सा हैं। फिल्म का निर्माण शिविन नारंग और अरुणा अग्रवाल ने किया है। अक्षय केजरीवाल, दिव्या विजय और कुसुम अरोरा सह-निर्माता हैं। जटाधारा के जरिए सोनाक्षी साउथ में डेब्यू करने जा रही हैं।

जो इतिहास में दर्ज नहीं, उन्हीं कहानियों को परदे पर लाना चाहता हूं

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की कोस्टाओ जी 5 पर रिलीज हुई है। फिल्म में उन्होंने कस्टम ऑफिसर कोस्टाओ फर्नांडीज की भूमिका निभाई है, जिन्होंने गोल्ड स्मगलिंग ऑपरेशन को अंजाम दिया था।

कास्टाओ से आपको क्या खास जुड़ाव महसूस हुआ?

मुझे ऐसी कहानियां पसंद हैं, जो अनकही होती हैं, लेकिन उनमें सच्चाई और ईमानदारी होती है। ये एक ऐसे शख्स की कहानी है, जिसने अपने कर्तव्य के लिए सब कुछ खो दिया, लेकिन हार नहीं मानी। उनके द्वारा पकड़ा गया सोना आज के हिसाब से करीब 1500 करोड़ का था। सुप्रीम कोर्ट से उन्हें ऐतिहासिक जीत मिली, लेकिन आज भी वे गुमनाम हैं। ऐसे लोगों की कहानी कहने के लिए ही मैं फिल्मों का चुनाव करता हूं।

कोई यादगार अनुभव जो फिल्म से जुड़ा हो?

एक सीन में, मैं पानी में डुबकी लगा रहा था और पास ही मगरमच्छ था, बिलकुल अनप्लान्ड। ईश्वर की दया से सब ठीक रहा।

फिल्म के सेट पर शूटिंग का अनुभव कैसा रहा?

शानदार, प्रिया बापट जैसी बेहतरीन एक्ट्रेस और गगनवीर जैसे टैलेंटेड एक्टर्स के साथ काम करके बहुत मजा आया। एक अच्छा सीन तभी बनता है जब एक्टर्स अच्छे हों।

आप ऑडियंस को क्या मैसेज देना चाहेंगे?

यह एक सच्ची कहानी है। हमने इसे नाटकीय नहीं बनाया है। परिवार के साथ बैठकर देखने लायक है।

साउथ की पैन इंडिया फिल्मों पर आपकी राय?

मेरे हिसाब से अच्छा सिनेमा किसी भी भाषा या जगह का हो, उसे सराहा जाना चाहिए। साउथ की भी सभी फिल्में हिट नहीं होतीं। लोगों को आजकल कहानी में ज्यादा इंटरेस्ट आ रहा है।

एक्टर का किरदार कहानी में कितना जरूरी होता है?

कहानी जितनी जरूरी है, किरदार उतना ही अहम होता है। मेरा ध्यान इस पर रहता है कि मेरा रोल किस तरह से गढ़ा गया है।

सोशल मीडिया पर आपकी क्या राय है?

सोशल मीडिया के दो पहलू हैं, अच्छे कंटेंट वाले लोग भी हैं, लेकिन यंग जनरेशन के लिए ये समय बर्बादी का जरिया भी बनता जा रहा है।

बॉलीवुड की नई संस्कृति पर नील नितिन मुकेश ने रखी राय

अभिनेता नील नितिन मुकेश वेब सीरीज है जुनून से अपने डिजिटल डेब्यू की तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री के बारे में बात की है। स्क्रीन के साथ एक बातचीत में अभिनेता ने अपने फिल्मी सफर के उतार-चढ़ाव के बारे में बताया है। उन्होंने माना है कि बॉलीवुड ने उन्हें कई मौके दिए हैं लेकिन इसने उन्हें इंड्स्ट्री के एक ऐसे पक्ष से भी अवगत कराया है जो बहुत अच्छा नहीं रहा है।

नील नितिन मुकेश को है इस बात का दुख

नील नितिन मुकेश ने आज के फिल्मी हलकों में भाईचारे और सच्ची तारीफ की कमी पर दुख जताया है। अभिनेता ने कहा अगर हम एक ही बिरादरी का हिस्सा हैं, तो क्या हमें एक-दूसरे के लिए खुश नहीं होना चाहिए? क्या हमें फोन उठाकर यह नहीं कहना चाहिए अरे, बढ़िया काम किया? लेकिन ये कॉल तब तक नहीं आती जब तक कि वह व्यक्ति आपका बहुत करीबी न हो। करीबी हो तब भी कोई भी आपके सामने यह नहीं कहता।

नील ने स्वर्णिम युग को किया याद

नील नितिन मुकेश ने मौजूदा माहौल और राज कपूर और मुकेश जी के स्वर्णिम युग के बीच अंतर के बारे में बात की। उन्होंने कहा उस समय दोस्ती का कोई एजेंडा नहीं था। फिल्म निर्माण एक जुनून था, एक सहयोग था। राज कपूर साहब को मान्यता की आवश्यकता नहीं थी, फिर भी वे अपनी फिल्मों को ऋषिकेश मुखर्जी के पास जांच के लिए ले जाते थे। आज हम सब कुछ छिपाते हैं- हमारे लुक, ट्रेलर, कट- जब तक कि वे रिलीज होने के लिए तैयार न हो जाएं।

सामूहिक हताशा में हैं लोग

नील के मुताबिक इस बदलाव की जड़ सामूहिक हताशा में है। हर किसी ने पूरी सफलता का स्वाद नहीं चखा है। एक महत्वाकांक्षा बनी हुई है, एक अवसर चूक जाने का अहसास सिस्टम में घुस रहा है। ऐसा नहीं होना चाहिए।

नील नितिन मुकेश का काम

नील नितिन मुकेश के काम के बारे में बात करें तो वह प्रेम रतन धन पायो, साहो और 2024 में रिलीज होने वाली हिसाब बराबर जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। है जुनून के साथ वह अब डिजिटल में कदम रख रहे हैं।

डिंपल कपाड़िया ने दी थी फरहान को धमकी

फरहान अख्तर की फिल्म दिल चाहता है बेहतरीन फिल्मों में से एक है। फिल्म को रिलीज हुए दो दशक हो गए हैं। फिल्म में अक्षय खन्ना, आमिर खान, सैफ अली खान, प्रीति जिंटा और सोनाली कुलकर्णी थीं। फिल्म में डिंपल कपाड़िया भी थीं। हाल ही में फरहान अख्तर ने डिंपल कपाड़िया के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया और बताया कि कैसे उन्होंने कहा था कि उन्हें आंटी न बुलाएं।

डिंपल को आंटी नहीं बुला सकते थे फरहान

वेव्स समिट 2025 में फरहान अख्तर ने कहा जब डिंपल कपाड़िया सेट पर आईं, तो मैंने उनसे बात की। मैंने उन्हें फिल्म में लिया था लेकिन मैंने उन्हें कुछ नहीं कहा था, क्योंकि मैं उन्हें डिंपल आंटी नहीं कह सकता था, वह बहुत परेशान हो जातीं। मैं उन्हें डिंपल भी नहीं कह सकता था क्योंकि मुझे लगता था कि उन्हें लगेगा कि मैं बहुत असभ्य हो रहा हूं, इसलिए मैं बस उनसे कहता था जी जी, हां हां, ठीक है ठीक है, हां मैम।

अगर मुंह से आंटी निकलता तो फिल्म छोड़ देतीं

फरहान ने आगे कहा जब हम काम कर रहे थे और हमें उन्हें बुलाना होता था तो मैं कहता था डिंपल मैम को बुलाओ। फिर मैं कहता- क्या आप तैयार हो मैम? कृपया आइए। दो तीन दिन के बाद उन्होंने पूछा कि तुम मुझे मेरे नाम से क्यों नहीं बुलाते हो? इस पर मैंने कहा- मैं नहीं जनता कि मैं आपको क्या बुलाऊं। इस पर उन्होंने कहा- बेहतर है कि तुम मुझे डिंपल बुलाओ। अगर तुम्हारे मुंह से डिंपल आंटी निकला, तो मैं यह फिल्म छोड़ रही हूं इसके बाद फरहान जोर से हंसते हैं और कहते हैं कि मैंने एक बहुत बेहतरीन इंसान के साथ काम किया। साल 2021 में दिल चाहता है फिल्म ने 20 साल पूरे कर लिए थे। इस मौके पर फरहान अख्तर ने लिखा था अगर डिंपल कपाड़िया फिल्म को मना कर देतीं तो वह इस फिल्म को नहीं बनाते। फरहान अख्तर ने उस वक्त लिखा था मुझे लगता है कि अगर आपने मना कर दिया होता, तो शायद मुझे फिल्म बनाना बंद करना पड़ता। मैं शुक्रगुजार हूं कि आपने हां कहा। हमेशा आभारी रहूंगा।

राम पोथिनेनी की अगली फिल्म को लेकर नई अपडेट

तेलुगु स्टार राम पोथिनेनी के फैंस के लिए एक बड़ी जानकारी सामने आई है। राम पोथिनेनी की अगली फिल्म को लेकर मेकर्स ने एक बड़ा अपडेट दिया है। जिसको जानने के बाद राम के फैंस काफी उत्साहित हैं और फिल्म को लेकर उनकी एक्साइटमेंट भी और बढ़ गई है। अभी फिल्म को रेपो 22 के नाम से संबोधित किया जा रहा है। दरअसल, फिल्म को लेकर बड़ी जानकारी ये है कि फिल्म का टाइटल टीजर कब सामने आएगा इसकी जानकारी मेकर्स ने दे दी है। इस नई अपडेट के मुताबिक, राम पोथिनेनी की अगली फिल्म का टाइटल टीजर 15 मई को अभिनेता के जन्मदिन पर जारी किया जाएगा। मेकर्स की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ये जानकारी शेयर की गई है। सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा गया, एक प्रशंसक। एक शो। एक लाख भावनाएं। 'सागर' से मिलने के लिए तैयार हो जाइए। एक ऐसा फैनबॉय जिससे हम सभी खुद को जोड़ पाएंगे।

महेश बाबू पी ने किया है फिल्म का निर्देशन

महेश बाबू पी द्वारा निर्देशित इस इमोशनल-रोमांटिक फिल्म में भाग्यश्री बोस मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। राम ने इस फिल्म के लिए मेकओवर किया है और फिल्म के लिए काफी मेहनत कर रहे हैं। ऐसे में फैंस भी इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। अब सभी की निगाहें 15 मई पर टिकी हैं, जिस दिन फिल्म की पहली झलक सामने आएगी।

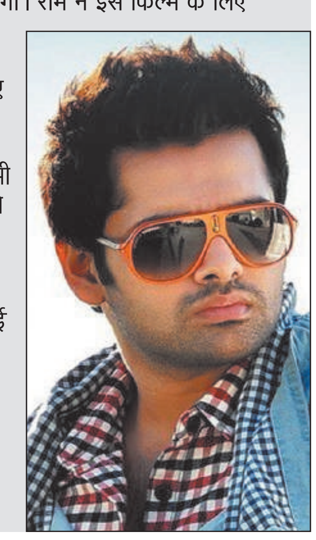

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक निहाल कुमार साह वर्ल्ड वाइज न्यूज (दैनिक), दैनिक भास्कर प्रिंटिंग प्रेस,प्लॉट नंबर 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन , रातू राँची (झारखंड) से मुद्रित , मोनिका भारती फ्लैट नंबर 305 सुशीला अपार्टमेंट, नियर काली मंदिर (जिला- हजारीबाग) राज्य- झारखंड , पिन नंबर 825301 से प्रकाशित (वरीय संपादकः अमरनाथ पाठक) (स्थानीय संपादकः विष्णु पांडेय) पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेवार , RNI.NO: JHAHIN/2023/85732, समस्त दिवानी विवादी, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परीवादो के लिए क्षेत्राधिकार हजारीबाग न्यायालय में रहेगा।